एब लिंकन

[मानव-स्वतंत्रता के पुजारी अब्राहम लिंकन के आरंभिक जीवन के आधार पर तीन अंकों का नाटक]

लेखक
रावर्ट ई० शेरवुड
अनुवादक
विष्णु प्रभाकर

प्रकाशक
अवध पब्लिशिंग हाउस
पानदरीबा, लखनऊ

१९६२]

[रु० १·२५

नाटक के पात्र

जिस क्रम से रंगमंच पर आते हैं।

मेंटोर ग्रेहम — स्कूल अध्यापक।

एब लिंकन — दुकानदार से राष्ट्रपति होने तक।

बैन मेर्टलिंग — पुराना सैनिक।

न्यायाधीश बोलिंग ग्रीन — छोटे कस्बे का न्यायाधीश, एब का सर्वोत्तम मित्र।

निनियन एडवर्ड्स — इलिनॉय के गवर्नर का लड़का।

जोशुआ स्पीड — एब का मित्र।

एन रटलेज — वह लड़की जिसे एब प्यार करता है।

ट्रम कॉगडाल — न्यूसेलम का एक बूढ़ा आदमी।

जैक आर्मस्ट्रोंग —
बैब —
फिअर्गस —
जैस्प — } न्यूसेलम के चार अक्खड़ नवयुवक

सेथगेल — न्यूसेलम का एक गम्भीर नवयुवक।

नैन्सी ग्रीन — न्यायाधीश बोलिंग ग्रीन की पत्नी।

विलियम हर्नडन — एब का क्लर्क, साथी वकील और सबसे बड़ा प्रशंसक।

एलिजबेथ एडवर्ड्स — निनियन एडवर्ड्स की पत्नी।

मेरी टाड — वह लड़की जिससे एब ने शादी की।

एडवर्ड्स परिवार की परिचारिका —

जिम्मी गेल — सेथगेल का लड़का।

एगी गेल — सेथगेल की पत्नी ।

गोबी — गेल परिवार के लिए काम करने वाला एक स्वतंत्र नीग्रो ।

स्टीफन ए डगलस — राष्ट्रपति पद के लिए लिंकन का प्रतिद्वन्द्वी ।

विली लिंकन —
टैड लिंकन —
राबर्ट लिंकन — } एब और मेरी लिंकन के तीन पुत्र ।

लिंकन परिवार की परिचारिका —

क्रिमिन — एक चतुर राजनीतिज्ञ ।

बैरक — राजनीति में रुचि रखने वाला एक पादरी ।

स्टर्वसन — राजनीति में रुचि लेने वाला एक व्यापारी ।

जैड — तार घर का एक कर्मचारी ।

कैवैना — इलिनॉय राज्य का एक सैनिक अधिकारी ।

अधिकारी — सयुक्त राष्ट्र की सेना का एक सैनिक अधिकारी ।

सैनिक —

रेलवे के व्यक्ति और कस्बे की जनता —

---

*

पहला अंक : १८३०-३६ में न्यूसेलम, इलीनॉय और उसके आसपास ।

पहला दृश्य

न्यूसेलम, इलीनॉय के पास मेन्टोर ग्रेहम का घर ।

दूसरा दृश्य

न्यूसेलम में रटलेज सराय ।

तीसरा दृश्य

न्यूसेलम के पास बोलिंग ग्रीन का घर

दूसरा अंक : १८४०-४६ में स्प्रिंगफील्ड, इलीनॉय और उसके आसपास ।

चौथा दृश्य

स्प्रिंग फील्ड, इलीनॉय की कचहरी के दूसरे तल्ले पर स्टुअर्ट-लिंकन के वकालत का कमरा ।

पाँचवाँ दृश्य

स्प्रिंग फील्ड में एडवर्ड्स परिवार के मकान का कमरा ।

छठा दृश्य

फिर वकालत का कमरा।

सातवाँ दृश्य

न्यूसेलम के पास मैदान।

आठवाँ दृश्य

फिर एडवर्ड्‌स परिवार के मकान का कमरा।

तीसरा अंक : १८५८-६१ स्प्रिंग फील्ड।

नवाँ दृश्य

इलिनॉय के एक कस्बे के बाहर एक रंगमंच।

दसवाँ दृश्य

लिंकन परिवार के घर का कमरा।

ग्यारहवाँ दृश्य

इलिनॉय राजभवन में लिंकन के चुनाव आन्दोलन के कमरे।

बारहवाँ दृश्य

स्प्रिंग फील्ड रेलवे स्टेशन का सहन।

पहला अंक

पहला दृश्य

(न्यू सेलम, इलिनाय के पास मैंटोरग्रेहम का कमरा)

(काफी रात बीत चुकी है । मैंटोरग्रेहम चतुर परन्तु शान्त स्वभाव के अध्यापक हैं । वह एक भद्दी-सी मेज के किनारे पर बैठे हैं। एब लिंकन नवयुवक, थका हुआ, फटे पुराने कपड़े पहने उनके सामने दूसरी ओर बैठा है। मेज के ऊपर एक लैम्प रखा है। मैंटोर अंग्रेजी की एक किताब के पन्ने पलटते हैं, फिर उसे बन्द कर देते हैं और एब की ओर देखते हैं।)

मैंटोर — प्रकार[1], हम में से हरेक के अनेक प्रकार के मनोभाव होते हैं। तुम्हारे भी एब, कई प्रकार के मनोभाव हैं। तुम्हारा चरित्र इन्हीं मनोभावों के द्वारा अभिव्यक्त होता है। अंग्रेज़ी भाषा एक जीवित व्यक्ति की तरह है, जो अहंकारी भी हो सकता है या सरल और स्पष्ट भी। अच्छा, 'निश्चयवाचक प्रकार' क्या होता है ?

---

१ — मूल नाटक में मूड (MOOD) शब्द आया है। अंग्रेजी व्याकरण में आज भी मूड का प्रयोग होता है। लेकिन हिन्दी व्याकरण में मूड नहीं होता। पहले अंग्रेजी व्याकरण के अनुकरण पर कहीं-कहीं इसका उपयोग होता था और तब उसके लिए 'प्रकार' शब्द चलता था।

एब — यह तो बहुत आसान है। यह केवल किसी वस्तु के बारे में सूचित करता है। जैसे 'वह प्यार करता है।' और यदि आप उसे प्रश्नवाचक रूप में कहना चाहें तो ऐसे कह सकते हैं कि 'क्या वह प्यार करता है ?'

मैंटोर — और 'आज्ञावाचक प्रकार' क्या होता है ?

एब — इसका प्रयोग आदेश देने के लिए किया जाता है। जैसे : निकल जाओ, चले जाओ।

मैंटोर — (मुस्कराते हुए) क्या तुम इससे अच्छा उदाहरण नहीं सोच सकते ?

एब — तो आप बाइबिल की भाषा में कह सकते हैं — "शिवास्ते सन्तु पन्थानः। लेकिन यह अब भी आज्ञावाचक है।

मैंटोर — हां, यह आदेश है। लेकिन तुम इस का प्रयोग विनम्र प्रार्थना के रूप में भी तो कर सकते हो।

एब — जैसे : आज की हमारी रोजी हमें दे।

मैंटोर — (एक समाचारपत्र उठाते हुए) मैं चाहता हूँ कि तुम इसे पढो। यह एक सुन्दर भाषण है। इसे अमरीका की सीनेट के सामने मिस्टर वैब्स्टर ने दिया था। उन्होंने आज्ञावाचक प्रकार का सर्वथा सही प्रयोग किया है। इसे पढ़ो, यहाँ से।

एब — (पत्र ले-लेता है। रोशनी की ओर झुकता है और पढ़ता है) श्रीमान्, सिनेटर ने गम्भीर स्वर में

अपना भाषण जारी रखते हुए कहा—'श्रीमान्, मैं संघ के बाहर की बात नहीं सोच सकता। जब तक संघ जीवित है…

मैंटोर — (क्रुद्ध होकर) इसको ऐसे मत पढ़ो जैसे कि यह कोई सामान खरीदने की सूची हो। कल्पना करो मानो तुम्हीं भाषण दे रहे हो। इसमें कुछ प्राण डालो।

एब — (धीरे-धीरे भावुकता के साथ पढ़ता है) जब तक संघ जीवित है हम और हमारे बच्चे प्रसन्न रहेंगे। भगवान से मैं यही प्रार्थना करता हूँ कि जब मैं अन्तिम बार सूर्य को आकाश में देखूँ तो, मैं उसे अपने संघ के खंडित भाग पर, ऐसी भूमि पर जो टुकड़े-टुकड़े हो चुकी है, और अपने भाइयों के रक्त से भीग रही है, चमकते हुए न देखूं बल्कि मैं तो चाहता हूँ कि मेरी आँखें मेरे देश के उस झण्डे को देखती रहें जिसका एक भी सितारा कम नहीं हुआ है और जिस पर ये मूर्खतापूर्ण शब्द नहीं लिखे हैं:—'स्वतन्त्रता पहले और संघ बाद में।' बल्कि यह लिखा है—'स्वतन्त्रता और संघ'।

मैंटोर — '**और**' शब्द पर अधिक जोर दो।

एब — 'स्वतन्त्रता **और** संघ।' इस समय **और** हमेशा। एक और अखण्ड… (पत्र को मेज पर रख देता है)। निश्चय ही उन लोगों ने इस भाषण का तालियाँ बजाकर स्वागत किया होगा।

मैंटोर — अपने-अपने दल की नीति के अनुसार कुछ ने तालियाँ बजाईं और कुछ ने निन्दा की ।

एब — वह किस विषय पर बोल रहे थे ?

मैंटोर — किसी राज्य के संघ से अलग हो जाने के अधिकार पर बहस हो रही थी । हेन ने कहा कि जिस तरह व्यक्ति के रूप में हम कुछ भी करने के लिए स्वतन्त्र हैं, उसी तरह राज्यों के रूप में भी हम स्वतन्त्र हैं । इसका अर्थ यह है कि यदि हम संघ को पसन्द नहीं करते तो, हम इससे अलग हो सकते हैं । और नए राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं जिससे यह महाद्वीप यूरोप की तरह बँट जाए । लेकिन वेब्स्टर ने साबित कर दिया कि संघ के बिना हमारे पास कोई स्वतन्त्रता नहीं रह जाएगी । अच्छा अब बताओ, सम्भाव्य प्रकार क्या होता है ?

एब —इसका अर्थ है सम्भावना । साधारणतया यह अप्रीतिकर होता है । जैसे: 'यदि मुझे ऋण से कभी मुक्ति मिली भी तो, मैं शायद तुरन्त ही फिर इसमें फँस जाऊँगा ।'

मैंटोर —(मुस्करा कर) एब, तुमने यह उदाहरण क्यों चुना ?

एब —इसलिए कि मेरी दूकान फिर संकट में है । किसी भी दिन उसको बन्द करना पड़ सकता है । मेरा ख्याल है कि मैं ठीक अपने पिता पर गया हूँ । मुझे

कोई भी जमा हुआ काम दे दो, मैं उसमें भी असफल हो जाऊँगा।

मैंटोर—एब, तुम यहाँ तो असफल नहीं हुए। यहाँ के समाज का हर व्यक्ति तुम्हें चाहता है और तुम्हारी सफलता के लिए सहायता करने को उत्सुक है।

एब—(किंचित् कड़वे स्वर में) मैं जानता हूँ। जैसे अपनी उदारता के कारण आप रात में, देर तक बैठे, मुझे पढ़ाते रहते हैं और अब न्यायाधीश ग्रीन तथा कुछ दूसरे व्यक्ति, जिनका मैं ऋणी हूँ, मुझे पोस्ट मास्टर बनाना चाहते हैं। मेरे बहुत दोस्त हैं लेकिन वे मेरे भाग्य को या कह सकते हो मेरी प्रकृति को तो नहीं बदल सकते।

मैंटोर—तुम्हें एक ही काम करने की जरूरत है और वह है इस छोटे-से कस्बे से चले जाना।

एब—हां, मैंने जाने की बात सोची है। मेरा कुटुम्ब हमेशा ही घूमता रहा है। मुझे याद है कि अपने बचपन के दिनों में मैं गाड़ियां लादता था और खाली करता था और फिर लादता था।

मैंटोर—तो एक बार फिर अपनी गाड़ी लादो और अपने लिए दुनिया में नई जगह बनाओ।

एब—सेथगेल और मैं केन्जास या नेब्रास्का जाने के बारे में बहुत कुछ सोचते रहे हैं लेकिन जहाँ कहीं भी मैं जाऊँ वही एक बात होगी। अधिक दोस्त, अधिक ऋण।

मैंटोर—अच्छा एब, एक बात याद रखो कि जो व्यक्ति हर कहीं असफल हो जाता है उसके सामने इन दो बातों में से एक बात चुनने का अवसर हमेशा रहता है—अध्यापकी करना या राजनीति में पड़ना।

एब—तब तो मैं अध्यापक बनना पसन्द करूँगा। अगर मैं राजनीति में पड़ता हूँ तो चुना भी जा सकता हूँ और यदि मैं चुना जाऊँगा तो, मुझे शहर जाना पड़ेगा। मैं नहीं चाहता, इनमें से कोई भी नहीं।

मैंटोर—मैंने तुम्हें क्या सिखाया है ?

एब—मेरा मतलब है कि मैं इनमें से कोई भी बात नहीं चाहता।

मैंटोर—एब शहर जाने में तुम्हें क्या आपत्ति है ? क्या तुमने कभी कोई शहर देखा है ?

एब—क्यों नहीं। मैं दो बार न्यू ओर्लीन्स जा चुका हूँ और आप जानते हैं जितनी देर मैं वहां रहा प्रति क्षण डरता ही रहा। मैं आदमियों से डरता था।

मैंटोर—(हँसता है) क्या तुम्हारा ख्याल था कि वे तुम्हारा सोना चुरा लेते।

एब—(गम्भीरता से) नहीं, मैं डरता था कि वे मुझे मार डालेंगे।

मैंटोर—(गम्भीर होकर) क्यों ? वे तुम्हें क्यों मारना चाहेंगे ?

एब—मैं नहीं जानता।

मैंटोर—(क्षण भर बाद) तुम मृत्यु के बारे में बहुत सोचते रहते हो। क्यों, है न ?

एब—सोचना पड़ता है क्योंकि वह मुझे हमेशा बहुत पास दिखाई देती रही है। जब मैं इस मेज जितना ऊँचा भी नहीं था तब हमने अपनी माँ को दफना दिया था। मैंने अपने पिता को अपनी माँ का ताबूत बनाने में सहायता दी थी। जहां पर मेरी माँ सोई पड़ी है वहाँ मैं अक्सर जाता था और छोटे-छोटे बनैले पशुओं को उस स्थान पर दौड़ते हुए देखता था। उसके बाद मैं किसी पशु को नहीं मार सका। मैं हमेशा उन पशुओं की शक्ल सूरत की तुलना आदमियों की शक्ल सूरत के साथ, न्यू ओर्लीन्स के जैसे आदमियों की शक्ल सूरत के साथ करता हूँ। उन्हें देखते ही कोई पहचान सकता है कि वे हिंसक हैं।

मैंटोर—(अल्प विराम के बाद) मैंने ऐसा व्यक्ति कभी नहीं देखा जो एक साथ इतना स्नेहशील और इतना मानव-द्रोही हो।

एब—यह क्या होता है ?

मैंटोर—मानव-द्रोही वह होता है जो आदमियों का विश्वास नहीं करता। और उनकी संगति से दूर भागता है।

एब—हो सकता है कि मैं ऐसा ही होऊँ। ओह, मैं आदमियों को पसन्द करता हूँ लेकिन व्यक्ति के रूप

में। व्यक्ति के रूप में वे मुझे जैसे दिखाई देते हैं दल या गिरोहों में इकट्ठे हो जाने पर उसके बिल्कुल उल्टे दिखाई देने लगते हैं।... लेकिन आपको तो कल स्कूल में पढ़ाना है। मैं अब जाऊँगा।

मैंटोर —एक मिनट ठहरो। बस मैं तुम्हें एक चीज और दिखाना चाहता हूँ। एक कविता है। (एक अंग्रेजी पत्रिका खोलता है।) यह रही, इसे पढ़ो।

एब —(मेज के एक कोने पर बैठ जाता है और पढ़ता है) 'मृत्यु पर' लेखक स्वर्गीय जान कीट्स।

जब जीवन है केवल एक स्वप्न,
हो सकती मृत्यु तब क्या निद्रा।

(चुपचाप पढ़ता है और फिर मैंटोर की ओर देखता है।) निश्चय ही यह अच्छी कविता है। कवि कहता है कि हमारे सुख के दिन प्रेतात्माओं की तरह बीत जाते हैं। लेकिन इस पर भी हम सोचते हैं कि मरना ही सबसे बड़ी यातना है। कवि को यह बात बड़ी अद्भुत दिखाई देती है कि मनुष्य संसार में इतना दुखी रहे और फिर भी मृत्यु के विचार मात्र से कांप उठे। जबकि मृत्यु का अर्थ केवल जागना है। (कुछ सोच कर) यह बहुत सुन्दर है। (वह इसे धीरे-धीरे जैसे अपने को सुना रहा हो, पढ़ता है और पर्दा गिर जाता है।)

(पहला दृश्य समाप्त)

दूसरा दृश्य

(न्यू सेलम में रटलेज सराय। ४ जुलाई की दोपहर। एक बड़ा सुन्दर-सा कमरा। वाशिंगटन से लेकर जैक्शन तक सभी राष्ट्रपतियों के चित्र हैं। मुख्य प्रवेश द्वार दाहिनी ओर पीछे की तरफ है और खुला हुआ है। बाईं ओर का द्वार रसोईघर में जाता है। धूप खिली है। कमरे में दो मेज और बहुत सी कुर्सियां हैं। बैन मैंटलिंग कमरे में सबसे पीछे बैठे हैं। इंगलैंड के साथ जो युद्ध हुआ था उसके वह पुराने सैनिक हैं। फटी हुई वर्दी पहने हुए हैं। न्यायाधीश बोलिंग ग्रीन और निनियन एडवर्ड्स अन्दर आते हैं। उनके पीछे जोशुवा स्पीड है। बोलिंग वृद्ध, स्थूल और विनम्र है। निनियन एक लम्बा, सुन्दर और धनी युवक है। जोश शांत और विचार-पूर्ण मुद्रा में तथा सुन्दर और अच्छे वस्त्र पहने हैं।)

बोलिंग—(अन्दर आते हुए) मिस्टर एडवर्ड्स ! यह रटलज सराय है। महल नहीं है।

निनियन—जब तक ह्विस्की प्रचुर मात्रा में मिलती है तब तक सब कुछ ठीक है न्यायाधीश ग्रीन।

जोश—मैं एब को खोज कर लाता हूँ।

निनियन—जोश, यह याद रखना। हमें संन्ध्या से पहले स्प्रिंग फील्ड पहुंच जाना है।

(जोश चला जाता है)

बोलिंग—(मैटलिंग से) ओह चाचा बैन नमस्कार। (निनियन से) मिस्टर एडवर्ड्स बैठिए।

बैन—नमस्कार बोलिंग। (रसोईघर के अन्दर से एन का प्रवेश)

एन—हलो न्यायाधीश ग्रीन।

बोलिंग—नमस्कार एन। तुम्हारे पिताजी के पास जो सबसे बढ़िया ह्विस्की है उसकी अगर एक बोतल मिल जाए तो बड़ी कृपा हो।

एन—अच्छा न्यायाधीश। (जाने के लिए मुड़ती है)

बैन—(उसको रोक कर) और मेरे लिये भी एक पैग और ले आओ।

एन—मुझे खेद है मिस्टर मेटलिंग, मेरे पिताजी का यह आदेश है कि जब तक आप कीमत नहीं चुका देते तब तक तुम्हें और शराब न दी जाय।

बैन—ठीक है लड़की। मैं जानता हूँ कि तुम्हारे पिताजी ने क्या कहा है। लेकिन क्या यह देश उन पुराने सैनिकों के प्रति कृतज्ञ नहीं है जिन्होंने इसका निर्माण किया है।

बोलिंग—एन ! इसके लिये शराब ले आओ। कीमत मैं दूँगा। (ट्रम कॉगडाल का प्रवेश। वह बूढ़ा है और स्पष्टवादी है।)

बैन—(अनिच्छा से) न्यायाधीश, ओह, मुझे आपको धन्यवाद देना होगा।

ट्रम—एन, मेरे लिए हल्की चाय लाओ।

एन—अच्छा मिस्टर कॉंगडाल। (वह जाती है। ट्रूम मेज के पास बैठता है।)

ट्रूम—हां मिस्टर एडवर्ड्स। हमारे इस महान नगर के बारे में आपकी क्या राय है ?

निनिनन—बहुत अच्छा है मिस्टर कॉंगडाल। पहाड़ की चोटी पर यह बहुत सुन्दर स्थान पर बसा हुआ है।

ट्रूम—हम लोग पश्चिम की ओर बढ़ रहे हैं। और जब हम अपने में से कुछ बुरे तत्वों को निकाल बाहर करेंगे तो और भी बढ़ेंगे। जी हां, हम और आगे बढ़ेंगे।

निनियन—निश्चय ही, मुझे विश्वास है।

(एन शराब और चाय लेकर लौट आती है।)

बोलिंग—धन्यवाद एन।

एन—क्या डाक आ गई ?

ट्रूम—नहीं, मैं उसी की राह देख रहा हूँ।

बोलिंग—तुम्हें तो कोई पत्र पाने की आशा नहीं है एन ? क्यों, है क्या ?

एन—नहीं, मुझे कौन पत्र लिखेगा।

बोलिंग—आज ४ जुलाई को कौन कह सकता है कि क्या न हो जाए।

(एन हँसती हुई रसोईघर में चली जाती है।)

निनियन—यह बहुत सुन्दर लड़की है। आश्चर्य है अभी तक किसी ने इसके साथ विवाह का प्रस्ताव नहीं किया।

बोलिंग —किसी ने किया है। बेचारी लड़की मैक्नील नाम के व्यक्ति से वचनवद्ध हो चुकी है। जल्दी ही आने की बात कह कर वह इस कस्बे से चला गया है। यह अभी तक उसकी राह देख रही है।……लेकिन मिस्टर एडवर्ड्स, आपके पास बहुत थोड़ा समय है। बताइए कि न्यू सेलम में आप क्या चाहते हैं। हम कोशिश करेंगे।

निनियन —मुझे विश्वास है कि यह आप लोग जानते हैं कि मैं क्या चाहता हूँ।

ट्रम —जाहिर है कि तुम मत चाहते हो। मैं अपना मत तुम्हें दूंगा। मैं एंडी जैक्शन को हराने की हर कोशिश करूंगा।

(दीवार पर लटके हुए ए० ड्यू जैक्शन के चित्र की ओर उँगली दिखाता है।)

निनियन —मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं राष्ट्रपति का प्रशंसक हूँ। लेकिन जब वे हमारी बैंक प्रणाली को नष्ट करने के लिए, हमारी मुद्रा में विश्वास खोने के लिए, यहाँ तक कि राज्यों को अलग होने के लिए मजबूर करने को तैयार हो जाते हैं तो भद्रपुरुषो, मैं समझता हूं कि हमें उसे रोक देना चाहिए।

बोलिंग —अगर वह बूढ़ा जीवित रहा तो, अभी उसके कार्यकाल के दो वर्ष और हैं।

नियन—लेकिन हम अभी से इलिनाय राज्य की सरकार से उनके दोस्तों को बाहर निकालना शुरू कर सकते हैं। हमको निश्चय ही बादशाह ऐण्ड्र जैक्शन का अन्त कर देना चाहिए।

(जैक आर्मस्ट्रोंग, बैब, फिअर्गस और जैस्प अन्दर आ के हैं। वे अच्छे स्वभाव के लेकिन अक्खड़ हैं। कस्बे के ाग उनसे डरते हैं।)

जैक—(रसोई के दरवाजे की ओर जाते हुए) मिस रटलेज !

एन—(दरवाजे पर आकर) क्या चाहते हो मिस्टर जैक, आर्मस्ट्रोंग।

जैक—क्षमा करना मिस रटलेज, हमें एक पीपा शराब चाहिए।

एन—तुम यहां से एकदम निकल जाओ। तुम...तुम...

जैक—हम लोग भेड़िए से भी खतरनाक हैं और शराब के लिये पागल हैं, इसलिए मिस एन, ह्विस्की ले आओ और अपने बूढ़े बाप को बर्बादी से बचा लो। हम नहीं चाहते कि उसकी सम्पत्ति को बरबाद करें। (एन चली जाती है।)

ट्रम—(धीरे से निनियन से) यह वह बुरा तत्व है जिसके बारे में.........

जैक—४ जुलाई को चाय का प्याला लिए, तुम यह क्या कानाफूसी कर रहे हो जी, ट्रम कॉंगडाल।

बेब—जैक ! इसकी कुछ चाय निकाल देनी चाहिये।

जैस्प —(चिल्लाता है) एनी, शराब लेकर जल्दी आओ।

जैक —और तुम जी, मोटे न्यायाधीश बोलिंग ग्रीन, जो ईमानदार आदमियों को जेल भेजते रहते हो, और यह अजनबी कौन है ? न्यू सेलम में इतनी शानदार पोशाक किसे नसीब है।

बोलिंग —यह स्प्रिंगफील्ड के निनियन एडवर्ड्स हैं। भगवान के लिए शान्त हो जाओ और परेशानी पैदा मत करो।

जैक —निनियन एडवर्ड्स। ओह, तो यह गवर्नर के पुत्र हैं। तभी......(निनियन नमस्कार करता है) तो कोई आश्चर्य नहीं। आप ऐसी पोशाक पहन सकते हैं। मेरा ख्याल है कि आपके पिता ने हम करदाताओं से जो पैसा छीना है, उससे आप बढ़िया से बढ़िया चीज खरीद सकते हैं। ठीक है न मिस्टर एडवर्ड्स।

बेब —जैक, हमें इनसे यह सब कुछ छीन लेना चाहिए।

फिअर्गस —जैक ! हमें इनको कोड़े लगाने चाहिए।

एन —(चार गिलास लिये हुये प्रवेश करती है) जैक आर्मस्ट्रोंग, यह रही तुम्हारी शराब। पीलो और चले जाओ।

जैस्प —इसने तुमसे एक पीपा लाने को कहा था।

फिअर्गस —शायद यह उसे उठा नहीं सकती। मैं ले आता हूँ। (वह रसोईघर में चला जाता है।)

एन—(निराशा के स्वर में) क्या आप में से कोई भी गरीब आदमियों की रक्षा नहीं कर सकता।

निनियन—(खड़े होते हुए) यदि मैं कुछ कर सकूं तो मुझे बड़ी खुशी होगी।......

बोलिंग—(उसे रोकते हुए) मिस्टर एडवर्ड्स आपको सावधान रहना चाहिए।

जैक—ठीक है मिस्टर एडवर्ड्स, सावधान रहो। बूढ़े आदमी की बात सुनो। इन्होंने हमें लड़ते हुए देखा है। और वह आपको बता सकते हैं कि शायद आपके चोट लग जाए। हम उन्हें दिखा देंगे कि जो यहां जनता के मित्र एंडी जैक्शन के विरुद्ध विष उगलने के लिए आते हैं, उनके साथ हम क्या कर सकते हैं।

(फिअर्गस पीपा लेकर वापस लौटता है।)

बैन—दोस्तो, इसे मार डालो। सच्चे अमरीकियों में से केवल तुम्हीं तो बच गए हो।

निनियन—(उठते हुए) महानुभावो! अगर आप बाहर चलें तो मुझे आपसे लड़ने में खुशी होगी।

जैक—बहुत अच्छा। हम आपको मारेंगे नहीं। हम तो केवल हड्डियों को चूर चूर करनेवाले हैं। कुछ महीनों के बाद आप एकदम ठीक हो जायेंगे।

फिअर्गस—पीपा ले आओ।

(वह जाने को ही है कि एब दरवाजे पर दिखाई देता है। पहले से कुछ अच्छे कपड़े पहने हुए है। हाथ में डाक है। पीछे जोश स्पीड है।)

एब —डाक आ गई है। हलो, जैक, हलो दोस्तो। मिस एन तुम्हारे लिए एक पत्र है। (ऐन के प्रति उसका व्यवहार बहुत आदरपूर्ण है।)

एन —धन्यवाद एब।

(पत्र लेती है और वहाँ से भाग जाती है।)

बेन —एब, यहां लड़ाई होने वाली है।

निनियन —(जैक से) —आना है तो आओ।

जैक —बहुत अच्छा दोस्तो।

एब —लड़ाई ! कौन लड़ रहा है और क्यों लड़ रहा है ?

जैक —एब, यह निनियन एडवर्ड्स का बच्चा। यह एंडी जैक्शन का दुश्मन है। और स्प्रिंग फील्ड से लड़ने के लिए आया है। इसकी इच्छा पूरी करने में मुझे खुशी होगी।

एब — (निनियन को सिर से पैर तक देखता है) एक मिनट रुको, दोस्तो। जैक ! क्या तुम भूल गए हो कि आज कौनसा दिन है ?

जैक — मैं नहीं भूला हूं। किसी राजनीतिज्ञ के कोड़े लगाने के लिए ४ जुलाई का दिन उतना ही ठीक है जितना कि कोई और दिन।

एब — (प्रसन्नता के साथ) अच्छा जैक ! यदि तुम्हें लड़ना ही है तो मुझसे लड़ सकते हो। कस्बे का पोस्ट मास्टर होने के नाते मैं भी तो राज-नीतिज्ञ हूं। (जैक को एक ओर करके निनियन

की ओर मुड़ता है ।) और जहाँ तक आपका सम्बन्ध है, मैं एक बहादुर आदमी के साथ दोस्ती करना चाहूँगा । मेरा नाम लिंकन है ।

निनियन — (लिंकन से हाथ मिलाते हुए) मिस्टर लिंकन आपसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई ।

एब — खुशी होनी ही चाहिए । मैं ठीक समय पर जो पहुँच गया हूँ । और बोलिंग, तुम्हारे लिए दो चिट्ठियां हैं और ट्रम, यह रहा तुम्हारा अखबार ।

जैक — देखो एब ! यह तुम्हारा काम नहीं है । यह हमारा निजी मामला है ।

एब — इस कस्बे में जो कुछ होता है वह सब मेरा मामला है जैक । मेरे पास यही तो काम है । (ट्रम की ओर मुड़ता है) ट्रम, अगर तुम कुछ देर के लिए अखबार का इस्तेमाल नहीं कर रहे तो, मुझे दे दोगे ?

ट्रम — अवश्य एब, यह लो । (एब की ओर अखबार फेंक देता है)

एब — धन्यवाद । (कुर्सी की ओर बढ़ते हुए वह अखबार खोलना शुरू करता है । जैक उसकी ओर देखता है और फिर हँस पड़ता है ।)

जैक — (निनियन से) बहुत अच्छा ! एब लिंकन ने आपको बचा लिया । वह मेरे दोस्त हैं । मैं उनकी सलाह मानूंगा ।

एब -- (बैठते हुए) और इसलिए भी क्योंकि यहाँ केवल मैं ही हूँ जिसे तुम हरा नहीं सकते।

जेक -- (एब के पास जाते हुए) मैं जा रहा हूँ एब! लेकिन मैं तुम्हें चेतावनी देता हूँ कि यह हर वक्त सवेरे, दोपहर, शाम पढ़ने की आदत छोड़ो। नहीं तो तुम दुर्बल हो जाओगे। मैं तुम्हारे कोड़े लगाना नहीं चाहता। (हँसता है और जाने को मुड़ता है) मिस्टर एडवर्ड्स, आपसे मिलकर खुशी हुई। लेकिन ज़हर फैलाने के लिए अब फिर यहाँ मत आना। (जाता है। पीछे-पीछे बब और जस्त भी जाते हैं। फिअर्गस पीपा उठाता है और जाने लगता है।)

निनियन -- (जेक से) बहुत खुशी हुई।

एब -- फिअर्गस, तुमने यह पीपा कहां से लिया?

फिअर्गस -- (घबराते हुए) जेक ने मुझे लाने के लिए कहा और मैं......

एब -- इसे रख दो और मेथगिल मिले तो उससे कहना कि उसके लिए एक पत्र है।

फिअर्गस -- कह दूगा, एब। (वह पीपा रख कर चला जाता है)

निनियन -- मिस्टर लिंकन। मैं आपका बहुत ऋणी हूँ।

एब -- कोई बात नहीं, मिस्टर एडवर्ड्स।

निनियन -- क्या आप हमारे साथ शराब नहीं पीएंगे?

एब — नहीं, धन्यवाद। (एब अखबार पढ़ रहा है और बोलिंग गिलास भरता है)

बोलिंग — मैं तो एक और गिलास पीऊंगा। मुझे यह बताने में तनिक भी झिझक नहीं है कि मैं अब भी कांप रहा हूँ। (वह निनियन को एक गिलास देता है और फिर स्वयं पीता है।

ट्रम — देखते हो मिस्टर एडवर्ड्स ! इसी तरह के लोगों के कारण हमारा कस्बा पिछड़ा हुआ है।

निनियन — इस तरह के तत्व आजकल हर कही मिलते है।

जोश — एब, अखबार रख दो। हम तुमसे कुछ बातें करना चाहते है।

एब — मुझ से ? किस बारे में ! कौतूहल से जोश, बोलिंग और निनियन की ओर देखता है।)

जोश —एब तुम्हें राज्य की विधानसभा के लिए खड़ा होना कैसा लगेगा ?

एब — कब ?

जोश — इसी पतझड़ में होने वाले चुनाव में।

एब — क्यों ?

निनियन — मिस्टर लिंकन। मेरा आपका परिचय कुछ क्षणों का ही है। लेकिन जोश स्पीड की इस बात से सहमत होने के लिए यह काफी है कि हम जिस प्रकार का व्यक्ति चाहते हैं, आप वैसे ही है।

एब — क्या यह तुम्हारा सुझाव था, जोश ?

जोश — (मुस्करा कर) ओह ! एब तुम्हें जनता पसन्द करती है ।

ट्रम — तुम्हारे क्या विचार हैं, बोलिंग ?

बोलिंग — मैं समझता हूँ यह बहुत अच्छा विचार है । क्यों एब ! तुम तमाम विषयों पर पृथक्करण, टैक्साज, राष्ट्रीय बैंक की कठिनाइयां और दास प्रथा, इन सब पर भाषण दे सकते हो । अब तक जीवन में हमें जितना आनन्द मिला है यह उस सबसे बढ़कर होगा ।

एब —(उठते हुए) क्या कोई यह नहीं पूछेगा कि इस बारे में मेरे क्या विचार हैं ?

जोश —(हँसता है) बहुत अच्छा, एब ! मैं पूछूँगा ।

एब —(जरा झिझकते हुए) यह एक अनोखा विचार है । बहुत खूब । और मेरी पहली प्रतिक्रिया यही है कि मुझे इसमें कोई विशेष रुचि नहीं है ।

बोलिंग —यह मत भूलो कि अगर चुन लिए गए तो तुम्हारा वेतन पूरे ३ डालर प्रतिदिन हो जायगा ।

एब —यह तो अच्छी रकम है । मुझे तुम्हारा काफी कर्जा देना है, बोलिग । अगर मैं २० वर्ष तक इस पद पर रहूँ तो शायद २।। डालर प्रतिदिन के हिसाब से तुम्हारे कर्जे का भुगतान कर सकूंगा । (उंगलियों पर हिसाब लगाता है ।)

बोलिंग —मैं कर्जे के बारे में नहीं सोच रहा ।

एब —मैं जानता हूँ, लेकिन मुझे तो सोचना है । विग

पार्टी, सुदृढ़ मुद्रा और 'भगवान राष्ट्रीय बैंक की रक्षा करे' इस विचार की पार्टी है। क्यों मिस्टर एडवर्ड्स ठीक है न ?

निनियन —हाँ, ऐसा ही है।

एब —तब ऐसे उम्मीदवार को खड़ा करना, जिस पर १५०० डालर का कर्जा है, कैसा लगेगा ?

बोलिंग —(निनियन से) मैं आपको इसके बारे में कुछ बताऊंगा। एब की दूकान खत्म हो गई क्योंकि इनका साथी सारी व्हिस्की पी गया। और एब ने सब कर्ज स्वीकार कर लिया। अब आप समझ जाएंगे कि हम सब इनकी इतनी इज्जत क्यों करते हैं ?

निनियन —मैं आपसे सहमत हूँ।

एब —मेरे प्रति आप सभी के इतने उदार विचार हैं इस के लिए आभारी हूँ। लेकिन मेरी आवश्यकता से अधिक प्रशंसा मत कीजिये। नहीं तो, मैं सोचने लगूँगा कि ३ डालकर प्रतिदिन काफी नहीं हैं।

जोश —इससे तुम्हें अच्छे पुस्तकालय में अध्ययन करने का और राज्य के सर्वश्रेष्ठ वकीलों से मिलने जुलने का अवसर मिलेगा।

एब —लेकिन यह कैसे कहा जा सकता है कि वे सर्वश्रेष्ठ वकील मुझसे मिलना पसन्द करेंगे।

निनियन —आप इस बात की चिन्ता न करें। मैंने आपको कार्य करते देखा है। आप जानते हैं कि मनुष्य को किस तरह वश में करना चाहिये।

एब —जी हाँ। परन्तु यह केवल तभी हो सकता है जब कि मैं उनके कोड़े लगा सकूं। मैं तमाम मतदाताओं से नहीं लड़ सकता। इसके अतिरिक्त आप यह कैसे जानते हैं कि मेरे राजनैतिक विचार आपके विचारों से मिलते हैं।

निनियन —आपके राजनैतिक विचार क्या हैं, मिस्टर लिंकन? हमें एक ऐसे अच्छे पुरातनवादी[1] व्यक्ति की आवश्यकता है जो देश को पुराने सिद्धान्तों की ओर ले जा सके।

एब —जी हां, मैं पुरातनवादी हूँ। आप मुझे कभी भी प्रगति के लिये कोई आन्दोलन करते नहीं देखेंगे। मैं मुंह खोलते हुए डरता हूँ।

जोश —(हँसता है) मैंने आपसे कहा न निनियन, कि हमें जैसे व्यक्ति की जरूरत है यह बिल्कुल वैसे ही हैं।

निनियन —(हँसता है, उठता है और एब की ओर बढ़ता है) मिस्टर लिंकन सब यही कहते हैं कि हमारा दल विशेष-सुविधा-प्राप्त वर्गों का दल है। इसलिए हमें इस पद के लिए सीधे-सादे व्यक्ति

---

१. कंजरवेटिव।

की आवश्यकता है। पोस्टमास्टर के रूप में चिट्ठियां बांटते समय आप भाषण दे सकते हैं और चुनाव-साहित्य का वितरण भी कर सकते हैं। ये सब चीजें हम आपको पहुँचाते रहेंगे।

एब — क्या आप मुझे एक बने बनाए कपड़ों का जोड़ा भी देंगे। पद के अभिलाषी व्यक्ति को बहुत सीधा-सादा नहीं दिखाई देना चाहिए।

निनियन — (मुस्कराता हुआ) मेरा ख्याल है कि उसका भी प्रबन्ध हो सकता है, क्यों न्यायाधीश।

बोलिंग — मेरा भी यही ख्याल है।

निनियन — (गम्भीर स्वर में) तो सोच लीजिए मिस्टर लिंकन और इस बात पर भी विचार कर लीजिए कि उस राष्ट्र में जो दक्षिण और पश्चिम की ओर फैलता जा रहा है, आगे बढ़ने का क्या अर्थ है। हम महाद्वीप बनते जा रहे हैं मिस्टर लिंकन, और हमें केवल आदमियों की जरूरत है।

(अपनी घड़ी देखता है) और अब भद्र पुरुषो, अगर आप आज्ञा दें तो मुझे इस सन्ध्या को स्प्रिंगफील्ड पहुँच जाना आवश्यक है। नमस्कार मिस्टर लिंकन।

एब — नमस्कार मिस्टर एडवर्ड्स। आन्दोलन के लिए शुभ कामनाएं।

निनियन — आपको भी।

(सब खड़े हो जाते हैं और जाने को होते हैं। केवल जोश और बेन मेटलिंग बैठे रहते हैं।)

बोलिंग — (जाते हुए) मैं तुमसे फिर मिलूंगा एब। एन से कह देना कि शराब के पैसे देने के लिए बाद में आऊंगा।

एब — कह दूंगा बोलिंग। (बोलिंग चला जाता है। एक क्षण बाद एब्र जोश की ओर मुखातिब होता है।) जोश! मुझे तुम पर बड़ा ताज्जुब होता है। मैं तो समझता था कि तुम मेरे दोस्त हो।

जोश — जानता हूँ, एब। तुम यह सब कुछ पसन्द नहीं करते, लेकिन तुम पसन्द करो या न करो, आगे तो तुम्हें बढ़ना ही है और थोड़ा बहुत महत्व प्राप्त करने का यह अच्छा अवसर है।

एब — क्या मैं उन लोगों में से हूँ जो महत्व के भूखे हैं?

जोश — तुम तो मना करोगे ही एब। लेकिन तुम में गर्व तो है ही और इसका पोषण करने की आवश्यकता है, इसलिए यदि तुम खड़े होने के लिए सहमत हो जाओ तो, मैं नहीं समझता कि तुम्हें इसके लिए अफसोस होगा या तुम ऐसा अनुभव करोगे कि मैंने तुम्हारे साथ कोई बुराई की है।

एन — (मुस्कराता है) ओह! जोश! मैं तुमसे नाराज नहीं हो सकता। (कुछ दूर चलता है और दरवाजे के बाहर देखता है) लेकिन वह निनियन एडवर्ड्‌स,

वह धनी है और शिक्षित है। राजनीति उसके लिए एक खेल के समान है। हो सकता है अगर मैं उसकी तरह खेल सकूं तो मैं भी इसे पसन्द करूंगा। लेकिन अगर आप कानून और बाइबल पढ़ते हैं तो आप यह अनुभव किए बिना नहीं रह सकते, कि सरकार के काम में विग पार्टी को फिर से पदारूढ़ करने से अधिक महत्वपूर्ण, और भी बातें हो सकती हैं। (सुदृढ़ नवयुवक सेथगेल का प्रवेश)

सेथ — एब, फिअर्गस ने मुझे बताया कि तुम्हारे पास मेरे लिए कोई पत्र है।

एब — (डाक के थैले को टटोलता है) हां सेथ।

सेथ — हलो मिस्टर जोशस्पीड !

जोश — कैसे हो मिस्टर गेल।

एब — सेथ, यह रहा तुम्हारा पत्र। (सेथ बैठ जाता है और पढ़ना शुरू कर देता है।)

जोश — सात-आठ दिन बाद मैं फिर यहाँ आऊँगा।

एब — तो तब तुमसे मुलाकात होगी। (जोश चला जाता है, एब बैठ जाता है और अखबार उठा लेता है। बैन खड़ा हो जाता है और लड़खड़ाता हुआ उसके पास आता है।)

बैन — (गुस्से में) एब ! क्या तुम इनके कहने से चुनाव लड़ोगे ?

एब — अभी तक इसके बारे में सोचने का मुझे समय नहीं मिला।

बैन — इनके कहने में मत आओ। इनके कहने से बने बनाए कपड़े मत पहनो। वह इस देश में शैतान की पोशाक है। तुम ईमानदार आदमी हो, लिंकन। लेकिन जैसे उन्होंने तमाम को बरबाद कर दिया वैसे ही वे तुम्हें भी बरबाद कर देंगे। (दीवारों पर टंगे हुए चित्रों की ओर गर्व से इशारा करते हुए) वाशिंगटन को देखो, जैफरसन को देखो, जान एडम को देखो, आज ये सब कहां हैं ? मर चुके हैं। और वह हर चीज जिसके लिए ये लड़े और विजय पाई वे सब भी समाप्त हो चुकी हैं। (एन मेज साफ करने के लिए आती है। एब उसकी ओर देखता है।) इससे तो अच्छा था कि हम सब गुलाम होते। जब वे बीमार और बूढ़े होते हैं तब उनकी देखभाल की जाती है। (एन चली जाती है।) लेकिन तुम्हें कोई चिन्ता नहीं। तुम मेरी बात भी नहीं सुन रहे हो। (धीरे-धीरे दरवाजे की ओर बढ़ता है।)

एब — मैं सुन रहा हूँ, बैन।

बैन — नहीं तुम नहीं सुन रहे। मैं जानता हूं कि तुम भेड़ियों के उस गिरोह में शामिल होने जा रहे हो जो स्वतन्त्रता की लाश पर पल रहा है। (चला जाता है।)

एब — चिन्ता न करो, मैं नहीं जा रहा।
(एन फिर आती है और मेज के पास जाती है। इस समय वह शान्त दिखाई देती है।)

एब — बोलिंग ग्रीन मुझसे कह गया है कि वह बिल चुकाने के लिए बाद में आएगा।

एन — (संक्षेप में) ठीक है।

(वह गिलास उठाने लगती है। एब उसकी मदद करने के लिए लपकता है।)

एब — एन, लाओ मुझे दो। मैं ले जाऊंगा।

एन — (गुस्से में) नहीं, मैं ले जा सकती हूँ। (वह जाने के लिए मुड़ती है।)

एब — माफ करना एन।

एन — ऊंह!

एब — मैं तुमसे कुछ बातें करना चाहता हूँ।

एन — बहुत अच्छा। मैं अभी आती हूँ। (वह चली जाती है। सेथ ने अपना पत्र पढ़ लिया है और वह एब की ओर आता है। जो बातचीत करते हुए बराबर रसोईघर की ओर ही देखता रहता है।)

सेथ — एब! मेरीलैण्ड से मेरे रिश्तेदारों का पत्र आया है। मेरे ख्याल में इसका अर्थ है कि मुझे नेब्रास्का प्रदेश में जाने का अपना विचार छोड़ देना होगा। मेरे पिताजी बीमार हैं।

एब — मुझे यह सुनकर बहुत अफसोस हुआ।

सेथ — मुझे भी अफसोस है। उन्होंने मुझे फार्म पर काम करने के लिए वापस बुला भेजा है। मैं तो पश्चिम की ओर जाने का निश्चय कर चुका था। सबसे बुरी बात तो यह है कि तुम भी मुझ पर निर्भर कर रहे थे।

एब — (अब भी रसोईघर की ओर देख रहा है) इस बारे में तुम चिन्ता मत करो, सेथ। (एन वापस जाती है)

सेथ — अच्छा। अब पछतामे से कुछ नहीं होगा। जाने से पहले मैं तुम्हें अलविदा कहने आऊँगा एब। (वह जाता है। एब एन की ओर और एन एब की ओर देखती है।)

एन — हां, क्या बात है एब !

एब — (उठता हुआ) मेरा यह ख्याल था कि न्यूयार्क से जो तुम्हें पत्र मिला है उसके बारे में शायद तुम मुझसे बातें करना चाहो।

एन — (तीव्रता से) उस पत्र के बारे में तुम क्या जानते हो ?

एन — मैं पोस्ट मास्टर हूँ। लोगों के निजी मामले के बारे में जितना मुझे जानना चाहिए उससे अधिक जानता हूँ। मिस्टर मैक्नील के अक्षर पहचानता हूं। और तुम्हारे चेहरे पर जो भाव हैं उनसे मैं समझ सकता हूं कि जिस बुरी खबर का तुम्हें डर था वह आ गई है।

एन — (गुस्से में) उस पत्र में जो कुछ भी लिखा है, उससे तुम्हारा कोई सम्बन्ध नहीं है, एब।

एब — जानता हूँ एन। लेकिन तुम रोती रही हो और इससे मुझे दुख हुआ है। मैं तुम्हारे बारे में बहुत सोचता हूँ। इसकी मैं चर्चा नहीं करूंगा। लेकिन जब आदमी दुखी होता है और उसके दुख को सुनने वाला कोई उसे मिल जाता है तो उसे राहत मिलती है। और भगवान जानता है कि मेरे कान बहुत कुछ सुनने की शक्ति रखते हैं।

एन — (नरम पड़ती है) एब लिंकन, तुम भले आदमी हो।
(बैठ जाती है।)

एब — मैं सीधा सादा गरीब आदमी हूँ।

एन — (हँसती है) अच्छा, कुछ भी हो। बैठ जाओ, यहां मेरे पास बैठो, एब। (एब बड़ी प्रसन्नता से उसके पास जाकर बैठ जाता है।)

एन — तुम किसी को हंसाने के लिए हमेशा कुछ न कुछ कह सकते हो। क्यों, ठीक है न ?

एब — लेकिन इसके लिए तो मुझे कुछ कहने की जरूरत ही नहीं है। बस मेरी ओर देखने भर की आवश्यकता है।

एन — उस पत्र के बारे में तुम्हारा विचार ठीक है एब। मिस्टर मैक्नील नहीं जानते कि वह न्यू सेलम कब वापस आ सकेगा। इसका मतलब है कि वह कभी वापस नहीं आएंगे। मेरा ख्याल है कि उनसे विवाह करने का वचन देने के कारण तुम मुझे मूर्ख समझते हो।

एब — नहीं, मैं ऐसा नहीं समझता। वह स्फूर्तिवान और सुन्दर व्यक्ति है। उन्हें प्यार करने के लिए मैं किसी भी लड़की को कोई दोष नहीं दूंगा।

एन — (शीघ्रता से) मैं उन्हें प्यार नहीं करती एब।

एब — तब ! तब तो चिन्ता करने की कोई बात ही नहीं है।

एन — मैं नहीं समझती कि तुम औरतों के बारे में बहुत कुछ जानते हो। तुम एक मजबूत आदमी हो और तुम दुर्बल व्यक्ति के मनोभावों को नहीं समझ सकते। कस्बे के सभी आदमी यही कहेंगे कि उन्होंने मुझे

धोखा दिया है। मेरे सामने वे मुझसे सहानुभूति प्रगट करेंगे लेकिन पीठ पीछे वे मुझ पर हँसेंगे। (वह उठती है और दाहिनी ओर मुड़ती है।) मैं जानती हूं कि यह केवल दुर्बलता है। यह ऐसी बात है जिसे तुम नहीं समझ सकते।

एब — हो सकता है कि मैं इसे समझ सकूं एन। जोश स्पीड कहता है कि मैं अहंकारी हूं और वह ठीक कहता है। यह...यह और कुछ नहीं है, केवल दम्भ है जो मुझ तुम्हारे प्रति अपनी भावनाओं को प्रगट करने से रोकता रहा है। (वह चकित होकर मुड़ती है और उसको ओर देखती है।) देखो, मैं भी यह नहीं चाहता कि लोग मुझ पर हँसें। मैं जानता हूं कि मैं कैसा दिखाई देता हूं और मैं यह भी जानता हूं कि जिस लड़की को मैं प्यार करूंगा उसको देने के लिए मेरे पास कुछ नहीं है।

एन — क्या तुम यह कहना चाहते हो कि तुम मुझे प्यार करते हो, एब।

एब — (गम्भीरता से) हां, मैं यही कह रहा हूं। (वह उसके सामने खड़ा हो जाता है। एन उसकी आंखों में झांकती है।) मैं तुम्हें अपने सम्पूर्ण हृदय से बहुत दिनों से प्यार करता रहा हूं। तुम, तुम एन, विशेष रूप से सुन्दर लगती हो। तुम में सूझबूझ है। तुम बहादुर हो, तुम देखने में भी अच्छी हो। लेकिन एन, मैं तुम्हें परेशान नहीं करना चाहता। मैंने तो इसकी

केवल इसलिए चर्चा की कि यदि तुम कुछ दिन मेरे साथ घूमो फिरो, तो शायद लोगों के मुंह बन्द हो जाएं। वे सोचेंगे कि तुमने ही किसी और के लिए मैक्नील को छोड़ दिया है, शायद मैं भी।

एन — (वैसी ही गम्भीरता से) मैंने पहले भी तुम्हारे बारे में बहुत सोचा है। लेकिन हमारे बीच में प्रेम का विचार···मैं नहीं कह सकती कि मैं इस बारे में क्या अनुभव करती हूं क्योंकि इस समय तुम एक ऐसे व्यक्ति की तरह हो, जिससे मैं पहली बार मिल रही हू।

एब — (शान्ति से) तुम मेरे बारे में सोचो, इसकी कल्पना भी मैं नहीं करता।

एन — मैं जानती हूं एब, तुम अपना सब कुछ दे दोगे और बदले में कभी कुछ नहीं चाहोगे। अगर कभी तुम्हें प्रेम कर सकी तो, मुझे बहुत खुशी होगी। तुम्हारे जैसे भले और अच्छे आदमी से प्यार करना मेरा सौभाग्य होगा। यदि तुम मुझे इसके बारे में सोचने का थोड़ा अवसर दो......

एन — (अविश्वास से) तुम्हारा मतलब है कि यदि तुम्हें समय मिले तो तुम्हारे हृदय में कुछ ऐसे ही भाव पैदा हो सकते हैं जैसे तुम्हारे बारे में मेरे हृदय में पैदा हो रहे हैं।

एन — (कोमलता से) मैं नहीं जानती, एब। (उसके हाथ को छूती है) लेकिन मैं यह अवश्य जानती हूं कि तुम ऐसे व्यक्ति हो जो किसी के भी हृदय में समा सकते हैं। (एब उसके हाथ को अपने हाथ से ढक लेता है।)

एब — एन, मैंने उनके इस कथन पर विश्वास करने की पूरी कोशिश की कि इस देश में सबको समान सुविधाएं प्राप्त हैं। लेकिन मैं इस पर कभी विश्वास नहीं कर सका, जैसे कि मैं यह नहीं मान सका कि भगवान ने तमाम मनुष्यों को अपने समान बनाया है। लेकिन एन, अगर मैं तुम्हें पा सका तो, मैंने कविता की पुस्तकों में जिन तमाम आश्चर्यजनक बातों के बारे में पढ़ा है, उन सबमें विश्वास करने लगूंगा। (एक क्षण के लिए दोनों मौन हो जाते हैं। तब एन मुड़ती है।) मैं तुमसे तब तक जवाब देने के लिए नहीं कहूंगा, जब तक मुझे ऐसा करने का अधिकार नहीं हो जायगा।
(अपना डाक का थैला उठा कर दरवाजे की ओर मुड़ता है।)

एन — एब ! तुम कहाँ जा रहे हो ?

एब — मैं बोलिंग ग्रीन को ढूंढ़ने और उसे एक मजाक सुनाने जा रहा हूं। (मुस्कराता है)

एन — मजाक किस बारे में ?

एब — मैं उसे यह कहने जा रहा हूं कि मैं इलिनाय राज्य की विधान सभा के लिए खड़ा होने को तैयार हूँ।

(वह चला जाता है।)

दूसरा दृश्य-समाप्त

दृश्य तीन

(न्यू सेलम के पास बोलिंग ग्रीन का घर। सन्ध्या गहरी हो चुकी है। दृश्य दो के बाद लगभग १ वर्ष बीत चुका है। बाहर तूफान उठ रहा है। कमरा छोटा है लेकिन आरामदेह है। दीवारों पर पुस्तकें और परिवार के चित्र हैं। बीच में एक मेज है जिसके ऊपर लैम्प है। इसके दोनों ओर कुर्सियां हैं और बाईं ओर एक कोच है। सामने के दरवाजे के सहारे बन्दूक रखी है। बोलिंग अपनी पत्नी नैन्सी को कहानी पढ़ कर सुना रहा है। जो सुनने के साथ-साथ सी भी रही है।)

नैन्सी — (हंसते हुए) पढ़े जाओ बोलिंग। नायक बिल्कुल तुम्हारे जैसा मालूम होता है। (दरवाजे पर दस्तक होती है। नैन्सी घबरा कर) कोई दरवाजा खटखटा रहा है। यह एब की दस्तक तो नहीं है! कौन हो सकता है ?

बोलिंग — (उठते हुए) अभी तो कुछ पता नहीं, प्रिये।

नैन्सी — मिलने आने के लिए यह विचित्र समय है। अच्छा हो कि तुम बन्दूक तैयार रखो।

बोलिंग — (सांकल खोलकर दरवाजा खोलता है। जोशस्पीड है।) अरे जोशस्पीड आओ, आओ, अपना कोट उतार डालो।

जोश — नमस्कार बोलिंग। नमस्कार श्रीमती ग्रीन। मैं

अभी स्प्रिंगफील्ड से आया हूं। सुना है कि एब्र लिंकन कस्बे में है और शायद वह मुझे यहां मिल सकता है।

बोलिंग — वह यहीं सोया करता है।

नैन्सी — लेकिन इस समय रटलेज फार्म पर बेचारी एन की तीमारदारी कर रहा है।

जोश — कुमारी रटलेज। उसको क्या हुआ ?

नैन्सी — उसे मस्तिष्क का रोग है। कैसी भयानक बात है, न जाने कितने व्यक्ति इस रोग से मर गए।

बोलिंग — लेकिन एन तो युवती है, वह ठीक हो जाएगी। जोश, बैठ जाओ।

जोश — धन्यवाद ! (बैठ जाता है। बोलिंग पाइप भरता है)

नैन्सी — शायद तुम यह जानते होगे कि जैसे ही एब ने यह सुना कि एन बीमार है वह उसी क्षण भागा हुआ चला आया। वह उसे बेहद प्यार करता है।

जोश — अच्छा, तो एब प्यार करता है। पिछली बार जब मैं उससे मिला था तो उसका व्यवहार कुछ अजीब तरह का था। मैंने जब उससे पूछा कि क्या बात है ? तो उसने कहा कि पेट में गड़बड़ है।

बोलिंग — (हँसते हुए) यही ठीक मालूम होता है। नैन्सी हमेशा कल्पना करती रहती है। क्या एब विधान-सभा में ठीक तरह से चल रहा है ?

जोश — नहीं, वह तो बस वहां बैठा रहता है। और तीन डालर प्रतिदिन बना लेता है। जो कुछ वहां होता

है उसमें वह कोई रुचि नहीं लेता। क्या तुम्हारा ख्याल है कि मिस रटलेज उसको चाहती है ?

नैन्सी — निश्चय ही वह चाहती है। एब के प्रति अपनी इन भावनाओं के कारण ही उसने मैक्नील को जो बचन दिया था उसे तोड़ दिया।

जोश — क्या एब उससे शादी करना चाहता है ?

नैन्सी — संसार में यही तो एक बात है जो वह तुरन्त कर लेना चाहता है और जितनी जल्दी उन दोनों की शादी हो जाए उतना ही उन दोनों के लिए अच्छा है।

बोलिंग — (बैठते हुए) शायद एन के लिए बेहतर है लेकिन एब के लिए तो और भी बुरा होगा। एब का काम करने का अपना रास्ता है और एन उस रास्ते में बाधक होगी।

जोश — मेरा ख्याल है कि अगर एन एब को थोड़ी बहुत खुशी दे सके, जो उसे कभी नहीं मिली, तो कुछ बहुत बुरा नहीं होगा।

नैन्सी — (उठते हुए) यही तो बात है। एब के बारे में जितना तुम सोचते हो बोलिंग उतना ही मैं भी सोचती हूं। लेकिन हम इस बात से इन्कार नहीं कर सकते कि जिस काम में उसने हाथ डाला उसी में वह असफल रह गया। और अब एक वर्ष से वह विधान-सभा में है। लेकिन वहां कुछ नहीं कर सका। (वह किताबों की अल्मारी में अपने सीने की टोकरी रखने जाती है।)

बोलिंग — वह स्प्रिंगफील्ड जाकर वकालत कर सकता है। निनियन एडवर्ड्स काम शुरू करवाने में उसकी मदद करेंगे और वह एन को जल्दी ही भूल जाएगा। एन उसके लिए सौन्दर्य से परिपूर्ण एक स्वप्न है लेकिन अगर वह उसे पा लेता है तो वह जाग उठेगा। और एन उसका दिल तोड़ देगी।

नैन्सी — (बैठते हुए) मिस्टर स्पीड क्या आप इस बारे में बोलिंग से सहमत हैं ?

जोश — (उदास होकर) कह नहीं सकता श्रीमती ग्रीन, एब लिंकन के बारे में किसी भी प्रकार का अनुमान लगाने का प्रयत्न मैंने छोड़ दिया है। पहली बार मैंने उसे तब देखा था जब उसने मेरी स्टीम बोट और उस पर लदे हुए कीमती सामान की रक्षा की थी। मैंने सोचा यह आदमी है जिस पर भरोसा किया जा सकता है। मेरा विश्वास था कि मैं यश और सौभाग्य पाने में उसकी मदद करूंगा। लेकिन बहुत जल्दी ही मुझे इससे उल्टी बात मालूम हुई। मैंने पाया कि उसके शरीर में काफी शक्ति और साहस है लेकिन मन से वह रोगी है। वह सारा दिन कठिन शारीरिक श्रम और हंसी-ठठ्ठा कर सकता है और फिर सारी रात हेमलेट पढ़ता हुआ, अपने को उसका वह दुखी राजकुमार समझता हुआ बैठा रह सकता है। शायद वह एक महान दार्शनिक है। शायद वह

एक महान मूर्ख है। मैं नहीं जानता कि वह क्या है ?

बोलिंग — (हँसते हुए) क्या ही अच्छा हो यदि एन में यह सब देखने की बुद्धि हो जो तुमने देखा। तब वह इतनी डर जाएगी कि वह उसे छोड़ कर मैक्नील को ढूंढ़ने के लिए न्यूयार्क भागी चली जाएगी। कम से कम वह अनबूझ पहेली तो नहीं है।

नैन्सी — (भावुक होकर) हो सकता है कि एब्र लिंकन एक ऐसी पहेली हो जिसे तुम्हें बूझना पड़े। लेकिन वह एक आदमी भी है, एक बदकिस्मत आदमी। और तुम उसके लिए क्या करते हो। तुम उसकी मजाकों पर हंसते हो और चुनाव के दिन उसे मत देते हो और आवश्यकता पड़ने पर खाना तथा रहने का स्थान दे देते हो। लेकिन इससे क्या उसकी आत्मा सन्तुष्ट होती है, कभी नहीं हो सकती। क्योंकि उसे जिस चीज की जरूरत है वह है अदम्य इच्छा शक्ति से पूर्ण एक नारी जो, उसके लिए जीवन का सामना कर सके।

बोलिंग — तुम्हारे विचार से वह स्वयं जीवन का सामना करने से डरता है।

नैन्सी — हां, वह डरता है। वह उन कानाफूसियों पर ज़रूरत से ज्यादा विश्वास करता है, जो उसने उस जंगल में सुनी थीं जहां वह बड़ा हुआ और जहां वह एकान्त चाहने पर अब भी जाता है। वे

कानाफूसी उन औरतों की हैं जो उसके जीवन में आईं थीं। उसकी स्वर्गीया माँ की और उसकी मां की मां की। वह नहीं जानता कि इन कानाफूसियों का अर्थ क्या है। और वे उसे कहां ले जा रही हैं। और वह उनसे डरता है। केवल एक नारी ही उसे इस डर से मुक्त कर सकती है। वह नारी जो उसे सचमुच प्यार करती हो और उसमें विश्वास रखती हो।......(दरवाजे पर दस्तक होती है)

बोंलिग — अब एब आया है।

(उठ कर दरवाजा खोलता है। एब आता है। सिर पर हैट नहीं है। तूफान में भीगा हुआ है। गहरे रंग का एक खासा अच्छा सूट पहना है। वह प्रौढ़ और अधिक गम्भीर दिखाई देता है।)

बोंलिग — क्यों क्या बात है ? हम तो तुम्हारी राह देख रहे हैं। बारिश में से अन्दर आ जाओ।

(एब अन्दर जाता है। बोंलिग दरवाजा बन्द कर देता है।)

एब — हलो ! जोश, तुम्हें देखकर खुशी हुई।

जोश — हलो ! एब।

एब — (नैन्सी की ओर मुड़ कर) नैन्सी......

नैन्सी — हां एब।

एब — वह मर गई।

बोंलिग — एन ? वह मर गई।

एब — हाँ, आज रात अचानक उसका बुखार बिगड़ गया। वे लोग कुछ नहीं कर सके।

(नैन्सी तीव्रता से एब के पास जाती है और उसका हाथ अपने हाथ में ले लेती है।)

नैन्सी — ओह ! एब मुझे बहुत दुख है। वह कितनी प्यारी बच्ची थी। जो कोई भी उसे जानता था वह तुम्हारे इस दुख में शामिल होगा।

एब — मैं जानता हूं। लेकिन इससे क्या होगा। वह तो मर गई।

बोलिंग — एब, बैठ जाओ और आराम कर लो।

एब — नहीं। मैं किसी के लिए भी अच्छा साथी नहीं हूं। मुझे चले जाना चाहिए। (दरवाजे की ओर मुड़ता है।)

जोश — (उसे रोकते हुए) नही एब, तुम यहीं ठहरोगे।

बोलिंग — अच्छा है, जोश जो कुछ कहता है वही करो।

नैन्सी — यहाँ आओ एब, बैठ जाओ।

(एब बारी-बारी सबको देखता है फिर बैठ जाता है।) जब भी तुम चाहो तुम्हारे लिए बिस्तर तैयार है।

एब — संसार में तुम दोनों मेरे सर्वोत्तम मित्र हो। तुमने मेरे लिये जो कुछ किया उसके बदले में अब मेरा इस अवस्था में यहाँ आना अच्छा नहीं लगता।

बोलिंग — यह तुम्हारा घर है एब। यहां तुम्हें सब प्यार करते हैं।

एब — हां, यह ठीक है और बोलिंग, नैन्सी मैं तुम्हें प्यार करता हूं। लेकिन मैंने उसे सबसे बढ़ कर प्यार किया।

नैन्सी — मैं जानती हूं। तुमने किया है। एब, मैं जानती हूं।

एब — जब मैं अकेला था तो पूर्ण सन्तोष से रहता था। मुझ में एक सनक थी कि अगर मैं लोगों के बहुत पास जाऊँगा तो, उनको पहचान लूगा कि पर्दे के पीछे वे सब सनकी हैं और दूसरे को भी वैसा ही समझते हैं। और तब जब मैंने उसे देखा तो जाना, कि मनुष्य में सौन्दर्य और पवित्रता भी हो सकती है। जब मैंने उसका हाथ अपने हाथ में लिया तो मेरा सारा डर, मेरी सारी शंकाएं दूर हो गईं। भगवान में मेरा विश्वास दृढ़ हो गया। अपनी मृत्यु तक मुझे उसके लिए काम करने में खुशी होती, अगर वह यह सोचती कि मैं कुछ कर सकता हूं तो, मैं अवश्य कर सकता, यह मेरा विश्वास था। और उसके बाद तूफान में पड़े पत्ते की तरह मैं असहाय खड़े-खड़े उसे सांस तोड़ते देखता रहा। उसके माता-पिता भी वहीं थे। उसकी आत्मा के लिए भगवान से प्रार्थना कर रहे थे, 'भगवान ही देता है, भगवान ही ले लेता है, भगवान का नाम पवित्र है।' यही बारबार कहते रहे लेकिन मैं उनके साथ प्रार्थना नहीं कर सका। मैं उसके

प्रति भक्ति प्रगट नहीं कर सका, जिसके पास मौत की शक्ति है और जो उसका प्रयोग करता है। (खड़ा हो जाता है और आवेश के साथ बोलता है।) मैं अपने को मूर्ख बना रहा हूं। मुझे खेद है। लेकिन मैं यह सब नहीं कह सकता। मैं अब और अधिक होश में नहीं रह सकता। मुझे मरना होगा और फिर उसके साथ रहना होगा। नहीं तो मैं पागल हो जाऊँगा। (दरवाजे के पास जाता है। खोलता है। तूफान उठ रहा है।) मैं उसे ऐसे में बाहर अकेला नहीं छोड़ सकता। (नैन्सी याचना भरी दृष्टि से बोलिंग की ओर देखती है। वह एब के पास जाता है।)

बोलिंग — (कोमलता से) एब, मैं चाहता हूं कि तुम ऊपर चले जाओ और कुछ देर सो लेने की कोशिश करो। नैन्सी और मुझ पर विशेष कृपा होगी, एब।

एब — (एक क्षण बाद) बहुत अच्छा बोलिंग। (ऊपर जाने के लिए मुड़ता है।)

नैन्सी — प्रिय एब। लैम्प यह रहा। (उसके लिए लैम्प जलाती है और उसे देती है।)

एब — धन्यवाद नैन्सी। नमस्कार। (ऊपर चला जाता है)

नैन्सी — (रुँधे हुए कण्ठ से) बेचारा। (बोलिंग चुप होने का इशारा करता है।)

जोश — श्रीमती ग्रीन, आप उसे यहीं अपने पास रखिए। अपने से दूर मत जाने दीजिए।

बोलिंग —— नहीं जाने देंगे, जोश ।

जोश —— नमस्कार । (अपनी वस्तुएं उठा कर जाता है ।)

बोलिंग —— नमस्कार जोश ।

(वह दरवाजा बन्द करके ताला लगा लेता है । और फिर मेज से लैम्प उठा लेता है । नैन्सी एक बार फिर ऊपर की ओर देखती है फिर बाहर चली जाती है । बोलिंग लैम्प लिए उसके पीछे जाता है । फिर दरवाजा बन्द कर लेता है । स्टेज पर अब जो रोशनी आ रही है वह ऊपर से जीने की ओर से आने वाली मध्यम रोशनी है । पर्दा गिरता है ।)

पहला अंक समाप्त

दूसरा अंक

चौथा दृश्य

(पांच वर्ष बाद। ग्रीष्म ऋतु में मध्याह्न के बाद धूप निकली हुई है। स्प्रिंगफील्ड, इलिनॉय में कोर्ट हाउस की दूसरी मंजिल पर स्टुअर्ट और लिंकन का कार्यालय। कमरा छोटा है। एक मेज और कुर्सी तथा कागजों से भरी हुई एक डैस्क, पीछे की ओर एक पुरानी चारपाई, खुली अलमारियां कानूनी किताबों से भरी हैं। एक पुराना चूल्हा है जिसमें लकड़ी जलाई जाती है। डैस्क पर २६ सितारों वाला अमेरिकी झण्डा लटका हुआ है। खिड़कियो के बीच में हैरीसन और टाइलर के पक्ष में चुनाव की घोषणा टंगी हुई है। इसमें निर्वाचकों की सूची भी है जिसके सबसे अन्त में अब्राहम लिंकन का नाम है। मेज पर बिली हर्नडन काम कर रहा है। वह पतला दुबला गम्भीर नवयुवक है। जैसे ही एब अन्दर आता है वह दृष्टि उठा कर उसे देखता है। एब के सिर पर पुराना रेशमी टोप है और हाथ में एक फटा पुराना टाट का थैला। मौन मुद्रा में है। जूते मिट्टी से भरे हुए हैं। आयु केवल ३१ वर्ष की है लेकिन यौवन जैसे एन रटलेज के साथ ही दफनाया जा चुका है। वह कार्यालय का दरवाजा खुला छोड़ देता है जिस पर यह लिखा हुआ है—नम्बर ३, स्टुअर्ट और लिंकन—वकील।)

बिली——कैसे हो मिस्टर लिंकन। मुझे खुशी है कि आप वापस आ गए।

एब——नमस्कार बिली। (अपना टाट का थैला और टोप उतार कर डैस्क पर रख देता है।)

बिली—आपकी यात्रा कैसी रही, मिस्टर लिंकन।

एब—जैसी हमेशा रहती है।

बिली—सेहत तो ठीक रही ना।

एब—ठीक तो नहीं रही लेकिन डाक्टर हेनरी ने ऐसी दवा दे दी थी कि मैं अपना काम करता रहा। (डैस्क पर बैठ जाता है और अपनी अनुपस्थिति में आए हुए पत्रों तथा कागजों के ढेर को देखने लगता है। उनमें उसकी कोई रुचि नहीं दिखाई देती।)

बिली—क्या आपको कोई राजनैतिक भाषण देने का अवसर मिला?

एब—हां, कई बार। मैं स्टीफन डगलस से मिला। वह मतों की तलाश में घूम रहा था और सार्वजनिक रूप से हम लोगों में कुछ वाद-विवाद भी हुआ।

बिली—(बहुत रुचि दिखाता है) यह तो बहुत अच्छी बात है। आप में और मिस्टर डगलस में किस बात पर वाद-विवाद हुआ।

एब—अधिक उत्तेजित मत हो, बिली हम लोग कोई बहुत गम्भीरता से बहस नहीं कर रहे थे। अच्छा, यहां की क्या खबर है?

बिली—जज स्टुअर्ट ने लिखा है कि वह वाशिंगटन सकुशल पहुंच गये हैं। और वहां आन्दोलन मौसम की तरह गर्म हो उठा है। (बिली एब को एक पत्र देता है और जब एब पढ़ता है तो उसे

बड़े ध्यान से देखता है।) मैंने इसकी ओर विशेष रूप से तुम्हारा ध्यान दिलाने का वायदा किया था। यह स्वतन्त्र व्यक्तियों की, "एलिजा पी लव जॉय लीग" की ओर से है। वह यह चाहते हैं कि अगले बृहस्पतिवार की संध्या को आप दास-प्रथा विरोधी सभा में बोलें। यह एक वहुत ही अहम बात होगी।

एब —(सोचते हुए) यह एक मजेदार बात है। मैं पिछले दिनों 'लव जॉय' के बारे में ही सोच रहा था और यह समझने की कोशिश कर रहा था कि आदमी में ऐसी क्या बात है कि जिसके कारण वह किसी उद्देश्य के लिये प्रसन्नता के साथ अपना जीवन दे देता है। मैं नाव में क्विनसी से आल्टन आ रहा था, उस नाव में एक भद्र पुरुष भी थे जिनके साथ १२ नीग्रो इस प्रकार जंजीरों से बँधे हुए थे जैसे मछलियां। शायद वे अपने घरों से, अपने माता-पिता से, पत्नी-बच्चों से हमेशा के लिए अलग किए जा रहे थे और उन्हें दासता के बन्धन में बांधा जा रहा था। वह एक करुण दृश्य था।

बिली — (उत्तेजित होकर) तब तुम 'लव जॉय' की सभा में भाषण दोगे ?

एब — (थका हुआ है) मुझे इस बारे में शंका है। यह 'फ्री मैन्स लीग' विवेकहीन व्यक्तियों से भरी हुई

है। अगर कोई व्यक्ति तर्क करता है तो वे समझते हैं कि उसमें काफी शक्ति नहीं है। और वे उसकी ओर से उदासीन हो जाते हैं। उनको अपना राग अलापने दो। (एब ने एक पत्र खोला है और उसे पढ़ना शुरू करता है। बिली कुछ खिन्नता के साथ उसकी ओर देखता है। लेकिन जानता है कि तर्क करने से कुछ नहीं होगा। अपना काम करता रहता है। क्षण भर बाद बोलिंग ग्रीन आता है उसके साथ जोश स्पीड है।)

बोलिंग — क्या हम कानून के काम में दखल दे रहे हैं ?

एब — (प्रसन्नता से) बोलिंग ! (उछल कर बोलिंग का हाथ पकड़ लेता है) कैसे हो बोलिंग।

बोलिंग — अच्छा खासा हूं एब। तुम्हें देख कर खुशी हुई।

एब — मिस्टर ग्रीन यह न्यू सेलम का बिली हर्नडन है। हलो जोश !

जोश — हलो एब।

बिली — (बोलिंग से हाथ मिलाते हुए) आप का परिचय पाने का मुझे गर्व है श्रीमान। मिस्टर लिंकन अक्सर आपके बारे में बातें करते हैं।

बोलिंग — धन्यवाद मिस्टर हर्नडन ! क्या आप भी वकील हैं ?

बिली — (गम्भीरता से) होने की आशा करता हूं श्रीमान जी। स्टुअर्ट की गैरहाजरी में मैं यहां क्लर्क का काम करता हूं।

बोलिंग — तो एब, अब तुम दूसरों को पढ़ा रहे हो ।

एब — बस एक बुरा उदाहरण उपस्थित कर रहा हूं ।

बोलिंग — यह ठीक ही है । जरा डेस्क पर फैले हुए इन कागजों को तो देखो, शर्म की बात है ।

एब — अगर मैं अगले वर्ष भी वकालत करता रहा तो, मुझे इन कागजो के लिए ही एक दूसरे दफ्तर की आवश्यकता होगी । लेकिन बैठो ना बोलिंग, और बताओ कि तुम स्प्रिंग फील्ड कैसे आए हो ? (बोलिंग बैठ जाता है । जोश चारपाई पर बैठ कर अपनी पाइप पीता रहता है । बिली फिर मेज के पास आ बैठा है ।)

बोलिंग — मछलियों का शिकार करने मिशीगन झील तक गया था । लेकिन एब, तुम्हारा काम कैसा चल रहा है ? जोश ने बताया कि तुम्हारे पास अब भी पैसा नहीं है लेकिन सामाजिक दृष्टि से तुम बहुत सफल हो ।

एब — जोश ठीक ही कहता है । क्या तुम्हें निनियन एडवर्ड्स की याद है ? ?

जोश — निश्चय ही ।

एब — तो जनाब, मैं नियमित रूप से उनका मेहमान हूं । उनका घर इतना बड़ा है कि बैठक के कमरे में घुड़-दौड़ हो सकती है । और उनकी पत्नी कैण्टकी टाड परिवार की है । वे उच्च वर्ग के लोग हैं । अपना नाम डबल 'डी' से लिखते हैं । इससे मैं

बहुत प्रभावित हुआ क्योंकि भगवान ने अपने लिए केवल एक ही 'डी' काफी समझी[1]।

जोश — बोलिंग को यह तो बताओ कि रोचस्टर में आप किससे मिले थे।

एब — अमेरिका के राष्ट्रपति से। (हाथ आगे बढ़ा कर) तुम इस हाथ को देखते हो।

बोलिंग — हां, देखता हूँ।

एब — इसने मार्टिन वान ब्यूरेन से हाथ मिलाया है।

बोलिंग — (हंसते हुए) राष्ट्रपति ने तुम्हारी उचित अभ्यर्थना तो की न ?

एब — बेशक उन्होंने मुझसे कहा—'वाशिंगटन में हम आपके बारे में बहुत कुछ सुनते रहते हैं।' बाद में मुझे पता लगा कि जब कभी वह किसी कस्बे के राजनीतिज्ञ से मिलते हैं तो, हरेक से यही बात कहते हैं। (हंसता है) लेकिन यह बिली हर्नडन काफी नाखुश है क्योंकि मैं गलत लोगों में उठता बैठता हूं। बिली तो दास-प्रथा विरोधी दल का है। यह ऐसे किसी व्यक्ति को पसन्द नहीं करता जो विधान का सम्मान करता है और चुप रहता है। अगर इसका बस चले तो यह तमाम यूनियन में आग लगा दे और हम सब जल कर राख हो जाएं। ठीक है न बिली।

1–Todd : God

बिली — (तीव्रता से) हां, मिस्टर लिंकन। अगर आप मुझे कहने की आज्ञा दें तो मैं यही कहूंगा कि यदि आप स्वतन्त्रता की ज्वाला को भड़काने में योग दें तो, आप अपने साथियों के लिए अधिक लाभदायक सिद्ध हो सकते हैं।

एब — देखा बोलिंग, यह चाहता है कि मैं रक्त-रंजित युद्ध भूमि में आकर अन्याय के नाहरों से संघर्ष करूं।

बोलिंग — मुझे आपसे गहरी सहानुभूति है, मिस्टर हर्नडन।

बिली — (हैट उठाकर आदर से) धन्यवाद श्रीमान। (बोलिंग से हाथ मिलाता है, फिर एब की ओर मुड़ता है) विल कॉक्स के मामले के बारे में मुझे कुछ काम है।

एब — बहुत अच्छा।

बिली — (बोलिंग से) मिस्टर ग्रीन, मिस्टर लिंकन आपको और मिस्टर स्पीड को संसार में अपना सर्वोत्तम मित्र मानते हैं। इनके सामने मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि भगवान के लिए आप इन्हें निष्क्रि-यता के सागर से उबार लीजिए। यह बड़ी तेजी से उसमें डूबते जा रहे हैं। नमस्कार श्रीमान, नमस्कार मिस्टर स्पीड।

जोश — नमस्कार बिली। (बिली का गमन)

बोलिंग — एब यह कुशाग्रबुद्धि नवयुवक है।

एब — (बिली के पीछे देखता हुआ) यह नीचे ही एक दफ्तर में जा रहा है। लेकिन अपना हैट ले गया है। इसका मतलब है कि काम पर आने से पहले वह पास के घर में शराब का प्याला पीने भी जाएगा। इसके भीतर बहुत आग है। लेकिन यह उसको बहुत तेजी से समाप्त करता जा रहा है। अच्छा, अब यह तो बताओ कि तुम्हारी पत्नी कैसी है ?

(खिड़की के पास दीवार के सहारे झुकता है।)

बोलिंग — नैन्सी पहले से भी अधिक व्यस्त है और तुम्हारे लिए पहले से भी अधिक चिन्तित। वास्तव में उसने मुझे यह आदेश दिया है कि मैं तुमसे पूछूं कि आखिर बात क्या है ?

एब — (हँसता है) कह देना कोई बात नहीं है। मैं ठीक हूं। और अपने ऋण में से मैंने प्रति डालर पर ७ सैंट चुका दिए हैं।

बोलिंग — लेकिन तुम अपने बारे में हमें और अधिक क्यों नहीं लिखते।

एब — जोश बताएगा कि मैं बहुत व्यस्त रहा हूं।

बोलिंग — क्या करते रहे हो ?

एब — मैं चुनाव के लिए खड़ा हुआ हूं।

जोश — (एक घोषणा की ओर इशारा करते हुए) तुमने इसका नाम नहीं देखा ? यह तो है। 'विग' दल के 'निर्वाचकों' की सूची में सबसे नीचे।

बोलिंग — निर्वाचक ! क्या तुम्हारे लिए यही सबसे अच्छा पद है ?

एब — हां ! उस थोड़े से खाली समय में जो मेरे पास है। सेथगेल ने मुझे एक पत्र लिखा था, याद है न। वह न्यू सेलम में रहता था। आजकल मेरीलैण्ड में है। वह कहता है कि पूरब में लौटने के बाद उन्हें इस बात की बहुत चिन्ता है कि कहीं टैक्सास को हड़प न लिया जाय।

बोलिंग — चिन्ता होनी ही चाहिए। इसका अर्थ शायद यह होगा कि कैन्जस और नैब्रास्का से लेकर ओरेगन और केलीफोर्निया तक तमाम प्रदेशों में दासता फैल जाएगी। इसका अर्थ होगा कि दक्षिणी राज्य इस देश पर शासन करेंगे। बाकी स्वतन्त्र राज्यों की भगवान रक्षा करे।

जोश — यह स्थिति खराब है। इसमें गृह युद्ध के बीज छिपे हुए हैं।

एब — यदि ऐसी बात है तो यह 'दास-प्रथा-विरोधी' लोगों का अपना कसूर है। वे एकदम मुसीबत पैदा करते जा रहे हैं जबकि वह यह जानते हैं कि इस मुसीबत का परिणाम क्या होगा ? उन सबको एकदम जेल में बन्द कर देना चाहिए।

बोलिंग — मेरा तो ख्याल था कि तुम दासता विरोधी हो एब। क्या तुमने अपने विचार बदल दिए हैं ?

एब — (कोच पर बैठ जाता है) नहीं, मैं दासता का

विरोधी हूं लेकिन युद्ध का मैं इससे भी अधिक विरोधी हूं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि मैं जानता हूँ कि तुम दोनों क्या कर रहे हो। (समझदारी से मुस्कराता है।) तुम बिली हर्नडन की सलाह पर काम कर रहे हो और मेरे लिये परेशान हो रहे हो। तुम इस बात की कोशिश कर रहे हो कि मैं अपने जीवन का कुछ सदुपयोग करूं। क्यों, यही बात है न।

बोलिंग —— ओह, नहीं एब। मैं यह बताना नहीं चाहता कि तुम्हें अपना जीवन किस प्रकार बिताना चाहिए।

जोश —— और मैं भी नहीं चाहता। अगर हम यह अनुभव करते हों कि अभी तक जो अवसर तुम्हें मिले थे उनका तुमने पूरा लाभ नहीं उठाया तो, निश्चय ही हम इस बात को अपने तक ही रखेंगे।

एब —— (हंसता है) मुझे डर है कि तुम्हें भी वही करना होगा जो मुझे करना पड़ा था। अर्थात् मैं जैसा हूं वैसा ही स्वीकार करना पड़ेगा। मैं लड़ाकू आदमी नहीं हूं। मैं बहुत से ऐसे आदमियों को जानता हूं जो लड़ना चाहते हैं, जो मारना चाहते हैं और जो मरने से भी नहीं डरते। ठीक है जो लड़ाइयां लड़ी जानी हैं उनमें वे भाग ले सकते हैं।

बोलिंग —— कभी-कभी शान्तिप्रिय व्यक्ति भी अपने देश की सेवा कर सके हैं।

एब — आरम्भ में भले ही वे शान्तिप्रिय रहे हों लेकिन राजनीति में फंस जाने के बाद वे बहुत देर तक शान्तिप्रिय नहीं रहे हैं। (सीधा तन कर बैठ जाता है।) मान लो मैं चुना जाता हूं तो मैं उस भद्दी स्थिति में फंस जाऊंगा जिसकी तुम चर्चा कर रहे हो। शायद एक दिन मुझे इस युद्ध और शान्ति के भयानक प्रश्न पर अपनी राय देनी होगी। शायद टैक्सास के प्रश्न पर मैक्सिको से युद्ध हो सकता है या ओरेगन को लेकर इंग्लैंड से युद्ध हो सकता है या ओहियो नदी के उस पार अपने ही लोगों से भी युद्ध हो सकता है। किधर राय दूं यह निश्चय करने के लिए मैं क्या रुख अख्त्यार करूंगा ? इन प्रश्नों पर मेरे दल का क्या रुख है ? क्या भूमि के एक टुकड़े के लिए या एक नैतिक सिद्धान्त के लिए युद्ध करना या हर कीमत पर युद्ध रोकना। नहीं जनाब, मेरे लिए तो निर्वाचक मण्डल में ही जगह है। जहां मुझे केवल राष्ट्रपति के लिए राय देनी है जिसे चार महीने पहले सब चुन चुके हैं।

बोलिंग — अच्छा, अच्छा एब ! तुम हमेशा अपने पक्ष में दलीलें दे सकते हो और हो सकता है तुम अन्त तक जीतते चले जाओ और अपने भीतर की उस धीमी आवाज को न सुनो, जो तुम्हें तुम्हारा कर्त्तव्य सुझा रही है ?

(निनियन एडवर्ड्स का प्रवेश। वह पहले से भी अच्छे वस्त्र पहने हुए है।)

एब जोश — (एक साथ) हलो निनियन !

निनियन — हलो ! मैं अभी बिली हर्नडन से मिला था। उसने बताया कि तुम लौट आए हो। (बोलिंग को देखता है) अरे यह तो मेरे प्रिय मित्र मिस्टर ग्रीन हैं। कैसे हो ? स्प्रिंग फील्ड में आपका स्वागत।

बोलिंग — (हाथ मिलाता है) धन्यवाद मिस्टर एडवर्ड्स।

निनियन — एब मैं तो यह कहने आया था कि आज तुम्हें शाम का भोजन हमारे साथ करना है और मिस्टर ग्रीन श्रीमती एडवर्ड्स आपका स्वागत करके गौरवान्वित होंगी, अगर आप आ सकें। और जोश तुम भी।

जोश — बहुत खुशी होगी।

निनियन — मेरी पत्नी की बहन मिस मेरी टॉड कैन्टकी से अभी मिलने आई है। वह बहुत ही जिन्दादिल है। फ्रैंच इस प्रकार बोलती है मानो फ्रांसीसी हो। जोर जोर से कविता पढ़ती है। मैंने स्टीव, डगलस और दूसरे कुछ युवकों से उससे भेंट करने को कहा है। इसलिए दोस्तो, अच्छा हो तुम जल्दी आ जाओ।

बोलिंग — मिसेज एडवर्ड्स को नमस्कार कहना। अभी तो मेरी बीबी राह देख रही होगी।

निनियन —मैं समझता हूँ। एब, तुम तो आओगे ?

एब —कोई ताज्जुब नहीं।

निनियन —ठीक है। तुम एक खुशमिजाज नवयुवती से मिलोगे। मैं तुम्हें चेतावनी दे दूँ कि वह पति की तलाश में है। इसलिए सावधान रहना, कहीं तुम्हें अपनी स्वतन्त्रता से हाथ न धोना पड़े।

एब —इस चेतावनी के लिए धन्यवाद।

निनियन —(ग्रीन से) नमस्कार श्रीमान्। जोश, मैं तुमसे बाद में मिलूँगा। (चला जाता है)

एब —देखा बोलिंग मेरी स्थिति क्या है ? रोज ही मुझे एक सुन्दर, सुशिक्षित और विवाह के लिये उत्सुक नवयुवती से मिलने के लिए आमन्त्रित किया जाता है।

बोलिंग —खेद है एब, मैं तुम्हें फ्रेंच में प्रेम प्रदर्शित करते हुए नहीं सुन सकूंगा।

एब —बोलिंग ! मैं जितना अपने को मूर्ख बना सकता हूँ उससे अधिक तुम्हें नहीं बना सकता। तुम्हें भी नहीं, जोश। मैं ऐसा करने की कोशिश भी नहीं करता। जानता हूँ कि तुम मेरे बारे में क्या सोच रहे हो। मैं भी वही सोचता हूँ लेकिन मैं अपने अपराधों को उतनी आसानी से क्षमा नहीं कर सकता जितनी आसानी से तुम कर सकते हो। तुम अभी गृह युद्ध की बात कह रहे थे। मेरे अपने भीतर सदा ही ऐसा गृह युद्ध चलता

रहता है। दोनों पक्ष ठीक हैं, दोनों पक्ष गलत हैं, दोनों पक्षों की शक्ति समान है। मैं इस संघर्ष से ऊपर उठना चाहता हूँ। लेकिन जैसा कि बाइबिल में कहा है—'जिस घर में स्वयं ही फूट हो वह टिक नहीं सकता।' इसलिए मेरा ख्याल है कि मेरे लिये भी अधिक आशा नहीं है। किसी दिन मैं बीच में ही डूब जाऊँगा। दोनों पक्ष इस अलहदगी पर खुश होंगे। कुछ भी हो, आओ (अपना है‍ उठा लेता है) तुम्हें नैन्सी के पास वापस जाना है और जोश तथा मुझे कैन्टकी की मिस मेरी टॉड पर अच्छा प्रभाव डालना है। (दोनों को दरवाजे की ओर जाने का इशारा करता है और जैसे ही पर्दा गिरने लगता है वह भी पीछे-पीछे जाता है।)

चौथा दृश्य समाप्त

पाँचवां दृश्य

(लगभग ६ महीने बाद नवम्बर की एक शाम। स्प्रिंग फील्ड में एडवर्ड्स परिवार के घर का एक कमरा। दाईं ओर एक अँगीठी है। बाईं ओर एक खिड़की जिस पर पर्दा पड़ा है। पीछे की ओर एक दरवाजा है जो सामने के हाल में खुलता है। कमरा खूब सजा हुआ है। अँगीठी के पास आरामदेह कुर्सियां एक कोच, और पीछे की ओर एक मेज और कुर्सियां हैं। दीवारों पर परिवार के चित्र हैं। निनियन अपनी पत्नी एलिजबेथ के साथ बातें करता हुआ अंगीठी के सामने खड़ा है। एलिजबेथ आडम्बर-प्रिय महिला है। कह सकते है कि जरूरत से ज्यादा आडम्बर-प्रिय। इस समय वह कुछ उत्तेजित है।)

एलिजबेथ—मैं नहीं मान सकती। मेरी बहन इतनी नासमझ नहीं है।

निनियन—इसका यह मतलब तो नहीं कि वह नासमझ है। क्यों। मेरी एब्र को कई महीने से जानती है और उसे पहचानने का काफी अवसर उसे मिला है।

एलिजबेथ—वह बहुत बार हमारा मेहमान रहा है। लेकिन मेरी उससे कहीं अधिक ध्यान एडविन वेब, स्टीफन डगलस और दूसरे उन व्यक्तियों की ओर देती रही है, जो उसके पति होने के योग्य हैं।

निनियन—शायद, वह एब की योग्यता को तुमसे अधिक पहचानती है।

एलिजबेथ—नामुमकिन। मिस्टर लिंकन का सबसे बड़ा गुण यही है कि वह सीधासादा व्यक्ति अपना कुछ भी किसी से नहीं छिपाता। यह सच है कि वह बहुत ही खुश मिजाज है लेकिन एक पढ़ी लिखी, महत्वाकांक्षिणी नवयुवति के पति के रूप में.......।

निनियन—यही तो एलिजबेथ, मेरी महत्वाकांक्षिणी है इसलिए वह उससे शादी करने का निश्चय कर चुकी है।

एलिजबेथ—(तीखी नजर से देखती है। फिर हँसती है) तुम मजाक कर रहे हो, निनियन।

निनियन—नहीं एलिजबेथ। मैं तो केवल तुम्हें एक सदमे के लिए तैयार करने की कोशिश कर रहा हूँ। तुम समझती हो कि एब लिंकन, अँग्रेज भद्रपुरुष के कुल की एक सुन्दर और चतुर लड़की को जो कैन्टकी के बैंक के प्रधान की बेटी है, ऐसे सुन्दर उपहार को पाकर प्रसन्न होगा, तो मैं कह सकता हूँ कि तुम गलती पर हो। (मेरी टाड का प्रवेश। आयु २२ वर्ष। नाटी, सुन्दर और तेज। दरवाजे में रुकती है और शीघ्रता से पहले एलिजबेथ और फिर निनियन को देखती है।)

मेरी—तुम दोनों क्या बातें कर रहे हो ?

निनियन —मैं तुम्हारी बहन को उस नए गीत के बारे बता रहा हूँ जो लड़के गाया करते हैं। क्या तुम सुनोगी ?

मेरी—(तीखी मुस्कान) तुम बात बनाने में बहुत चतुर हो निनियन, लेकिन तुम मेरे बारे में बातें कर रहे थे। (एलिजबेथ की ओर देखती है। वह दृष्टि झुका लेती है।) क्यों ? कर रहे थे ना ?

एलिजबेथ —हां, हां, हम कर रहे थे। मेरी सच-सच बताओ क्या तुम......क्या तुमने एब लिंकन से शादी करने के बारे में एक क्षण के लिए भी गम्भीरता से सोचा है ? (मेरी दोनों को देखती है। उसकी आंखें चमकती हैं।) मैं कभी यकीन नहीं कर सकती। और......

मेरी —लेकिन निनियन ने यह भद्दा सवाल उठाया है। क्यों, नहीं उठाया। और हमें इसका तुरन्त जवाब देना चाहिए। हां, एलिजबेथ तुम जिस बात का जिक्र कर रही हो, उस पर मैंने काफी सोचा है और मैंने निश्चय कर लिया है कि मैं लिंकन की पत्नी बनूंगी। (बैठ जाती है निनियन कहने को होता है–देखा मैंने कहा था न। लेकिन कहता नहीं। क्षण भर के लिए एलिजबेथ बोल नहीं पाती।)

एलिजबेथ —क्या तुम आशा करती हो कि तुम्हारे इस चौंका देने वाले चुनाव के लिए मैं तुम्हारी प्रशंसा करूंगी।

मेरी —नहीं, मैं न प्रशंसा चाहती हूँ न निन्दा।

एलिजबेथ —(मुड़ कर) तब मैं कुछ नहीं कहूंगी।

निनियन —क्षमा करना मेरी। क्या उन महाशय को तुम्हारे निश्चय का पता है।

मेरी —(निनियन की ओर तनिक मुस्करा कर) अभी नहीं। लेकिन वे शाम को मिलने आ रहे हैं तब वह विनम्रता के साथ मुझसे शादी का प्रस्ताव करेंगे और मैं चकित होने का नाटक करने के बाद फुसफुसा कर कहूंगी—हां।

एलिजबेथ —(करुणा के साथ) तुम मजाक उड़ा रही हो लेकिन मुझे इस बात से सख्त सदमा पहुँचा है। समझ में नहीं आता क्या कहूं। लेकिन मैं तेरी बहन हूं, पिताजी और स्वर्गीया माताजी के प्रति तेरी सुख सुविधा के लिए जिम्मेदार हूँ। इसी नाते मैं तुझसे अनुरोध करती हूं, प्रार्थना करती हूं······

मेरी —मैं सच कहती हूँ एलिजबेथ, मुझसे प्रार्थना करने या मुझे आदेश देने से कोई लाभ नहीं। मैं निश्चय कर चुकी हूं।

निनियन —मैं तुम्हारे साहस की प्रशंसा करता हूँ मेरी, लेकिन चाहूंगा कि······

एलिजबेथ—मेरे विचार में यह मेरे और मेरी बहन के बीच का मामला है।

मेरी —नहीं। मैं निनियन की राय जानना चाहती हूँ।

(निनियन से) क्या बात है ?

निनियन —मैं तुमसे झगड़ा नहीं करूंगा प्रिये। एब के लिए मेरे मन में जो स्नेह है वह कभी नहीं मिट सकता। लेकिन मैं यह जानने को उत्सुक हूँ कि उसमें ऐसी क्या बात है, जो तुम उसे अपना पति बनाना चाहती हो।

मेरी — (पहली बार अनिश्चय का भाव प्रगट करती है) निनियन, मैं तुम्हें सीधा और साफ जवाब देना चाहूंगी पर दे नहीं सकती।

एलिजबेथ — (एकदम) बेशक ! तुम ऐसा नहीं कर सकतीं। तुम बिना सोचे समझे फैसला करने को उतावली हो उठी हो। तुम नहीं जानतीं कि तुम्हारी आने वाली जिन्दगी पर इसका क्या असर होगा।

मेरी —एलिजबेथ, तुम गलती पर हो। यह किसी मूर्खतापूर्ण वासना का परिणाम नहीं है। मैं मिस्टर लिंकन को किसी नावल या किसी कविता के हीरो की तरह पसन्द नहीं करती। मैं तो केवल यही अनुभव करती हूँ कि अपने तमाम परिचित लोगों में से मैं सबसे अधिक उन्हीं के भविष्य में भागीदार होना चाहती हूँ।

एलिजबेथ — क्या तुम इतना भी नहीं समझतीं कि तुम उसके साथ कभी भी सुखी नहीं रह सकोगी। उसका कुल........उसकी आदतें........उसका दृष्टिकोण........

मेरी — आम तौर पर सुखी-विवाहित जीवन से जो कुछ समझा जाता है उससे मैं सन्तुष्ट नहीं हो सकती। मैं आराम और सुरक्षा नहीं चाहती।

एलिजबेथ — तो क्या उस तरह की जिन्दगी पसन्द करती हो जो तुम्हें उसके साथ बितानी होगी। टूटा फूटा घर, नौकर नहीं, ऐसी पोशाक तक नहीं जो भले आदमियों के सामने पहनी जा सके।

मेरी — (स्वर ऊँचा करके) मैंने कभी गरीबी नहीं देखी इसलिए मैं कुछ नहीं कह सकती। लेकिन जब तक मुझे जोखम उठाने का अवसर मिलता रहता है, जब तक मैं जानती हूं कि मैं अपने पति के साथ उस राह पर आगे बढ़ रही हूं जो अज्ञात की ओर जाती है, तब तक मैं इस जिन्दगी को उस जिन्दगी से कहीं बढ़ कर पसन्द करूंगी जिसे मैं पहले से जानती हूं।

एलिजबेथ — तुम्हारा क्या ख्याल है कि तुम एब लिंकन जैसे सुस्त आदमी के साथ, जो राह में बार-बार लतीफे सुनाने को ठहर जाता है, कितनी दूर जा सकोगी।

मेरी — (गुस्से से) अगर मुझ में उसको चलाने की शक्ति है तो, वे नहीं रुकेंगे, और मुझ में वह शक्ति है। मैं जानती हूं कि तुम मुझसे क्या आशा करती हो। तुम चाहती हो कि मैं

के लिए, जिन्दगी को नए सांचे में ढालना चाहती हूं, क्या यह पागलपन है ?

परिचारिका — मिस्टर लिंकन आए हैं, मिस मेरी।

एलिजबेथ — वह यहां हैं।

मेरी — मैं उनसे मिलूंगी।

परिचारिका — मिस्टर लिंकन पधारिए।

(एब का प्रवेश) नया सूट पहना है। बालों में अच्छी तरह कंघी की गई है।)

एब — नमस्कार श्रीमती एडवर्ड्स, नमस्कार कुमारी टॉड, निनियन नमस्कार।

एलिजबेथ — नमस्कार।

मेरी — नमस्कार मिस्टर लिंकन। (अंगीठी के पास कोच पर बैठती है।)

निनियन — तुमसे मिलकर खुशी हुई एब।

(एब समझ जाता है कि वातावरण में तनाव है। लेकिन उस ओर ध्यान न देने की कोशिश करता है।)

एब — मुझे डर है, आने में कुछ देर हो गई। लेकिन एक पुराने मित्र से भेंट हो गई। उन जैक आर्मस्ट्रौंग की पत्नी से, जो न्यू सेलम में सबसे अच्छा योद्धा था। निनियन, तुम्हें तो उनकी याद होगी।

निनियन — (मुस्कराते हुए) बेशक ! अब वह क्या कर रहे हैं ?

एब — (अंगीठी के सामने खड़ा हो जाता है।) वह तो ठीक है लेकिन उसकी पत्नी हन्ना एक मुसीबत में फंस गई है। उसके लड़के डफ पर हत्या के अभियोग में मुकदमा चल रहा है। वह चाहती है कि मैं उसकी पैरवी करूं। वैसे वह मुझे दोषी जान पड़ता है। लेकिन क्या करूं पुरानी पहचान है। मुझे उसका मुकदमा हाथ में लेना ही होगा। और वह सब कुछ करना होगा जिससे न्याय न हो सके।

निनियन — (हंसता है) और लड़का छोड़ दिया जाएगा। एब, मैं तुमसे कहता हूं कि यदि तुम वकील लोग न रहो तो, देश में शान्ति हो जाए। लेकिन अगर तुम माफ करो तो मुझे और एलिजबेथ को बच्चों की प्रार्थना सुनने तथा उन्हें सुलाने जाना है।

एब — मुझे भी उनकी प्रार्थना सुन कर बड़ी खुशी होगी।

निनियन — जी नहीं। तुम तो उन्हें कहानियां सुनाओगे और सोने न दोगे। आओ एलिजबेथ। (एलिजबेथ जाना नहीं चाहती पर विवश है।)

एब — (एलिजबेथ से) मेरी ओर से उन्हें प्यार करना और रात की नमस्कार कहना।

निनियन — ना, ना, अच्छा है कि हम तुम्हारे यहां होने की बात ही उन्हें न बताएँ। नहीं तो वे सोएँगे नहीं।

एलिजबेथ — (अन्तिम प्रयत्न करती है) मेरी, क्या तुम हमारे साथ नहीं आओगी और बच्चों को सोने से पहले प्यार नहीं करोगी ?

निनियन — नहीं प्रिये, मेरी को यहीं एब्र के पास रहने दो। (एलिजबेथ को ले जाता है।)

मेरी — (कुछ हस कर) तुम्हें बच्चों के पास नहीं जाने दिया इसके लिए मैं निनियन को दोष नहीं दूगी। वे सब तुम्हें बहुत ही प्यार करते हैं।

एब — हां, मैं हमेशा ही बच्चों के साथ खूब निभा लेता हू। शायद इसलिए कि वे मुझे कभी भी गम्भीर आदमी नहीं मानते।

मेरी — नहीं, वास्तव में बात यह है कि तुम उन्हें समझते हो······लेकिन मिस्टर लिंकन बैठिए न। (अपने बराबर बैठने का इशारा करती है।)

एब — धन्यवाद, बैठता हूं। (मेरी के पास बैठने के लिए कोच की ओर बढ़ता है। मेरी उसे तरल नेत्रों से देखती है।)

पाँचवां दृश्य समाप्त

छठा दृश्य

(फिर वकील के दफ्तर में। पाँचवें दृश्य के कुछ सप्ताह बाद नए साल की तीसरी पहर। एब अपनी कुर्सी पर झुका हुआ बैठा है और डैस्क की ओर ताक रहा है। हैट और ओवरकोट पहने हुए है। जोश स्पीड मेज पर आधा बैठा हुआ है। वह एक पत्र बड़े ध्यान से पढ़ रहा है। पढ़ना समाप्त करके वह सावधानी से उसकी तह करता है और फिर फर्श की ओर ताकता है।)

एब — पढ़ लिया जोश।

जोश — हां एब।

एब — तो तुम्हारा क्या खयाल है, ठीक है।

जोश — नहीं एब, मैं ऐसा नहीं समझता।

(एब धीरे से मुड़ता है और उसकी ओर देखता है।)

मेरे विचार में इस पत्र को भेजना ठीक नहीं होगा।

एब — क्या मैंने अपनी बात ठीक ढंग से नहीं कही है ?

(एब निश्चय ही अप्रसन्न है लेकिन तटस्थ भाव से बोलने का प्रयत्न करता है।)

जोश — मुझे तुम्हारे शब्दों के चुनाव पर कोई आपत्ति नहीं, वे तो जरूरत से ज्यादा ठीक हैं। लेकिन तुम्हारे कहने का तरीका, उसमें कोई भावना नहीं। वह एकदम तुम्हारे अनुरूप नहीं है। मैं नहीं समझता कि ऐसा करने की बात तुम्हारे मन में आई कैसे।

एब – मैंने पहले भी एक स्त्री के साथ ऐसा ही किया था। मैं उसका बड़ा प्रशंसक था और उसने मेरे काम को पसन्द किया।

जोश — यह दूसरी तरह की महिला है। (वह खिड़की के पास जाता है फिर एब की ओर मुड़ता है।) शायद तुम इस बात को स्वीकार नहीं करते कि नारियां भी मानव है और हमारी तरह वे भी नाना प्रकार की हो सकती हैं। तुमने जिस नारी को यह पत्र लिखा है वह केवल तुम्हारे मस्तिष्क में रहती है। वास्तव में तुमने यह पत्र मेरी टॉड को नहीं लिखा, अपने आप को लिखा है। इसकी प्रत्येक लाइन में तुम अपने से ही क्षमा मांगते दिखाई देते हो।

एब — (उठते हुए निःशक भाव से) तो क्या मैं समझूं कि तुम मेरी ओर से इस पत्र को देने नहीं जाओगे ?

जोश — नहीं, मैं नहीं जाऊँगा।

एब — (क्रोध में) तब कोई और जाएगा।

जोश — (कटुता से) हां, तुम इसे पादरी साहब को दे सकते हो। जिस समय बारात गिरजाघर पहुँचेगी उस समय वह इस पत्र को वधु को दे देंगे। लेकिन मैं आशा करता हूँ एब, तुम इसे तब तक नही भेजोगे जब तक तुम्हारा मन शान्त नहीं हो जाता।

एब — (क्रोध में जोश की ओर मुड़ कर) लेकिन जब तक इस बात का फैसला नही हो जाता तब तक

मेरा मन कैसे शान्त हो सकता है। क्या तुम्हारे आँखें नहीं हैं। क्या तुम देख नहीं रहे कि मैं कितना परेशान हूँ।

जोश — यह सब मैं साफ देख रहा हूँ, एब। मेरे खयाल में तुम्हारी स्थिति उससे भी खराब है जैसी कि तुम कल्पना करते हो। मेरा विश्वास है कि तुम्हें अच्छे डाक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

एब — (बिली की टेबल पर बैठता है) मेरी मुसीबत का इलाज कोई डाक्टर नहीं कर सकता।

जोश — डाक्टर ड्रेक नाम का एक डाक्टर है जो तुम्हारे जैसी मानसिक अवस्था वाले व्यक्तियों का इलाज करने में दक्ष है।

एब — (दुखी होकर) तो तुम्हारा यह विचार है। मैंने वही किया है जो करने के लिए मैंने बहुत बार कहा। मैं पागल हो गया हूँ। खैर, तुम ठीक हो। मैं अनुभव करता हूँ कि मैं रस्से पर टँगा हुआ हूँ और मुझे उसे छोड़ कर कूद पड़ना चाहिए। लेकिन मैं कहाँ जा पड़ूंगा, यह मैं नही जानता। और मैं बचूगा भी या नही, यह भी मैं नहीं जानता। लेकिन यह अवश्य जानता हूँ कि मुझ इस स्थिति से मुक्ति पानी है, मुझे स्वतन्त्र होना है। (जोश खिड़की की ओर मुड़ता है। अचानक फिर एब की ओर मुड़ता है।)

जोश — निनियन एडवर्ड्स आ रहे हैं। क्यों न यह पत्र उनको दिखाया जाय और उनकी राय पूछी जाय।

एब — (टोकते हुए) नहीं, नहीं, इस बारे में उनसे एक शब्द भी न कहना। इस पत्र को रख दो। इस समय मैं इस बात पर उनसे चर्चा नहीं कर सकता। (जोश पत्र को जेब में रखता है और कोच की ओर आता है।)

जोश — हलो निनियन।

निनियन — (बाहर से ही पुकारता हुआ) हलो जोश, नया साल मुबारक। (निनियन का प्रवेश। उसने फर वाला ओवरकोट पहना है और चांदी की मूठ वाली दो बेंत लिए हुए है। एक थैली में है। उसे वह मेज पर रख देता है।) नया साल मुबारक एब। वास्तव में तुम्हारे जीवन का यह सबसे सुखद वर्ष है।

एब — धन्यवाद निनियन। तुम्हें भी नया साल मुबारक।

निनियन — (अपना कोट खोलते हुए) यह तो ऐसा नहीं लगता कि तुम मन से कह रहे हो। (अँगीठी के पास हाथ गर्म करने जाता है।) लेकिन खैर आज तुम्हें माफ किया जा सकता है। मेरा खयाल है कि आज तुम कुछ घबराए हुए हो। (हँसता है और जोश की ओर देखता है।) हे भगवान यह तो सब ठंडा है। क्या तुम स्टोव कभी नही जलाते ?

एब — आग जलाने का प्रबन्ध है, चाहो तो जला लो।

निनियन — (दियासलाई जला कर) आज तुम कुछ खुश नजर नहीं आ रहे हो। (अँगीठी जलाता है।)

जोश — एब की तबीयत ठीक नहीं है।

निनियन — ऐसा ही मालूम होता है। ऐसा लगता है जैसे श्मशान से लौटे हों।

एब — मैं वहीं तो गया था।

निनियन — (अविश्वास से) क्या! शादी के दिन मृत्यु-संस्कार।

जोश — आज सवेरे एब के सबसे पुराने मित्र बोलिंग ग्रीन को दफनाया गया है।

निनियन — (दुखी होकर) ओह, मुझे बहुत खेद है, एब। और मुझे आशा है कि इस अज्ञान के लिए तुम मुझे क्षमा कर दोगे।

एब — निश्चय ही निनियन। (सर्वत्र मौन।)

निनियन — अच्छा, एब मेरा खयाल है कि बोलिंग स्वयं सबसे पहले व्यक्ति होते जो, आज तुम्हें, अपनी और मेरी की प्रसन्नता के लिए, इस दुख को भूल जाने को कहते। मुझे इस बात का बहुत दुख है कि हमारे वह प्यारे मित्र दो भले व्यक्तियों की शादी देखने के लिए जीवित नहीं रहे। (वह शादी की तैयारी में प्रसन्नता का वातावरण बनाने की कोशिश करता है।) मैंने पादरी साहब के साथ सब प्रबन्ध कर लिया है। और एलिजबेथ सुन्दर भोज का प्रबन्ध कर रही है इसलिए तुम विश्वास कर सकते

हो कि सारा कार्यक्रम शानदार होगा और तुम्हें किसी प्रकार का कष्ट नहीं होगा।

(बिली हर्नेडन का प्रवेश। शराब पिए हुए है और एक बोतल जेब में है।) ओह, बिली ! नया वर्ष शुभ हो।

बिली — आपको भी मिस्टर एडवर्ड्‌स। (बोतल मेज पर रख देता है और अपना कोट उतारता है।)

निनियन — एब, मैं तुम्हारे लिए शादी का एक तोहफा लाया हूँ। जहाँ से मैंने अपना लिया था उसी लुईसविले से यह लाया हूँ। (एक बेंत उठा लेता है और गर्व के साथ एब को देता है। जो उसे लेकर बड़े ध्यान से देखता है।)

एब — निनियन, यह बहुत सुन्दर है। और इसके लिए धन्यवाद देता हूँ। (छड़ी लेकर डैस्क पर जाता है और बैठ जाता है।)

निनियन — मेरी चाहती है कि हमारा व्यक्तित्व प्रभावशाली हो। मैं स्वीकार करूँगा कि तुम्हारे लिए इसे लेते समय मैं मेरी की इसी इच्छा से प्रभावित था। और व्यक्तित्व के बारे में .... मुझे क्षमा करना, जाश और तुम भी बिली अगर मैं कुछ व्यक्तिगत बात कहूँ तो।

बिली — (लड़ने के लिए तैयार) अगर तुम चाहते हो कि मैं चला जाऊँ, तो मैं चला जाऊँगा।

निनियन — नहीं बिली, ।केवल एब के दूसरे मित्रों की

तरह एक-दो बातें कहना चाहता हूँ। शादी से पहले मेरा यह अन्तिम अवसर है। निश्चय ही इस बात से कि वधू मेरे परिवार की है, मेरा उत्तर-दायित्व बढ़ जाता है। (वह एव की ओर जाता है।) मैं इस विवाह को सफल देखना चाहता हूँ। और यह सफल होगा अगर तुम एक बात याद रखो कि तुम्हें सख्ती के साथ मेरी पर शासन करना है। मेरी पत्नी बताती है कि बचपन में भी उसके ऐसे ही शानदार विचार थे। उसने यह एलान कर दिया था कि मैं जिस व्यक्ति से शादी करूँगी वह अमेरिका का राष्ट्रपति होगा। (जोश की ओर मुड़ कर) तुम जानते हो इसका क्या अर्थ है। हर लड़का देश का राष्ट्रपति बनने की इच्छा करता है और हर लड़की उससे शादी करने की। (फिर एब की ओर मुड़ कर) लेकिन मेरी ने उन अल्हड़ विचारों को भुला नहीं दिया है। इसलिए मैं तुमसे कहता हूं कि सावधान रहना। उसे यह अवसर न देना कि वह तुम्हें महान और असम्भव काम करने की योजना बनाने को विवश कर दे। उसे उसी जीवन से सन्तुष्ट रहना सीखना चाहिए जो भगवान ने उसे दिया है। और इसके साथ ही मैं अपनी शादी की नसीहत समाप्त करूँगा। (अपने कोट के बटन लगाता है।) मैं आप सबको ५ बजे घर पर मिलूंगा। और आप से यह चाहता हूँ कि

आप अवश्य ही इस बात का ध्यान रखें कि एब सुन्दर दिखाई दे। ऐसा कि जैसा पहले कभी दिखाई नहीं दिया।

जोश — नमस्कार निनियन। (निनियन चला जाता है। एब डेस्क की ओर मुड़ता है और शून्य में ताकता है। बिली डैस्क में से एक बोतल और एक प्याला निकालता है और उसमें शराब डाल कर एब की ओर प्याले को उठाता है।)

बिली — मिस्टर लिंकन! आपके तथा उस महिला के स्वास्थ्य की कामनास्वरूप जो आपकी पत्नी होगी, मैं यह जाम पीता हूं। (एब कोई जवाब नहीं देता। बिली पीता है और प्याले को वापस मेज पर रख देता है।) मैं यह स्वीकार करूंगा कि जो कदम तुम उठाने जा रहे हो उसे मैंने पसन्द नहीं किया। मैं सोचता था कि तुम अपने को छोटा बना रहे हो। एक बड़े और शक्तिशाली परिवार से सम्बन्ध जोड़ने के लिए तुम अपनी प्रतिष्ठा का सौदा कर रहे हो। मुझे दुख है कि मैंने ऐसा सोचा।

एब — तुम्हें दुखी नहीं होना चाहिए बिली।

बिली — मुझे डर है कि मिस टॉड और मैं कभी दोस्त नहीं हो सकेंगे। लेकिन अब मैं सोचता हू कि हम दोनों के उद्देश्य एक ही हैं, विशेषकर जब से मैंने मिस्टर एडवर्ड्स को तुम्हें चेतावनी देते हुए सुना।

(उसके स्वर में कड़ुवाहट है) अगर वह स्त्री ही तुम्हें आगे बढ़ते देखना चाहती है और अगर वह तुम्हें आगे ले जाने से कभी नहीं रुकेगी तो, मैं कहना चाहूँगा कि भगवान उस पर कृपा करे और उसको वह शक्ति दे।

(जब वह यह सब कह रहा है। एब की पीठ उसकी ओर है। बिली प्याले में शराब उँडेलता है। बोतल लगभग खाली हो जाती है। एब उसकी ओर मुड़ता है।)

एब — क्या आज तुम यह तमाम बोतल पी गए।

बिली — यह बोतल ! हां पी गया।

जोश — पीते क्यों नहीं। आज नए साल का दिन जो है।

बिली — (जोश की ओर देखते हुए) धन्यवाद मिस्टर स्पीड, मेरी रक्षा करने के लिए धन्यवाद। मैं आशा करता हूँ कि आप मुझे अपनी एक और इच्छा प्रगट करने की आज्ञा देंगे। (एब की ओर एक कदम आगे बढ़ता है) अमरीका के राष्ट्रपति और श्रीमती लिंकन के लिए (पीता है।)

एब — (कटुता से) बिली ! बहुत हुआ हमें अब और इससे अधिक नहीं चाहिए।

बिली — बहुत अच्छा। विवाह संस्कार की समाप्ति तक यह आखिरी प्याला है। और उसके बाद निश्चय ही एडवर्ड्स-परिवार इससे अच्छी और कीमती शराब पेश करेगा। (बोतल को हिलाता है।)

चिन्ता मत करो, बड़े लोगों की उस पार्टी में मैं अच्छा बर्ताव करूँगा।

एब — यह शादी नहीं हो रही है। (बिली उसकी ओर ताकता है फिर जोश की ओर देखता है। फिर एब की ओर देखता है।) मेरे पास एक चिट्ठी है। मैं चाहता हूँ कि तुम उसे मिस टॉड को दे आओ।

बिली — कैसी चिट्ठी ? क्या है उसमें ?

एब — जोश, वह चिट्ठी इसे दे दो। (जोश जेब से वह पत्र निकाल कर अँगीठी में डाल देता है। एब उसकी ओर झपटता है।) तुम्हें ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं।

जोश — जानता हूँ कि मुझे अधिकार नहीं है लेकिन वह तो हो चुका।

(एब जोश की ओर दृष्टि गड़ाए हुए है)

मेरी ओर इस तरह न देखो जैसे मेरी गर्दन मरोड़ने की सोच रहे हो। बेशक तुम ऐसा कर सकते हो। लेकिन करोगे नहीं। (जोश बिली की ओर मुड़ता है) इस पत्र में मिस्टर लिंकन ने मिस टॉड से मुक्ति चाही थी। उसने मिस टॉड को लिखा कि उसने उसके प्रति अपना स्नेह प्रकट करके गलती की और उससे शादी करने का अर्थ होगा दोनों के लिए पीड़ा और कष्ट।

एब — (बहुत दुखी है) अगर यह सत्य नहीं है तो और क्या है ?

जोश — मैं सत्य पर वाद-विवाद नहीं कर रहा। मैं तो केवल यही कहना चाहता हूँ कि तुम एक पुरुष की तरह उसके सामने जाकर यही कह दो।

एब — यह तो और भी निर्दयता होगी। इससे उसे और भी अधिक कष्ट होगा। क्योंकि तब मैं वे सब भयंकर बातें जो इस पत्र में नहीं कह सका, कहे बिना न रह सकूंगा। (भावना के साथ) मुझे उसे यह बताना होगा कि उसमें दूसरों को हाँकने की जो यह प्रवृत्ति है उससे मैं नफरत करता हूँ। मैं नहीं चाहता कि कोई मुझ पर सवारी करे और मुझे आगे ही आगे, ऊपर ही ऊपर दौड़ता हुआ और कोड़े लगाता हुआ चले। अगर वह इतनी महत्वाकांक्षिणी है तो उसे स्टीफन डगलस से शादी करनी चाहिए। उसे भी इसी वस्तु की भूख है। मैं तो केवल अकेला रहना चाहता हूँ (बैठ जाता है और मेज पर झुक जाता है।)

जोश — (कटुता से) बहुत अच्छा। अब यह सब उससे कह दो। उसके सामने यह स्वीकार करना कि तुम उससे डरते हो अधिक पुरुषोचित होगा। बनिस्बत इसके कि तुम उसे पत्र में लिखो, कि तुम्हारे मन में उसके लिए जो उत्कट इच्छा थी वह अब ठंडी पड़ गई हे। (बिली अपने बोलने की राह देख रहा है। एक क्षण के मौन के बाद उसे यह अवसर मिलता है।)

बिली — क्या मैं कुछ कह सकता हूँ ?

एब — मुझे इस बात में शंका है कि तुम इस बात-चीत में योग देने की स्थिति में हो।

जोश — क्या बात है बिली।

बिली — (तैश में) बात यह है मिस्टर लिंकन कि तुम मिस मेरी टॉड के साथ विश्वासघात नहीं कर रहे हो। तुम तो केवल देवताओं को एक जीवित भेंट के रूप में उसका इस्तेमाल कर रहे हो। इस आशा के साथ कि अपना कर्त्तव्य पालन न करने के लिए तुम्हें क्षमा मिल जाएगी।

लिंकन — (जलता हुआ) हाँ, मेरा अपना महान कर्त्तव्य। हरेक व्यक्ति यह अनुभव करता है कि वह मुझे अवश्य इसकी याद दिलाए। लेकिन यह कोई नहीं बताता कि वह है क्या।

बिली — (लगभग रोते हुए) मैं बता सकता हूँ कि उस प्रत्येक व्यक्ति के जो अपने को अमरीकी कहता है, क्या कर्त्तव्य हैं। वे हैं उन सत्यों को जीवित रखना जो कभी स्वतः सिद्ध समझे जाते थे कि तमाम मनुष्य समान बनाए गए हैं, कि उनके अधिकार को उनसे छीना नहीं जा सकता, कि उन्हें जीने का, स्वतंत्र रहने का, और स्वतंत्रता प्राप्त करने का अधिकार भी है।

एब — (गुस्से में) क्या ये सब अधिकार मुझे नहीं मिले हैं।

बिली — क्या तुम कभी उन अधिकारों का प्रयोग कर सकते हो जब कि तुम जानते हो कि इस देश में तुम्हारे बीस लाख साथी गुलाम हैं। क्या तुम अपने डैस्क पर लगे हुए नक्शे को देख कर सन्तुष्ट रह सकते हो जबकि तुम जानते हो कि इन सितारों में से दस सितारे उन राज्यों के हैं जो संघ को नष्ट करने के लिए प्रस्तुत हैं। लेकिन रक्त मांस के उन दासों को सम्पत्ति का अधिकार नहीं देंगे। और भविष्य में होने वाले राज्यों के बारे में क्या कहा जा सकता है। प्रशान्त सागर की ओर पश्चिम के तमाम भू-भाग ! क्या वे स्वतन्त्र व्यक्तियों के प्रदेश होंगे ? मिस्टर लिंकन, क्या तुम इस प्रश्न के उत्तर से सन्तुष्ट हो। यह तुम्हारा झण्डा है मिस्टर लिंकन और तुम्हें इस पर गर्व है लेकिन तुम इसे टुकड़े टुकड़े हो जाने से बचाने के लिए क्या कर रहे हो ?

एब — (खड़ा हो जाता है। बिली की ओर देखता है और आवेग के साथ बोलता है।) मुझे अपने काम से काम है, यही मैं कर रहा हूँ। अगर दूसरे लोग भी ऐसा ही करें तो, संघ को कोई खतरा नहीं है और जहाँ तक दासता का सम्बन्ध है मैं उसके बारे में ये पवित्र बातें सुनता-सुनता परेशान हो गया। जब तुम्हें कानून का अधिक ज्ञान हो जाएगा तो तुम यह बात जान लोगे कि संविधान

स्वयं सम्पत्ति के वे अधिकार, जिनकी तुम चर्चा कर रहे हो, देता है। और अगर संघ संविधान के आधार पर खड़ा नहीं रह सकता तो, वह नष्ट हो जाय।

बिली—संविधान का नाश हो। यह जो जीवित व्यक्तियों के लिए स्वतन्त्रता के अधिकार का प्रश्न है और उनके अधिकार का प्रश्न है जो संविधान से पहले थे। जब कानून उन्हें यह अधिकार नहीं देता तो कानून गलत है। और उसे बदल देना चाहिए। अगर वह नैतिक प्रतिरोध से नहीं बदला जाता तो शक्ति से बदल देना चाहिए। स्वतन्त्रता के लिए जो कुछ भी किया जाए ठीक है। मुझे यह बताने का साहस मत करो कि इस दुनिया में कोई व्यक्ति इस बात को तुमसे अधिक जानता है। तुम तो 'एलिजा लव जॉय' और उस प्रत्येक व्यक्ति, की जिसने इन सिद्धान्तों के लिए प्राण दिए हैं, स्मृति का सम्मान करते हो।

एब—(उसकी ओर से मुंह फेरते हुए) हाँ मैं उनका आदर करता हूँ। क्योंकि वे यह विश्वास कर सकें कि उनके सिद्धान्त प्राण देने योग्य हैं। (जोश की ओर मुड़ता है और दर्द भरे स्वर में बोलता है) बहुत अच्छा जोश। मैं मेरी के पास जाऊंगा और उससे बातें करूंगा और फिर ....मैं जा रहा हूँ।

जोश—कहाँ एब ?

एब—(शिथिल होकर) मैं नहीं जानता। (चला जाता है और दरवाजा बन्द कर देता है। बिली रुकता है और फिर दरवाजे की ओर लपकता है, उसे खोलता है और एब को पुकारता है।)

बिली—मिस्टर लिंकन तुम भाग रहे हो। यह उतना ही सत्य है जितना यह कि स्वर्ग में भगवान हैं। वे जानते हैं कि तुम उसके प्रति और अपने देशवासियों के प्रति तथा अपनी आत्मा के प्रति अपने कर्तव्य से भाग रहे हो।

जोश—(बिली को दरवाजे से खींचता हुआ।) बिली; बिली उसे छोड़ दो वह बीमार है।

बिली—(मेज पर बैठते हुए) हम उसके लिए क्या कर सकते हैं मिस्टर स्पीड। (वह रो रहा है)

जोश—मैं कुछ नहीं जानता, बिली। (खिड़की के पास जाता है और बाहर देखता है।) उसकी मानसिक स्थिति ऐसी है कि वह बहुत देर तक बिल्कुल एकान्त में रहना चाहेगा। एन रटलेज की मृत्यु के बाद उसने ऐसा ही किया था। हम उसके लिए कुछ नहीं कर सकते, बिली। उसे स्वयं ही सब कुछ करना होगा।

बिली—(प्रार्थना के स्वर में) उस पर भगवान की छाया हो।

छठा दृश्य समाप्त

सातवां दृश्य

(न्यू सेलम के पास, छठे दृश्य के लगभग दो वर्ष बाद एक शीतल सन्ध्या। एक कैम्प फायर के चारों ओर बंधे हुए बंडल, कम्बल में बंधे हुए बिस्तरे और एक पुराना बक्स। एक टबदार गाड़ी खड़ी है जिसके पीछे का भाग दिखाई देता है। सेथगेल अपने सात वर्ष के बच्चे जिम्मी को गोद में लिए खड़ा है। बच्चा कम्बल में लिपटा है।)

जिम्मी—मैं आग के पास नहीं आना चाहता। मैं जल रहा हूँ पिताजी। क्या आप मेरा कम्बल नहीं उतारेंगे।

सेथ—नहीं बेटा! तुम्हें अपने को ढके रखना चाहिए।

जिम्मी—पिताजी, मुझे पानी चाहिए। क्या कुछ पानी नहीं मिल सकता।

सेथ—हाँ, चुप रहो जिम्मी, गोबी तुम्हारे लिए पानी ला रहा है। (वह दाहिनी ओर देखता है। जैक आर्मस्ट्रोंग आता हुआ दिखाई देता है।) हलो जैक, मुझे डर था कि तुम कहीं रास्ता न भूल गए हो।

जेक—(अन्दर आता हुआ) न्यू सेलम के आसपास मैं कहीं भी रास्ता नहीं भूल सकता। बच्चा कैसा है?

सेथ—वह.......पानी मांगता है। क्या एब तुम्हें मिला ?

जैक—हाँ, उसे ढूंढने में मुझे समय लग गया क्योंकि वह भटक रहा था। वह दरिया के पार, जहाँ एन रटलेज को दफनाया गया था, चला गया था।

सेथ—क्या वह यहां आ रहा है ?

जैक—वह डाक्टर चैंडलर को बुलाने गया है। वह कुछ ही देर में आ जाएगा (जिमि के पास जाता है।) जिम्मी कैसे हो ?

जिम्मी—मैं जल रहा हूँ।

(एगी का प्रवेश। जैक को देखती है।)

एगी—ओह ! मुझे खुशी है मिस्टर आर्मस्ट्रौंग, आप लौट आए।

जैक—श्रीमती गेल, डाक्टर शीघ्र ही आ रहा है।

एगी—भगवान का शुक्र है। सेथ, उसे गाड़ी में ले आओ। उसके लिए मैंने एक अच्छा सा नरम बिस्तर तैयार कर लिया है।

सेथ—जिम्मी सुनते हो, तुम्हारी मां ने तुम्हारे आराम से लेटने के लिए जगह तैयार कर ली है।

(एगी फिर गाड़ी में चली जाती है। सेथ जिम्मी को उसे दे देता है।)

जैक—उसकी हालत और भी खराब हो गई है। है न ?

सेथ—(निराशा से) हाँ, तुम्हारे जाने के बाद बुखार और भी भयानक हो गया। एब के आने पर

राहत मिलेगी। किसी को सान्त्वना देने के लिए वह हमेशा कोई न कोई रास्ता निकाल लेता है।

जैक—८-९ साल से तुम उससे नहीं मिले। जब मिलोगे तो तुम्हें ताज्जुब होगा। जब से वह स्प्रिंगफील्ड गया है, बहुत बदल गया है। वह बहुत ऊपर उठ गया था लेकिन कुछ दिनों से वह फिर बहुत नीचे उतर आया है। पहले की तरह वह अब खुशदिल नहीं रहा।

सेथ—मेरा ख्याल है कि हम सभी को बदलना पड़ेगा। (गोबे के लौटने की आवाज सुनकर वह खड़ा हो जाता है।) एगी ! (गोबी, एक नीग्रो, पानी की बाल्टी लिए आता है और एगी गाड़ी से बाहर आती है।) गोबी पानी ले आया !

गोबी—हां, मिस एगी यह लो। (वह उसे पानी दे देता है।)

एगी—धन्यवाद गोबे ! (वह फिर गाड़ी के अन्दर चली जाती है।)

गोबी—जिमी कैसा है, मिस्टर सेथ ?

सेथ—पहले जैसा ही है।

गोबी—(अपना सिर हिलाते हुए) खाना पकाने के लिए मैं कुछ और पानी ले आऊँ। (दूसरी बाल्टी उठाकर गोबी चला जाता है।)

सेथ—(जैक से) यात्रा के समय बच्चे का बीमार हो जाना बुरी बात है। यहाँ न कोई डाक्टर है और न उसकी देखभाल करने का कोई साधन।

है उसमें वह कोई रुचि नहीं लेता। क्या तुम्हारा ख्याल है कि मिस रटलेज उसको चाहती है?

नैन्सी — निश्चय ही वह चाहती है। एब के प्रति अपनी इन भावनाओं के कारण ही उसने मैक्नील को जो बचन दिया था उसे तोड़ दिया।

जोश — क्या एब उससे शादी करना चाहता है?

नैन्सी — संसार में यही तो एक बात है जो वह तुरन्त कर लेना चाहता है और जितनी जल्दी उन दोनों की शादी हो जाए उतना ही उन दोनों के लिए अच्छा है।

बोलिंग — (बैठते हुए) शायद एन के लिए बेहतर है लेकिन एब के लिए तो और भी बुरा होगा। एब का काम करने का अपना रास्ता है और एन उस रास्ते में बाधक होगी।

जोश — मेरा ख्याल है कि अगर एन एब को थोड़ी बहुत खुशी दे सके, जो उसे कभी नहीं मिली, तो कुछ बहुत बुरा नहीं होगा।

नैन्सी — (उठते हुए) यही तो बात है। एब के बारे में जितना तुम सोचते हो बोलिंग उतना ही मैं भी सोचती हूं। लेकिन हम इस बात से इन्कार नहीं कर सकते कि जिस काम में उसने हाथ डाला उसी में वह असफल रह गया। और अब एक वर्ष से वह विधान-सभा में है। लेकिन वहां कुछ नहीं कर सका। (वह किताबों की अल्मारी में अपने सीने की टोकरी रखने जाती है।)

एगी—आपसे भी मिलकर बड़ी खुशी हुई, मिस्टर लिंकन।

एब—डाक्टर चैंडलर घर पर नहीं थे। पता लगा है कि वह आधी रात को लौटेंगे तब जाकर उन्हें ले आऊँगा।

सेथ—एब, यह मित्रों जैसी बात होगी।

एब—श्रीमती गेल, मैं तुम्हारे लिए जो कुछ कर सकता हूँ, करने को तैयार हूँ।

एगी—अब तो एक ही बात है। आसपास कोई पादरी रहता है क्या?

सेथ—(परेशान होकर) पादरी।

एब—जैक, क्या तुम किसी को जानते हो?

जैक—नहीं। न्यू सेलम के आसपास बीस मील में अब कोई पादरी नहीं रहता।

एगी—मेरा ख्याल था कि अगर कोई हो तो उसे जिम्मी के लिए प्रार्थना कहने को बुला लिया जाय। (वह वापस गाड़ी में चली जाती है। सेथ आशंकित होकर उसकी ओर देखता है।)

सेथ—पादरी की जरूरत है। इसका अर्थ है कि उसे अब बहुत आशा नहीं है। है ना!

जैक—इससे शायद उसे कुछ शान्ति मिल सके।

एब—सेथ, क्या बच्चा बहुत बीमार है?

सेथ—हाँ, वह बहुत बीमार है।

जैक—एब, तुम्हीं प्रार्थना क्यों न कहो। तुम हमेशा कहने के लिए कुछ न कुछ सोच लेते हो।

एब — मेरा ख्याल है कि मुझे प्रार्थना कहनी नहीं आती। मैं ऐसी कोई बात नहीं सोच सकता जिससे किसी को आराम मिले।

सेथ — ठीक है, यह तो एगी का केवल एक विचार है। बैठ जाओ, एब।

एब — (गाड़ी की ओर देखते हुए) तो आखिर तुम्हारा स्वप्न पूरा हुआ। जिस बारे में हम दोनों बातें किया करते थे, तुम वही कर रहे हो। तुम घूम रहे हो।

सेथ — हां एब ! मेरीलैण्ड में बहुत भीड़ हो गई थी। शहर हमारे फार्म तक फैल गया था। इसलिए हम ऐसे प्रदेश में जा रहे हैं जहाँ बहुत जगह हो। लगभग चार महीने पहले मैंने तुम्हें अपनी इस यात्रा पर रवाना होने के बारे में लिखा था। मैं तुमसे यहां मिलना चाहता था। मैंने सोचा कि शायद तुम भी इस यात्रा में हमारे साथ सम्मिलित हो जाओ।

एब — तुम्हारा पत्र मेरे पास बहुत देर में पहुँचा, सेथ। मैं इंडियाना और कैंटकी के आसपास, जहां मैं रहता था, घूमता रहा। (सन्दूक पर बैठ जाता है) क्या तुम नेब्रास्का में बसना चाहोगे।

सेथ — नहीं, हम वहां नहीं रुकेंगे। हम लोग महाद्वीप के उस पार ओरेगन तक जा रहे हैं।

एब — (इस खबर से बहुत प्रभावित होता है।) ओरेगन ?

जैक — निश्चय ही आजकल प्रत्येक व्यक्ति वहीं जा रहा है।

सेथ — कैंजस में हम लोग ओरेगन जाने वाले दूसरे लोगों के साथ मिल जाएंगे। इस तरह मैदानों और पहाड़ों को पार करने के लिए हम सब साथ हो जाएंगे।

एब — जितनी दूर तुम जा रहे हो उसकी कल्पना भी की नहीं जा सकती।

सेथ — ऐसा करना मूर्खता जान पड़ता है। लेकिन हमने वहां की काली मिट्टी और अच्छे मौसम के बारे में बहुत कुछ सुना है।

जैक — एब, तुम भी इनके साथ क्यों नहीं चले जाते। पश्चिम प्रदेश बहुत तेजी से बसता जा रहा है। मुझे भी जैसे ही गाड़ी मिलेगी, चला जाऊंगा। उन्हें मेरे जैसे मजबूत पीठ वाले आदमी की जरूरत होगी और तुम्हारे जैसे दिमाग वालें आदमियों की भी, जो उन्हें यह बताएं कि शान्ति से कैसे रहा जाता है।

एब — (दूर देखते हुए) सुनने में यह बहुत अच्छा लगता है, इससे इन्कार नहीं किया जा सकता। यह भी हो सकता है कि मैं बहुत देर से भटक रहा होऊं ...(वह विषय बदल देता है।) सेथ, क्या तुम केवल तीन ही हो ?

सेथ — हां, तीन ही हैं। तीन हम और यह नीग्रो गोबी।

एब — क्या यह तुम्हारा गुलाम है ?

सेथ — गोबी ! कभी नहीं । वह तो स्वतन्त्र व्यक्ति है । मेरे पिताजी ने उसके पिता को २० साल पहले स्वतन्त्र कर दिया था । लेकिन हमें गोबी के बारे में बहुत सावधान रहना पड़ा । जहां से हम आ रहे हैं वहां के लोग दासता के बारे में बहुत अनिश्चित हैं । और बहुत से भले स्वतन्त्र नीग्रो वर्जिनिया में धकेल दिए जाते हैं । और इससे पहले किसी को पता लगे वे बेच दिए जाते हैं । और जब हम यह साबित करने के लिए कि वे स्वतन्त्र व्यक्ति हैं, अदालत में जाते हैं तो, कमीने वकील हमें परेशान करते हैं । इसलिए हम लोग इस यात्रा में इस स्वतन्त्र भू-भाग में ठहरे हुए हैं ।

एब — क्या तुम्हारा विचार है कि ओरेगन में वे स्वतन्त्र होंगे ?

सेथ — निश्चय ही वहां इन्हें स्वतन्त्रता होगी । होगी ही ।

एब — जी नहीं, वहां स्वतन्त्रता नहीं है । (कटुता से) वाशिंगटन के उन राजनीतिज्ञों के रहते हुए स्वतन्त्रता नहीं रह सकती, जो पश्चिम के समस्त प्रदेश को टुकड़े-टुकड़े करके दासता का व्यापार करने वालों को बेच रहे हैं ।

सेथ — उस प्रदेश को स्वतन्त्र होना ही है । अगर यह देश अपने ही नागरिकों की दासता से रक्षा करने में समर्थ नहीं होता तो, हम इससे अलग होकर कनाडा में जा मिलेंगे । या इससे अच्छा यह होगा

कि हम सुदूर पश्चिम में एक नया देश बसा लेंगे।

एब — (कटुता से) एक नया देश !

सेथ — क्यों नहीं।

एब — मुझे याद है कि मेन्टोर ग्रेहम ने एकबार मुझसे कहा था कि किसी दिन अमेरिका यूरोप के समान बहुत से अमित्र देशों में बंट सकता है।

सेथ — यही होने दो। जानते हो मैं इस देश को प्यार करता हूं और इसके लिए लडूंगा। और मैं यह भी समझता हूं कि अपनी जवानी के दिनों में जार्ज वाशिंगटन तथा दूसरे लोग इंगलैंड को प्यार करते थे और उसके लिए लड़े थे। लेकिन जब सरकार ने उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया तो वे उससे अलग हो जाने में जरा भी नहीं हिचके।

जैक — भगवान के लिए अगर एंडी जैक्सन ह्वाइट हाउस में वापस लौट आएं तो वह इन राजनीतिज्ञों के के पीछे कोड़े लेकर पड़ जाएंगे।

एब — अगर हमने तुम्हें, तुम्हारी पत्नी और बच्चे को खो दिया तो यह हमारे लिए बहुत बुरा होगा।

सेथ — (द्रवित होकर) मेरा बेटा। ओह, मैं बड़ी-बड़ी बातें कर रहा हूं लेकिन ये सब खोखली बातें हैं। अगर वह मर गया तो हम में और आगे जाने की बिल्कुल भी शक्ति नहीं रहेगी। उस भविष्य के लिए काम करने से क्या जब उसका लाभ उठाने

के लिए कोई भी न रहे। क्षमा करना एब ! लेकिन मैं डरता हूं।

एब — (उठता है) तुम्हें डरना नहीं चाहिए, सेथ। जानता हूं कि मुझे यह सब कहने का अधिकार नहीं है, क्योंकि मैं भी जीवन भर डरता ही रहा हूं। लेकिन इस समय तुम्हें देखकर और यह सोचकर कि तुम काम करने की कितनी बड़ी योजना बना रहे हो, मैं छोटा अनुभव कर रहा हूं। मुझे ऐसा लग रहा है कि मुझे भी तुम्हें और तुम्हारे जैसों को अमेरिका में रोक रखने के लिए कुछ न कुछ करना चाहिए। बढ़े जाओ, बढ़े जाओ, कोई भी चीज तुम्हें पराजित न कर सके। कभी भी तुम काम न छोड़ो। (एगी गाड़ी से बाहर आती है। वह डरी हुई है।)

एगी — सेथ !

सेथ — क्या बात है, एगी !

एगी — उसकी हालत बहुत खराब हो गई है। साँस नहीं ले सकता। (वह रो रही है। सेथ उसे अपनी बाहों में ले लेता है।)

सेथ — चिन्ता मत करो प्रिय, जब डाक्टर आएगा तो, उसे ठीक कर देगा। सब ठीक है, वह अच्छा हो जाएगा।

एब — अगर तुम चाहती हो मिसेज गेल, तो मैं प्रार्थना करूंगा। (सब उसकी ओर देखते हैं।)

जैक — यह बात हुई।

सेथ — तुम जो कुछ भी कहोगे उसके लिए हम कृतज्ञ होंगे ,एब ।

(एब अपना टोप उतार लेता है। जैसे ही वह बोलना शुरू करता है गोबी अन्दर आता है और सुनने के लिए खड़ा हो जाता है।)

एब — हे भगवान ! सब जीवित प्राणियों के पिता, मैं प्रार्थना करता हूं कि तुम उस छोटे से बच्चे को करुणा की दृष्टि से देखो, जो यहां उस टपदार गाड़ी में बीमार पड़ा है । उसके अपने लोग सुदूर की यात्रा कर रहे हैं, एक नया घर बसाने के लिए, तेरा काम करने के लिए, इस धरती को तेरे बच्चों के रहने योग्य जगह बनाने के लिए, वे जानते हैं कि वे कहां जा रहे हैं,वे रास्ते के खतरों का सामना करने से नहीं डरते । मैं विनम्रता से प्रार्थना करता हूं कि उनके बच्चे को मत छीनो । उसे जीवन की स्वतन्त्रता प्रदान करो । उसे मौत की कैद में मत भेजो । उससे इस धरती की खुशियां मत छीनो । उसे विस्तृत मैदानों, ऊंचे पहाड़ों, हरी भरी घाटियों और बड़ी-बड़ी नदियों को देखने दो । क्योंकि यह छोटा बच्चा एक अमरीकी है और ये तमाम चीजें उसी की हैं और वह इन सबका है । उसे बचाओ जिससे कि वह भी उन उद्देश्यों के लिए काम कर सके जिनके लिए इसके पूर्वजों ने इतनी ईमानदारी से और इतने

लम्बे समय तक परिश्रम किया है। उसे बख्श दो और उसे अपने पूर्वजों की शक्ति दो। हम सभी को हे भगवान, जो काम हमारे सामने है, उसको करने की शक्ति दो। मैं तेरे उस पुत्र के नाम पर जो इन्सानों को मुक्त करने के लिए क्रास पर झूल गया तुझ से इन सभी बातों की प्रार्थना करता हूं, आमीन।

गोबी — (सच्चे हृदय से) आमीन।

सेथ और एगी – (बुदबुदाते हुए) आमीन।

एब — (अपना टोप ओढ़ते हुए) आधी रात आ पहुंची है। मैं जाकर डाक्टर को लाता हूँ। (चला जाता है।)

सेथ — धन्यबाद एब !

एगी — धन्यवाद मिस्टर लिंकन, धन्यवाद।

गोबी — आप पर भगवान की कृपा हो, मिस्टर लिंकन ! (पर्दा धीरे-धीरे गिरता है।)

सातवां दृश्य समाप्त

आठवां दृश्य

(एडवर्ड्स परिवार के घर का एक कमरा। सातवें दृश्य के कुछ दिन बाद मेरी बैठी हुई पुस्तक पढ़ रही है। कई क्षण बाद परिचारिका अन्दर जाती है।)

परिचारिका — मिस मेरी ! मिस्टर लिंकन आये हैं।......

मेरी — मिस्टर लिंकन ! (क्षण भर अपनी भावनाओं पर विजय पाने के लिए बुत की तरह बैठी रहती है। उसके बाद पुस्तक बन्द करके उठती है।)

परिचारिका — क्या आप उनसे भेंट करेंगी मिस मेरी।

मेरी — हां, एक मिनट में। (परिचारिका चली जाती है। मेरी मुड़ती है। किताब कोच पर डाल देती है और भावनाओं पर विजय पाने के लिए संघर्ष करती है। अंगीठी के पास झुक जाती है और जैसे ही एब अन्दर प्रवेश करता है उसका सामना करने के लिए मुड़ती है।)

मेरी — आपको फिर देखकर बड़ी खुशी हुई मिस्टर लिंकन ! (लिंकन जो कुछ कहने के लिए आया है उसे कम से कम शब्दों में कह देने के लिए कृत-निश्चय है। मेरी शिष्ट होने का प्रयत्न कर रही है।)

एब — धन्यवाद मेरी ! तुम्हें आश्चर्य होगा कि मैं क्यों आया हूं।

मेरी — (तेजी से) मुझे विश्वास है कि निनियन के घर में आपका सदा स्वागत है।

एब — अन्तिम भेंट में मैंने जैसा व्यवहार किया था उसके बाद से मैं अपने लिए ही अच्छी संगति नहीं रह गया हूं।

मेरी — आप बहुत बीमार रहे हैं। जोशुवा स्पीड हमें आपके बारे में बराबर खबर देते रहे हैं। हम आपके लिए बहुत चिन्तित थे।

एब — तुम्हारी बहुत कृपा है।

मेरी — लेकिन अब आप बेहतर हैं। और अपने काम पर लौट जाएंगे। पद के लिए फिर से कोशिश करेंगे या...... आपकी योजना क्या है ?

एब — मेरी कोई योजना नहीं, मेरी। (वह अपनी तमाम इच्छा शक्ति को इकट्ठा करने की कोशिश करता है।) लेकिन मैं तुमसे यह कहना चाहता हूं कि मैं उन तमाम बातों के लिए बहुत दुखी हूं जो मैंने उस अशुभ अवसर पर कही थीं, जो हमारी शादी का दिन होने वाला था।

मेरी — उसके लिए आपको कुछ नहीं कहना चाहिए, मिस्टर लिंकन ! तब जो कुछ हुआ वह मेरा ही अपराध था।

एब — (चकित होकर) तुम्हारा अपराध। मुझे डर था...

मेरी — मैं अपने आत्म विश्वास से अन्धी हो गई थी। मैं ...... मैं तुमको प्यार करती थी। (स्वर भर्रा जाता है लेकिन बोलती रहती है।) और मुझे विश्वास था कि मैं तुम्हें भी विवश कर दूंगी कि तुम मुझ प्रेम करो। मैं विश्वास करती थी कि हमारी आत्माएं एक हो जाएंगी और मेरे दृढ़ निश्चय की ज्वाला तुम्हारे भीतर जलने लगेगी। तुम मनुष्य बनोगे, मनुष्यों के नेता बनोगे। लेकिन तुम यह सब नहीं चाहते। (मुड़ जाती है।) मैं जानती थी कि तुम्हारे अन्दर शक्ति है लेकिन यह नहीं जानती थी कि तुम उस शक्ति का प्रयोग उस शानदार भविष्य से, जो तुम्हारे आनन्द के लिए था, दूर भागने में करोगे।

एब — यह सत्य है मेरी, कि तुम एक दिन मुझमें वह विश्वास रखती थीं जिसके मैं योग्य नहीं था लेकिन आखिर अब समय आ गया है जब मैं उसके योग्य बनने के लिए काम करना चाहता हूँ। (मेरी तीव्रता से उसकी ओर देखती है।) जब मैंने तुम्हारे साथ वह लज्जाजनक व्यवहार किया तब मंने यह सोचा था कि हमारे रास्ते अलग-अलग हैं और वह कभी एक नहीं हो सकते। लेकिन अब मैं जान गया हूँ कि मैं गलती पर था। मैं विश्वास करता हूँ कि मेरा रास्ता तुम्हारा रास्ता है। अच्छे के लिए बुरे के लिए। मैं फिर विनम्र

प्रार्थना करता हूँ कि तुम मुझसे विवाह कर लो। मैं अच्छी तरह से यह अनुभव करता हूँ मेरी, कि फिर से मुझे अपनाने के लिए लोग तुम पर हँसेंगे।

मेरी — (गुस्से में) अगर मुझे इस बात का विश्वास हो जाए कि अन्ततः हम जीतेंगे तो मुझे इसका कोई डर नहीं है। लेकिन हम तब तक नहीं जीत सकते जब तक तुम स्वयं ही विश्वस्त नहीं होते। वह क्या बात है जिसने तुम्हारे मन और मस्तिष्क में यह परिवर्तन कर दिया।

एब — मैं अपने एक पुराने मित्र से मिला, जो अपनी पत्नी और पुत्र के साथ, एक टपदार गाड़ी में पश्चिम की ओर जा रहा था, उसने मुझे साथ चलने को कहा और मैं जाने ही वाला था (रुकता है और मुड़ता है। आवाज में दर्द है। फिर उसकी ओर मुड़ता है।) लेकिन तभी मुझे पता पता लगा कि वह राह, मेरी राह नहीं है। मेरी राह तो वही है जिस पर तुम चाहती थीं कि मैं चलूं।

मेरी — और तुम प्रतिज्ञा करोगे कि तुम फिर कभी उस राह से भागोगे नहीं।

एब — मैं प्रतिज्ञा करता हूँ मेरी, कि अगर तुम मुझे स्वीकार करोगी तो मैं......मैं........मैं अपने जीवन के शेष दिन वह काम करने में लगा दूंगा जो

ठीक है और जिसको मैं भगवान की कृपा से ठीक समझूगा। (मेरी उसकी ओर देखती है। जैसे उसको परखने की कोशिश कर रही हो। एक क्षण के लिए अनिश्चित रह कर वह उसे पीड़ा पहुँचाना चाहती है, लेकिन ऐसा कर नहीं पाती।)

मेरी — बहुत अच्छा, मै तुम्हारी पत्नी बनूगी और जब तक मृत्यु हमें अलग नहीं कर देती तुम्हारे साथ रह कर लडूगी। (उसकी ओर मुड़ती है और उसके दोनों हाथ अपने हाथ में ले लेती है।) एब, मैं तुम्हें प्यार करती हूँ। ओह, मैं तुम्हें प्यार करती हूँ। हम दोनों को चाहे कुछ भी हो जाए, लेकिन मैं तुम्हें प्यार करती हुई मरूंगी। (वह उसके कन्धे पर सिर रख कर रोने लगती है। एब उसे अपने दोनों हाथों में ले लेता है और उसके कन्धे पर से फर्श की ओर देखता रहता है। पर्दा गिरता है।)

दूसरा अंक समाप्त

तीसरा अंक

नवां दृश्य

(इलीनॉय के बाहर एक रंगमंच । १८५८ में ग्रीष्म ऋतु की एक सन्ध्या । रंगमंच के पृष्ठ में तीन कुर्सियां हैं । दाहिनी ओर जज स्टीफन ए डगलस बैठा है । बाईं ओर एब लिंकन बैठा है । अपना ऊंचा रेशमी हैट पहने हुए है और कागज के टुकड़े पर कभी-कभी कुछ लिखता है । बीच की कुर्सी निनियन के लिए है जो, अब मंच पर आगे को ओर है ।)

निनियन — हमने अभी इन दो व्यक्तियों से, जज स्टीफन ए० डगलस और मिस्टर अब्राहम लिंकन से जो, इलीनॉय से, अमरीका के सिनेटर के महत्वपूर्ण पद के लिये खड़े हुये है, उनके प्रमुख तर्क सुने । इलीनॉय के इन दो प्रमुख नागरिकों के बीच उन विषयों पर हुए अनेक वाद-विवादों के कारण, जो कि समस्त अमरीकियों के जीवन पर तथा हमारे देश के भविष्य के इतिहास पर असर डालते हैं, तमाम राष्ट्र की दृष्टि हमारे राज्य की ओर लगी हुई है । ऐसे विवादों में प्रचलित रीति के अनुसार वे दोनों व्यक्ति फिर बोलेंगे ।......जज डगलस (जज डगलस आगे आते हैं । निनियन बैठ जाता है । इस व्यक्ति को अपनी शक्तियों में विश्वास है ।)

डगलस — मेरे साथी नागरिको ! मेरे अच्छे मित्र मिस्टर लिंकन ने आपके सामने अपनी स्वाभाविक सरल मुस्कान और सहज हास-परिहास के साथ भाषण दिया है। उन्होंने अपने भाषण के एक भाग में, यदि राजनेता के रूप में न सही, एक मनुष्य के रूप में मेरी खूबियों का वर्णन किया है, उसके लिए मैं कृतज्ञ हूँ। लेकिन इस बात का विश्वास मत करो कि शुभेच्छा की जो भावना उन्होंने जानबूझ कर दिखाई है, वह उनकी सच्ची भावनाओं को प्रकट करती है। शेक्सपियर के ब्रूट्स की तरह मिस्टर लिंकन एक प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं लेकिन ब्रूट्स की तरह ही वह उस समय, जबकि मनुष्य इस बात की बिल्कुल आशा नहीं करता, उसके छुरा घोंपने की कला में भी सिद्धहस्त हैं। महानुभावो, मुझे देखो, मेरा शरीर घावों से भरा है और मैं फिर भी काम कर रहा हूँ। यह शायद इसलिए है कि मैं उस शक्तिशाली स्तम्भ का सहारा ले रहा हूँ जिसे सत्य कहते हैं। मिस्टर लिंकन अपने मजाकों से हंसाते हैं। उसके बाद वह दक्षिण के काले गुलाम मजदूरों की दर्दनाक स्थिति की तस्वीर खींचकर आपको रुलाते हैं। हमेशा ही दक्षता के साथ वह आपको सत्य के द्वार तक ले जाते है लेकिन उसके बाद जब आप उस द्वार में प्रवेश करने को होते हैं तो, आपका

यह कैसी स्वतन्त्रता है, यह कैसी समानता है। मिस्टर लिंकन बार बार 'लव जॉय' और दूसरे दासताविरोधी दलों के ये तर्क दोहराते हैं कि स्वतन्त्रता की घोषणा में सभी पुरुष स्वतन्त्र और समान हैं। इसलिए वह नीग्रों को भी समानता का अधिकार देते हैं। लेकिन हमारे देश के सबसे ऊंचे न्यायालय ने इस बात को स्पष्ट कहा है कि यह सत्य नहीं है। 'ड्रैड स्काट' के निर्णय के अनुसार नीग्रो छोटी जाति के सिद्ध हो चुके हैं, वे बड़ी जाति के दास हैं और इसलिए दूसरी सम्पत्तियों के समान ही एक सम्पत्ति हैं। लेकिन मिस्टर लिंकन सर्वोच्च न्यायालय की वैधानिक शक्ति को चुनौती देते हैं। यद्यपि उन्होंने कहा नहीं है लेकिन फिर भी वह यह विश्वास करते हैं कि 'ड्रैड स्काट' निर्णय अंन्यायपूर्ण था। और जनता को उसे नामन्जूर कर देना चाहिए। मिस्टर लिंकन एक वकील हैं इसलिए मैं मान लेता हूँ कि वे जानते हैं कि जब वह सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बारे में जनता के विश्वास को नष्ट करते हैं तो, वह विद्रोह भड़का रहे हैं। वह जनता की भावनाओं को उभाड़ रहे हैं जिससे वे कानून के स्थान पर शक्ति का उपयोग करें। वह भाई को भाई के विरुद्ध कर रहे हैं। इन सब बातों का एक ही परिणाम हो सकता है

राज्यों के बीच युद्ध। वह मुझसे चाहते हैं कि मैं ड्रैड स्काट के बारे में अपनी राय दूं। बिना किसी हिचक के मेरा उनको यह उत्तर है कि मैं सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को देश का कानून समझता हूँ और उसको मानता हूँ। मैं उन तमाम व्यक्तियों की मूर्खतापूर्ण बातों से तनिक भी प्रभावित नहीं हो सकता जो जातीय समानता के लिए चिल्लाते हैं और जो हमें नीग्रों के लिए राय देने को, उनके साथ खाने, सोने और शादी करने को कहते हैं। और मैं इससे भी आगे कहूंगा कि प्रत्येक राज्य को अपना काम देखना चाहिए, अपने पड़ोसी को अकेला छोड़ देना चाहिए। अगर हम इस सिद्धान्त को स्वीकार करेंगे तो मिस्टर लिंकन पाएंगे कि यह महान देश हमेशा के लिए स्वतन्त्र और दास राज्यों में बँटा होकर रह सकेगा और हम, जैसा कि करते रहे हैं, अपनी सम्पत्ति को, जनसंख्या को, शक्ति को बढ़ाते चले जा सकेंगे, तब तक जब तक कि हम संसार के लिए आतंक और प्रशंसा के पात्र नहीं बन जाते। (वह श्रोताओं की ओर गुस्से से ताकता है, उसके बाद मुड़ता है और माथे को पोंछता हुआ बैठ जाता है।)

निनियन — (उठते हुए) मिस्टर लिंकन। (एब अपने नोटों पर दृष्टि डालता है। हैट उतारता है और नोट

हैट में रख देता है। फिर धीरे से आगे बढ़ता है और भावनापूर्ण शान्त स्वर में बोलता है।)

एब — न्यायाधीश डगलस महोदय ने मेरे चाकू चलाने की कला की प्रशंसा की है। मैं उसके लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं। लेकिन मुझे यह भी स्वीकार करना चाहिए कि वह इस कला में मुझसे भी अधिक चतुर हैं। वह एक ही समय में दस चाकुओं को हवा में चमकता हुआ रख सकते हैं। सौभाग्य से वह इतने कुशल हैं कि एक भी चाकू न कभी गिरता है और न कभी किसी को कोई हानि पहुंचाता है। न्यायाधीश दक्षिण में दासता को स्वीकार कर रहे हैं और उत्तर में उसके प्रसार का विरोध कर रहे हैं। वह एक ही साँस में संघ और राज्यों के अधिकारों का समर्थन कर सकते हैं। इससे मुझे कैंटकी की उस औरत की याद आ जाती है जो एक दिन अपने घर से बाहर आई तो उसने पाया कि उसका पति एक भयानक रीछ से जूझ रहा है। रीछ जीत रहा था। पति ने अपनी पत्नी को पुकारा, 'भगवान के लिए मेरी सहायता करो।' पत्नी ने पूछा—'मैं क्या कर सकती हूं।' उसने कहा—'कम से कम तुम सहायता के कुछ शब्द तो कह ही सकती हो।' लेकिन पत्नी इस संघर्ष में कोई पक्ष लेना नहीं चाहती थी। इसलिए वह पुकार उठी—'लड़ो मेरे

पति, लड़ो रीछ। अब आपने जज महोदय को उन व्यक्तियों के बारे में चर्चा करते सुना जो नीग्रो के लिए वोट देने, उनके साथ खाने, शादी करने और सोने की सलाह देते हैं। मैं नहीं समझता कि उनका इशारा मेरी ओर है। अगर उनका अर्थ मुझ से था तो मैं कह सकता हूं कि यदि मैं एक नीग्रो औरत का दास बनाया जाना पसन्द नहीं करता तो, उसका यह अर्थ नहीं है कि मैं उसे पत्नी बनाना चाहता हूं। मुझे उसकी किसी रूप में भी आवश्यकता नहीं है। मैं उसे स्वतन्त्र छोड़ देना चाहता हूँ। कुछ बातों में वह निश्चय ही मेरे बराबर नहीं है जैसे कि मैं कुछ बातों में न्यायाधीश महोदय के बराबर नहीं हूँ। लेकिन अपने हाथों से बनाई गई रोटी को, बिना किसी से पूछे, खाने के स्वाभाविक अधिकार में वह मेरे बराबर है और सबके बराबर है। जहां तक नीग्रो के साथ सोने का सम्बन्ध है, जज महोदय को यह जानकर खुशी होगी कि दास राज्यों ने चार लाख से भी अधिक ऐसे बच्चे पैदा किए हैं जो वर्णशंकर हैं और मैं नहीं सोचता कि वे दास-प्रथा विरोधियों के बच्चे हैं। 'दास-प्रथा विरोधी' यह शब्द मुझे न्यू इंग्लैंड की याद दिलाते हैं जिसकी यहां अभी चर्चा की गई थी। मैं न्यायाधीश डगलस को यह

विश्वास दिलाता हूं कि मैं वहां गया था और मैंने उन जेलों को देखा जो फैक्टरी कहलाती हैं। और वहां काम करने वालों को शान्ति के साथ अन्धकार में घर जाते हुए भी देखा। उन फैक्टरियों में काले दासों द्वारा इकट्ठी की गई कपास से गोरे व्यक्तियों ने कपड़ा तैयार किया। उन गोरे व्यक्तियों को काले दासों से केवल ५० सैंट प्रतिदिन के हिसाब से अधिक मिलता है। अर्थात् उनमें और दासों में केवल ५० सेंट का अन्तर है। एक अमरीकी के रूप में मैं ऐसी स्थिति पर गर्व नहीं कर सकता। लेकिन एक अमरीकी के रूप में मैं पूछ सकता हूं कि उत्तर में हड़ताल करने वाले मजदूर क्या दक्षिण के मजदूरों से स्थान परिवर्तन करने को तैयार होंगे। एक अमरीकी के रूप में मैं यह भी कह सकता हूं कि भगवान का धन्यवाद है कि हम ऐसी स्थिति में रहते हैं जहां हमें हड़ताल करने का अधिकार है। मैं जनता को विद्रोह के लिए नहीं भड़का रहा। मुझे ऐसा करने की जरूरत ही नहीं है। यह देश उन्हीं लोगों का है, जो इसमें रहते हैं। जब वे वर्तमान सरकार से परेशान हो जाते हैं तो वे उसको बदल देने या पलट देने के अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। हमारे इस देश के पूर्वजों ने अगर हमें कुछ दिया है तो यही दिया है। और

मैं सर्वोच्च न्यायालय के प्रति प्रतिष्ठा की भावना को कम करने के लिए भी नहीं कहता। मैं तो केवल यही कहता हूँ कि इन्सानों के निर्णय अक्सर गलत होते हैं और सर्वोच्च न्यायालय में भी इन्सान ही हैं। जिनमें से अधिकतर दक्षिण की विशेष सुविधा प्राप्त श्रेणी के लोग हैं। 'ड्रेड स्काट' निर्णय का एकमात्र उद्देश्य संघ के तमाम राज्यों में नीग्रों को सम्पत्ति बनाना है। यह तो मानव अधिकार बनाम सम्पत्ति अधिकार का पुराना प्रश्न है। यह दो सिद्धान्तों के बीच हमेशा रहने वाला संघर्ष है। एक सीधी सादी मानवता का अधिकार है, दूसरा भगवान प्रदत्त बादशाहों का अधिकार। यह तो वही भावना है जिसके अनुसार कहा जाता है, 'तुम काम करो, रोटी कमाओ और मैं खाऊंगा।' चाहे ये शब्द उस बादशाह के मुंह से निकलते हैं जो अपनी जनता के परिश्रम के फल पर जीता है या उस जाति के मुख से निकलते हैं जो दूसरी जाति को गुलाम बनाना चाहती है। वही एक अन्यायपूर्ण सिद्धान्त है। एक राष्ट्र के रूप में हमने इस घोषणा से आरम्भ किया था, 'तमाम मनुष्य समान बनाए गए हैं।' स्वतन्त्रता की घोषणा में इस नियम के साथ किसी भी प्रकार के अपवाद का उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन अब हम वस्तुतः यही अर्थ लगाते

हैं कि नीग्रों के अतिरिक्त सब मनुष्य समान हैं। अगर हम इस सीख को स्वीकार कर लेते हैं तो, भविष्य में हमें यह घोषणा करने में क्या हिचक होगी कि नीग्रों, विदेशियों, विधर्मियों या केवल गरीब मनुष्यों के अतिरिक्त सब मनुष्य समान हैं। जो दासता का समर्थन करते हैं वे हमें इस निष्कर्ष की ओर ले जा रहे हैं। उत्तर और दक्षिण के बहुत से भले नागरिक न्यायाधीश महोदय के साथ सहमत हैं कि हमें बिना कोई परेशानी पैदा किए इस निष्कर्ष को स्वीकार कर लेना चाहिए कि प्रत्येक राज्य अपना काम देखें। अब यह सबसे सुरक्षित मार्ग है। लेकिन मेरी राय यही है कि सावधान रहो। जब तुमने अपने किसी भी साथी को दास बना दिया है, उसे मनुष्य से कुछ कम बना दिया है, उसे मनुष्य की प्रतिष्ठा के अधिकार से वंचित कर दिया है, उसे जानवरों की श्रेणी में डाल दिया है तो क्या तुम्हें इस बात का विश्वास है कि वह शैतान जिसे तुमने पैदा किया है तुम पर नहीं झपट पड़ेगा। और तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े नहीं कर डालेगा। जब तुम स्वतन्त्रता के अर्थ बदलना आरम्भ करते हो तो इस बारे में सावधान रहो कि इसका तुम पर भी क्या असर होगा। मैं युद्ध की सलाह नहीं दे रहा हूं। मैं इस समय और तब तक जब तक जीता हूं जो कुछ

करने की कोशिश कर रहा हूं वह यही है कि हमारे जनतत्र की जड़ में, जिसने हमें महान बनाया है और जो हमें और भी महान बना सकता है, जो खूबियां हैं उन्हें बार बार प्रगट करूं। मैं विश्वास करता हूँ कि ये खूबियां इस समय खतरे में हैं, केवल उन्हीं के कारण नहीं जो, ईमानदारी के साथ दासता में विश्वास करते हैं लेकिन उनके कारण और भी अधिक जो न्यायाधीश डगलस के साथ चिल्लाते हैं, 'इसे अकेला छोड़ दो'। यह पाप की ओर से आंख मूंदने की नीति है और मैं इस नीति से घृणा करता हूँ। मैं इससे घृणा करता हूँ क्योंकि दासता स्वयं एक अन्याय है। मैं इससे घृणा करता हूँ क्योंकि यह संसार में हमारे देश के प्रभाव को कमजोर करती है। यह हमारे स्वतन्त्र-संघ के दुश्मनों को हम पर हंसने में मदद देती है। स्वतन्त्रता के जो सच्चे मित्र हैं उनको हमारी सद्भावना में शंका करने का कारण देती है। और विशेष रूप से इसलिए क्योंकि यह हममें से बहुत से भले आदमियों को उन सत्यों से, जो हमारी नागरिक स्वतन्त्रता की नींव हैं खुले रूप में संघर्ष करने को विवश करती है। स्वतन्त्रता की घोषणा में विश्वास करने का अधिकार नहीं देती। इस बात पर जोर देती हैं कि स्वार्थ के अलावा काम करने का और कोई

सिद्धान्त उचित नहीं है। आज रात जज महोदय ने अपने अन्तिम शब्दों में यही कहा है कि हम संसार के लिए आतंक हो सकते हैं। मैं नहीं समझता कि हम ऐसा होना चाहते हैं। हम तो संसार का प्रकाश होना अधिक पसन्द करेंगे। लेकिन हम ऐसा प्रकाश तब तक नहीं हो सकते जब तक हम दुनिया को यह न दिखा दें कि हम एक राष्ट्र के रूप में जी सकते हैं और प्रगति कर सकते हैं। अगर ये राज्य एक होकर नहीं रह सके तो, निश्चय ही हम कुछ नहीं कर सकेंगे। एक भाग और दूसरा भाग, एक जाति और दूसरी जाति, एक श्रेणी और दूसरी श्रेणी के लिए स्वतन्त्रता के अर्थ में कोई भेद नहीं हो सकता। जिस घर में फूट है वह किसी का मुकाबला नहीं कर सकता। यह राज्य आधा गुलाम और आधा स्वतंत्र होकर नहीं रह सकता। (वह मुड़ता है और अपने स्थान पर जा बैठता है।)

(परदा गिरता है।)

नवाँ दृश्य समाप्त

दसवां दृश्य

(एडवर्डस परिवार के घर का एक कमरा। इसमें अब लिंकन परिवार रहता है। १८६० की बसन्त ऋतु के आरम्भ में एक दिन का तीसरा पहर। दाहिनी ओर कोच पर एब बैठा है। गोद में उसका सात साल का लड़का टैड है। ९ साल का दूसरा लड़का विली उसके पास बैठा है। सबसे बड़ा लड़का रोबर्ट जो हारवर्ड का एक १७ वर्ष का युवक विद्यार्थी है, खिड़की के पास बैठा है और बड़ी शान के साथ पाइप पी रहा है तथा वह कहानी सुन रहा है जो एब बच्चों को सुना रहा है। बाईं ओर जोशुआ स्पीड बैठा है।)

एब — टैड, तुम्हें याद रखना चाहिए कि तब तक सड़कें बहुत अच्छी नहीं थीं। वास्तव में वे पगडंडी मात्र थीं। अंधेरे में अपना रास्ता ढूंढने में बड़ी मुश्किल होती थी।

विली — क्या तुम्हें डर लगता था ?

एब — हाँ, डर लगता था। डर लगता था कि मैं रास्ता भटक जाऊँगा और लड़का मर जाएगा और यह सब मेरा अपराध होगा। लेकिन आखिर डाक्टर मिल गया और मैं तुरन्त उसे अपने साथ ले आया।

विली — क्या लड़का मर गया ?

एब — नहीं, मरा नहीं। लेकिन वह बहुत बीमार था। डाक्टर ने उसे ढेर सारी दवाएं दीं।

आने वाले तमाम महत्वपूर्ण विषयों को आसानी से समझने वाला हो और तुम्हारे असंख्य मित्र जो देश भर में फैले हुए है, यह विश्वास करते हैं कि तुम ही वह आदमी हो।

एब — मिस्टर स्टर्वेसन, कह सकता हूं कि जब न्यूसेलम में २५ वर्ष पहले मैंने राजनीति में प्रवेश करने का विचार किया था तो, मैंने अपने मित्रों को विश्वास दिलाया था कि मैं पुरातनपन्थी हूं, तब से लेकर आज तक किसी भी क्षेत्र में उन्नति न करके मैंने इस बात को प्रमाणित कर दिया है।

बैरक — (मुस्कराते हुए) तब आप हमसे सहमत हैं कि आप ही वह आदमी हैं जिसकी हमें जरूरत है।

एब — डाक्टर बैरक, मुझे डर है कि मैं अपनी इतनी प्रशंसा नहीं कर सकता। विशेषकर जबकि आप लोग मिस्टर सुअर्ड जैसे योग्य राजनेता और भद्र पुरुष को चुन सकते हैं। मैं विश्वास करता हूँ कि वह इसके लिए तैयार हैं और रजामंद भी।

स्टर्वेसन — ऐसा हो सकता है। लेकिन यह समझ लीजिए कि यह परीक्षा आपके बारे में निर्णय करने के लिए नहीं ली जा रही। हम तो केवल आपको और भी अच्छी तरह जानना चाहते हैं। हम तो अर्थशास्त्र, धर्म, राष्ट्रीय विषयों पर आपके विचारों को स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहते हैं। एक वाद-विवाद में सेनेटर डगलस ने उत्तर में

विली — लेकिन पिताजी, उसके बाद क्या हुआ ?

एब — कुछ नहीं। उसके बाद सब बहुत खुशी से रहे। अच्छा बच्चो, अब जाओ। (विली और टैड भाग जाते हैं।)

जोश — क्या समय है मेरी ?

मेरी — यही ४।। बजे हैं। (वह पर्दे पर से धुआँ झाड़ती है।)

जोश — साढ़े चार बज गए। एब, वे लोग कभी भी आ सकते हैं।

एब — (उठते हुए) हे भगवान !

मेरी — (तेजी से एब की ओर मुड़ते हुए) कौन लोग ?

एब — पूरब के कुछ लोग। उनमें से एक क्रिमिन नाम के राजनैतिक नेता हैं और एक मिस्टर स्टर्वसन हैं जो उद्योगपति हैं और......

मेरी — (प्रभावित होकर) हेनरी डी० स्टर्वसन।

एब — हां, वही हैं और बोस्टन के पादरी डाक्टर बेरक भी हैं।

मेरी — (तीव्रता से) वे यहां किसलिए आ रहे हैं ?

एब — ठीक तो नहीं जानता लेकिन मेरा ख्याल है कि वह यह देखने आ रहे हैं कि क्या मैं अमेरिका के राष्ट्रपति के पद के लिए खड़ा किए जाने योग्य उम्मेदवार हूं। (मेरी क्षण भर स्तम्भित रह जाती है।) मेरा ख्याल है कि वे इस बात का पता लगाना चाहते हैं कि क्या अब भी हम काठ

है और इसीलिए सबके लिए, मालिक और नौकर दोनों के लिए सच्ची प्रगति और सुधार की गुंजाइश है।

बैरक—मिस्टर लिंकन ! अन्यायी अधिकारियों के विरुद्ध लड़ने के मनुष्यों के अधिकार पर जोर देने का आपका जो उद्देश्य है, इससे हम सहमत हैं। लेकिन मैं यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हूँ कि क्या आप किसी ऐसी शक्ति में विश्वास रखते हैं जिसके प्रति आपकी भक्ति अडिग हो।

एब—आपका संकेत ईश्वर की ओर है ?

बैरक—जी हां।

एब—मेरे विचार में इस बारे में कभी शंका नहीं पैदा हुई कि मैं उसकी इच्छा के सामने नतमस्तक हूँ।

बैरक—मुझे भय है कि आप चर्च के प्रति भक्ति रखते हैं, इस बारे में बहुत शंका है।

एब—मैं भी यह बात अनुभव करता हूँ डाक्टर ! वे कहते हैं कि चूकि मैंने सदा चर्च का सदस्य होने से इन्कार किया है इसीलिए मैं ईश्वर में विश्वास नहीं करता।

बैरक—और आप इन्कार क्यों करते है ?

एब—किसी भी चर्च की पूजा की रीति मेरे अनुकूल नही है। विश्वास की उन लम्बी धाराओ को, जो उनकी श्रद्धा का कारण हैं, मैं ईमानदारी के साथ स्वीकार नहीं कर सका। लेकिन मैं वायदा करता हूँ डाक्टर

प्रयत्न नहीं किया कि शायद उस जीवन में जिसमें हम दोनों साझीदार हैं, मेरी भी कोई दिलचस्पी है ।

एब — मेरी, मैं अपने जूतों को साफ करने की कोशिश करूंगा । (वह बाहर चला जाता है । इस दर्दनाक दृश्य से दूर जाने में उसे खुशी है । मेरी उसे जाते हुए देखती है, वह अपने आंसू रोकना चाहती है, बैठ जाती है ।)

मेरी — जोशुवा स्पीड तुमने सब कुछ देख लिया है । जब उसने मुझे शादी करने को कहा था, उसका हृदय परिवर्तन, उसका फिर से पुरानी आदतों पर लौट आना और तब से हमारा यह साथ-साथ रहना, १८ साल के इस जीवन को तुमने रत्ती-रत्ती देखा है और दूसरे लोगों की तरह तुम भी शायद यही सोचते हो कि मैं तेज औरत हूँ और मैंने उसकी आत्मा को नष्ट करने की और उसको अपने स्तर पर खींच लाने की कोशिश की है......

जोश — (उठ कर पास आता है) नहीं मेरी, मैं ऐसा नहीं सोचता । याद रखो मैं एब को भी जानता हूँ ।

मेरी — एब की तरह और दूसरा आदमी नहीं हो सकता । मैंने संसार के महान व्यक्तियों के बारे में बहुत पढ़ा है और ऐसा लगता है उन्हें अपना मार्ग बनाने के लिए एक-एक इंच पर अपने दुश्मनों से और अपने दोस्तों के अविश्वास से संघर्ष करना

पड़ा है। लेकिन उसे कभी कुछ नहीं करना पड़ा। उसका कोई दुश्मन नहीं था और उसके प्रत्येक मित्र ने उसमें सदा पूर्ण विश्वास प्रगट किया। उससे मिलने से पहले भी मुझे यह बताया गया था कि उसका भविष्य महान है। और उससे मिलने के बाद पहले ही दिन मुझे स्वयं भी इस बात का विश्वास हो गया था लेकिन उसे नहीं था। और अगर छिपे-छिपे था भी तो वह उससे इतना डरता था कि उसने उस विश्वास से बचने क लिए, जो कुछ वह कर सकता था, किया। उसके मन पर कोई कविता छाई हुई थी, एक ऐसे पथरीले रास्ते के बारे में जो उसे महान दुख की ओर ले जाता है। और वही उसके जीवन का नियन्त्रण करती है। इन तमाम वर्षों में मैंने बार-बार कोशिश की कि वह इस बुरे स्वप्न से बाहर निकले लेकिन, मेरे तमाम प्रयत्न उन लहरों के समान व्यर्थ हो गए जो पहाड़ी चट्टान से टकराती रहती हैं। और आज वह अवसर स्वयं चलकर उसके पास आ रहा है। मैं क्या कर सकती हूँ। उसे इसे स्वीकार करना चाहिए। उसे यह मान लेना चाहिए कि वह इसी के लिए बना है। लेकिन वह मेरी बात नहीं सुनेगा। मैं थक गई हूँ, मेरे प्राणों पर आ बनी है। (आंसू बहने लगते हैं।) सोचा था कि मैं उसे वह कुछ बनाने में मदद

कर सकती हूँ, जो उसे होना चाहिए। लेकिन मैं कुछ नहीं कर सकी। केवल अपने को ही तोड़ सकी हूँ। (तेजी से रोती है। जोश उसके पास बैठ कर उसका हाथ अपने हाथ में ले लेता है।)

जोश — (कोमलता से) मैं जानता हूँ मेरी, लेकिन तुम्हें अपने को दोष देने का कोई कारण नहीं है। लिकन भगवान के हाथ में है। वही हम सबके भाग्य का विधाता है पागल लोगों के भाग्य का भी, पवित्र लोगों के भाग्य का भी। (एब वापस आता है।)

एब — (अपने जूतों को दिखाते हुए) मैं समझता हूँ मेरी, अब तो ये ठीक हैं। (मेरी की ओर देखता है जो अपनी भावनाओं पर काबू पाने के लिए कोशिश कर रही है।)

मेरी — तुम यहीं उन महानुभावों का स्वागत कर सकते हो। मैं खाने के कमरे में उनके लिए कुछ तैयार करने की कोशिश करूँगी। (बाहर चली जाती है। एब व्यग्रता से उसकी ओर देखता है। कुछ देर सन्नाटा रहता है। अन्त में एब बोलता है।)

एब — मेरा ख्याल है कि ये आदमी कुछ अधिक महत्वपूर्ण हैं।

जोश — उन तीन राज्यों के प्रतिनिधियों की बैठक में, जो सुअर्ड का पक्ष कमजोर कर सकते हैं, उनकी बात अन्तिम रूप से स्वीकार कर ली जाएगी।

एब — मान लो कि भगवान की कृपा से या किसी गलती से वे मेरे नाम का प्रस्ताव कर देते हैं तो, क्या तुम समझते हो कि मेरे जीतने की कोई आशा है ?

जोश — मेरी राय में तो बहुत आशा है। लड़ने के लिए चार उम्मेदवार मैदान में होंगे और किसी अनजाने विजेता के लिए रास्ता खुल जाएगा।

एब — लेकिन वह अनजान विजेता किसी गलत राह पर भी तो जा सकता है।

जोश — हाँ, तुम हमेशा ऐसा ही कर सकते हो। मैं जानता हूँ कि मैं तुम पर दो सेंट की भी बाजी नहीं लगाऊँगा।

एब — (मुस्कराता हुआ) यह बड़ी अजीब बात है कि तुम मेरे जैसे बूढ़े थके हुए घोड़े का घुड़ दौड़ के घोड़ों से मुकाबला करते हो। लेकिन मेरे ऊपर सवारी करने वाले कुछ सवार अवश्य शक्तिशाली थे जैसे मैन्टोर ग्रेहम, बोलिंग ग्रीन, बिल हर्नडन, तुम और सबसे अधिक मेरी।

जोश — (एब की ओर देखता है।) एब, अब वे तुम पर सवार नहीं हैं। उनका काम पूरा हो चुका है। अन्तिम दौड़ में जब तुम उस बेचारे डगलस के मुकाबले में दौड़ रहे थे तो, तुमने उन सबको उतार फेंका और तुम विद्युत की गति से दौड़ने लगे। अगर तुम एक बार फिर दौड़ने का निश्चय कर लोगे तो, मैं जानता हूँ कि तुम फिर ऐसा ही

करोगे लेकिन शायद तुम दौड़ने का निश्चय नहीं करोगे। (दरवाजे की घंटी बजती है। जोश उठता है।)

एब — शायद वे आ गए।

जोश — मैं जाता हूँ, शायद मेरी की कुछ मदद कर सकूं (वह दरवाजे की ओर आता है लेकिन मुड़ता है। एब को देखता है और धीरे से कहता है) एब, मैं तुम्हें केवल एक बात याद दिलाना चाहूँगा कि इस देश में लगभग ३ करोड़ व्यक्ति हैं, उनमें से अधिकतर तुम्हारे जैसे ही साधारण लोग हैं, वे बड़ी मुसीबत में हैं और एक ऐसे व्यक्ति की तलाश में हैं जो उन्हें समझ सके जैसे तुम समझते हो। इसलिए जब वे महानुभाव अन्दर आएं तो तुम उनके साथ अच्छे से अच्छा व्यवहार करने की कोशिश करना। (एब मुस्कराता है।) लेकिन मैं जानता हूं तुम मेरी सलाह नहीं मानोगे। (जोश जाता है। परिचारिका दरवाजा खोलती है और स्टर्वसन, बैरक तथा क्रिमिन अन्दर आते हैं। स्टर्वसन वृद्ध और धनवान हैं, बैरक पादरी है। वह विनम्रता और मर्यादा से बोलता है, क्रिमिन चतुर राजनीतिज्ञ है और अपने हास्य के लिए प्रसिद्ध है।)

एब — आइए महानुभाव, मिस्टर क्रिमिन आपसे फिर मिलकर बहुत खुशी हुई। (सब हाथ मिलाते हैं।)

क्रिमिन — कैसे हो मिस्टर लिंकन ! यह हैं बौस्टन के डाक्टर बैरक और फिलेडेल्फिया के मिस्टर स्टर्वसन ।

डाक्टर — मिस्टर लिंकन ।

स्टर्वसन — मिस्टर लिंकन आपसे मिलकर मैं गौरवान्वित हुआ ।

लिंकन — धन्यवाद श्रीमान । बैठ जाइए, महानुभावो ।

स्टर्वसन — धन्यवाद । (सब बैठ जाते हैं ।)

क्रिमिन — क्या श्रीमती लिंकन, मेरे तम्बाकू पीने पर सचमुच आपत्ति करेंगी ।

लिंकन — नहीं, नहीं, पीजिए। मुझे खेद है कि श्रीमती लिंकन आपका स्वागत करने के लिए यहां नहीं हैं, लेकिन वह शीघ्र ही आ जाएंगी । (बैठ जाता है ।)

बैरक — (गम्भीरता से) मुझे श्रीमती लिंकन से मिलने की बहुत उत्सुकता है क्योंकि मैं विश्वास करता हूं कि आपके जैसे मनुष्य के लिए नारी का महत्व बहुत अधिक है ।

एब — (मुस्कराता है और झुकता है ।) मैं समझता हूँ कि आप पश्चिम के असभ्य राजनीतिज्ञ और उसकी साथिन को उनके अपने निवास स्थान पर परखना चाहते हैं ।

स्टर्वसन — इसमें छिपाने की कोई बात नहीं। हमें एक उम्मेदवार की जरूरत है। ऐसे उम्मेदवार की जो ठोस, पुरातनपन्थी, विश्वसनीय और आन्दोलन में

आने वाले तमाम महत्वपूर्ण विषयों को आसानी से समझने वाला हो और तुम्हारे असंख्य मित्र जो देश भर में फैले हुए हैं, यह विश्वास करते हैं कि तुम ही वह आदमी हो।

एब — मिस्टर स्टर्वसन, कह सकता हूं कि जब न्यूसेलम में २५ वर्ष पहले मैंने राजनीति में प्रवेश करने का विचार किया था तो, मैंने अपने मित्रों को विश्वास दिलाया था कि मैं पुरातनपन्थी हूं, तब से लेकर आज तक किसी भी क्षेत्र में उन्नति न करके मैंने इस बात को प्रमाणित कर दिया है।

बैरक — (मुस्कराते हुए) तब आप हमसे सहमत हैं कि आप ही वह आदमी हैं जिसकी हमें जरूरत है।

एब — डाक्टर बैरक, मुझे डर है कि मैं अपनी इतनी प्रशंसा नहीं कर सकता। विशेषकर जबकि आप लोग मिस्टर सुअर्ड जैसे योग्य राजनेता और भद्र पुरुष को चुन सकते हैं। मैं विश्वास करता हूँ कि वह इसके लिए तैयार हैं और रजामंद भी।

स्टर्वसन — ऐसा हो सकता है। लेकिन यह समझ लीजिए कि यह परीक्षा आपके बारे में निर्णय करने के लिए नहीं ली जा रही। हम तो केवल आपको और भी अच्छी तरह जानना चाहते हैं। हम तो अर्थशास्त्र, धर्म, राष्ट्रीय विषयों पर आपके विचारों को स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहते हैं। एक वाद-विवाद में सेनेटर डगलस ने उत्तर में

काम करने वालों की हालत की चर्चा की थी। और आपने चतुरता से जबाब दिया कि दक्षिण के गुलाम.......

एब — जी हां, मुझे उस अवसर की याद है। मैंने जबाब दिया था कि शुक्र है कि स्वतन्त्र राज्य के मजदूरों को हड़ताल करने का अधिकार है, लेकिन वह कोई चतुराई की बात नहीं थी मिस्टर स्टर्वसन। वह तो एकदम सत्य था।

स्टर्वसन — इसी कारण आपको मजदूरों में बहुत से सहायक मिल गए। यह अच्छी बात है लेकिन इसके कारण मेरे जैसे व्यापारियों के मनों में कुछ डर भी पैदा हो गया है।

एब — तब जो कुछ कहा था उसमें मैं और कुछ नहीं जोड़ सकता। मुझको स्पष्ट दिखाई देता है कि यह राष्ट्र इस विश्वास पर खड़ा है कि मनुष्यों को विरोध करने का, आवश्यकता पड़ने पर अन्यायी अधिकारियों के विरुद्ध बल प्रयोग करने का अधिकार है। (बैरक की ओर मुड़ कर) बौस्टन टी पार्टी भी एक प्रकार की हड़ताल ही थी। स्वयं क्रान्ति भी ऐसी ही थी।

स्टर्वसन — यह एकदम सत्य है। लेकिन विद्रोह के दिन बीत चुके हैं। हमारे सामने औद्योगीकरण के फैलाव का प्रश्न है अर्थात् सब तरह के सामान के विशाल स्तर पर उत्पादन, रेल मार्ग और महा-

द्वीप में फैली हुई तारों की लाइनें, इन सबका निजी कम्पनियों द्वारा विकास होना है। इस महान कार्य में मिस्टर लिंकन, हमें स्वतन्त्रता और सुदृढ़ता की आवश्यकता है। आपसे हम स्पष्ट पूछना चाहते हैं कि अगर आप चुने गए तो क्या मजदूरों के हित पूंजीपतियों के हितों से ऊपर रखेंगे ?

एब — मैं इस प्रश्न का उत्तर स्पष्ट रूप से या किसी भी तरह नहीं दे सकता। मैं यह नहीं कह सकता कि चुने जाने के बाद मुझे क्या करना है।

स्टर्वसन — लेकिन आपको किसी न किसी ओर तो झुकना ही पड़ेगा.......

एब — मैं समझता हूँ मिस्टर स्टर्वसन ! आप जानते हैं कि मैं दासता का विरोधी हूँ।

बैरक — और हम न्यू इंग्लैंड के लोगों को आपके इस विरोध पर गर्व है। अपने दक्षिणी मित्रों की क्रूरता पर हमें बहुत ही दुख होता है।

एब — (बैरक से) दक्षिण में नीग्रो जिस प्रकार की दासता से पीड़ित हैं उसके अलावा भी दासता के अनेक रूप हैं। मैं उन सबका विरोधी हूँ। (वह फिर स्टर्वसन की ओर मुड़ता है) मेरा विश्वास है कि हमारी राज्य प्रणाली, जो न्याय और उदारता की प्रणाली है, जिसमें सबके लिए मार्ग खुला हुआ है, जिसमें सबके लिए आशा का स्थान

है और इसीलिए सबके लिए, मालिक और नौकर दोनों के लिए सच्ची प्रगति और सुधार की गुंजाइश है ।

बैरक—मिस्टर लिंकन ! अन्यायी अधिकारियों के विरुद्ध लड़ने के मनुष्यों के अधिकार पर जोर देने का आपका जो उद्देश्य है, इससे हम सहमत हैं। लेकिन मैं यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हूँ कि क्या आप किसी ऐसी शक्ति में विश्वास रखते हैं जिसके प्रति आपकी भक्ति अडिग हो ।

एब—आपका संकेत ईश्वर की ओर है ?

बैरक—जी हां ।

एब—मेरे विचार में इस बारे में कभी शंका नहीं पैदा हुई कि मैं उसकी इच्छा के सामने नतमस्तक हूँ ।

बैरक—मुझे भय है कि आप चर्च के प्रति भक्ति रखते हैं, इस बारे में बहुत शंका है ।

एब—मैं भी यह बात अनुभव करता हूँ डाक्टर ! वे कहते हैं कि चूकि मैंने सदा चर्च का सदस्य होने से इन्कार किया है इसीलिए मैं ईश्वर में विश्वास नहीं करता ।

बैरक—और आप इन्कार क्यों करते हैं ?

एब—किसी भी चर्च की पूजा की रीति मेरे अनुकूल नही है। विश्वास की उन लम्बी धाराओं को, जो उनकी श्रद्धा का कारण हैं, मैं ईमानदारी के साथ स्वीकार नहीं कर सका। लेकिन मैं वायदा करता हूँ डाक्टर

बैरक, कि मैं किसी भी समय, किसी भी चर्च में सम्मिलित हो सकता हूँ। अगर उसका सदस्य होने का अर्थ केवल ईश्वर के इस नियम का पालन करना है, 'प्रभु को प्यार करो। अपने ईश्वर को अपने सम्पूर्ण हृदय से और अपनी सम्पूर्ण आत्मा से और अपने सम्पूर्ण मन से अपने पड़ौसी को अपनी ही तरह प्यार करो! ...' लेकिन एक क्षण के लिए क्षमा कीजिए महानुभावो, मेरा विश्वास है कि श्रीमती लिंकन हमारे लिए कुछ तैयार कर रही हैं। मैं देखता हूँ कि क्या मैं उनकी कुछ सहायता कर सकता हूँ।

क्रिमिन — अवश्य, मिस्टर लिंकन।

(एब झुकता है और दरवाजा बन्द कर लेता है। क्रिमिन दरवाजे की ओर देखता है और फिर अपने साथियों की ओर मुड़ता है।)

क्रिमिन — तो......

बैरक — एक अनोखी बच्चों जैसी भावना—इस दृष्टि से देखें तो उसके सिद्धान्त बहुत ऊँचे हैं लेकिन इसमें कोई सन्देह नहीं कि यह व्यक्ति नास्तिक है।

स्टर्वसन — और वह सरकार की रीति-नीति में बड़े परिवर्तनों का हामी है।

क्रिमिन — क्षमा करें महानुभाव, अगर मैं आपकी बातों पर खूब हँसूं।

स्टर्वसन — तुम हँस सकते हो क्रिमिन लेकिन जिस तरह उसने

मेरे प्रश्न को टाल दिया उसे मैं पसन्द नहीं करता। मैं कहता हूँ कि उसके सिद्धान्त डगलस से अच्छे नहीं हैं। वह लोगों को भड़काता है।

क्रिमिन — निश्चय ही वह ऐसा करता है।

स्टर्वसन — वह विश्वस्त नहीं है।

क्रिमिन — विश्वस्त नहीं है, इसका क्या अर्थ ?

स्टर्वसन — जो कहता हूँ वही। जो व्यक्ति अपना सारा समय जनता का अनुग्रह पाने में खर्च करता है उसके मनोभाव भी जनता की तरह हो जाते हैं। वह अशान्ति का अध्यापक बन जाता है।

क्रिमिन — और सुअर्ड के बारे में क्या कहते हो ? अगर हम उसे चुनाव में खड़ा करते हैं तो वह तुरन्त ही दासों को मुक्त करने की मांग करेगा और उसके बाद अशान्ति फैल जायगी। मेरा विश्वास करो जब मैं यह कहता हूँ कि आर्थिक क्षेत्र में, धर्म क्षत्र में, सब कहीं लिंकन विश्वस्त है। आखिर वह ऐसी कौनसी महत्त्वपूर्ण विशेषता है जो हम उस आदमी में चाहते हैं जिसे हम चुनेंगे। वह यही तो कि वह चुनाव में जीत सके और यहाँ एक व्यक्ति है जो ऐसा कर सकता है। (मच के बाहर की ओर इशारा करता है।)

स्टर्वसन — (मुस्कराते हुए) मुझे तुम पर विश्वास करना चाहिए।

बैरक — हम सभी को इस बात का विश्वास करना चाहिए।

क्रिमिन — तब राय देने वालों की शाश्वत मूर्खता में विश्वास रखो। इसी बात के कारण उसको समर्थन मिलेगा। इस भद्दे मजदूर में आप एक बहुत ही संयत राजनीतिज्ञ को पाएँगे जिसने कभी किसानों की भीड़ को बेवकूफ बनाया है। आप कह सकते हैं कि उसने आपके प्रश्न को टाल दिया। निश्चय ही उसने ऐसा किया है और बड़ी कुशलता से किया है। आपने उससे मजदूरों की समस्या पर प्रश्न पूछे तो उसने जवाब दिया, 'मैं अपना शासन पद्धति में विश्वास करता हूँ।' धर्म पर उसके विचार पूछे। उसने कहा, 'अपने पड़ौसी को अपने समान प्यार करो।' आप जानते हैं कि आप में से कोई भी इस बात पर बहस नहीं कर सकता। मैं आपसे कहता हूँ महानुभावो! अगर कोई है तो यह व्यक्ति है जो राय बटोर सकता है। उसका नाम तक ठीक है, अब्राहम लिंकन, ईमानदार प्यारा एब। अब हम जो कुछ कहेंगे वही वह करेगा और जब हम उसे ह्वाइट हाउस में भेज देंगे तब भी वह वही करता रहेगा जो हम चाहेंगे।

बैरक — सावधान मिस्टर क्रिमिन। (एब लौट आता है।)

एब — महानुभावो! अगर आप खाने के कमरे में चलने की कृपा करें तो श्रीमती लिंकन आपकी सेवा में एक-एक प्याला चाय पेश करेंगी।

बैरक — धन्यवाद ।

स्टवंसन — अनुपम कृपा है। (बैरक द्वार की ओर मुड़ता है।)

एब — या शायद जो चाहें उनके लिए इससे कुछ अधिक तेज......(स्टवंसन और बैरक जाते हैं। क्रिमिन अपना पाइप रखने की जगह ढूंढ़ता है।)

एब — आप अपना पाइप अपने साथ ले चलिए, मिस्टर क्रिमिन ।

क्रिमिन — धन्यवाद, धन्यवाद। (वह एब की ओर देख कर मुस्कराता है। उसका हाथ पकड़ लेता है और दोनों बाहर चले जाते हैं। पर्दा गिर जाता है।)

दसवाँ दृश्य समाप्त

ग्यारहवां दृश्य

(इलिनॉय राजभवन में लिंकन के चुनाव आन्दोलन का कमरा। चुनाव का दिन ६ नवम्बर १८६० की सन्ध्या। बड़ा कमरा है। एक लम्बी खिड़की बरामदे में खुलती है जहां से सड़क दिखाई देती है। एक मेज पर अखबार और लेखों का ढेर है। बहुत सारी कुर्सियां पड़ी हैं। पृष्ठ भूमि में द्वार पर ३३ राज्यों की सूची चिपकी हुई है। प्रत्येक के सामने निर्वाचक मतों की संख्या दी गई है। और उसके सामने समाचारों के लिए जगह खाली है। इस सूची के सामने सीढ़ी रखी है जिससे आदमी सूची में सबसे ऊपर ऐलाबेमा और आर्केन्सा तक पहुंच सके। दीवार पर एक अमरीकी झंडा है और अमरीका का एक नक्शा जिस पर प्रत्येक राज्य लाल, सफेद या नीले झंडे से अंकित है।

एब मेज पर बैठा अखबारों के लेख पढ़ रहा है। उसने हैट और चश्मा पहना हुआ है। श्रीमती लिंकन उसके पास बैठी हैं। उनकी आँखें व्यग्रता से एब से लेकर द्वार पर टंगी सूची और नक्शे तक घूम रही हैं। उन्होंने अपना कोट और हैट पहना हुआ है। राबर्ट लिंकन उनके पास खड़ा नक्शे का अध्ययन कर रहा है। निनियन एडवर्डस मेज पर बैठा है और जोश स्पीड राज्यों की सूची के पास खड़ा है। दोनों सिगरेट पी रहे हैं। बाईं ओर का दरवाजा खुला हुआ है जिससे तार के यंत्रों की आवाज सुनाई दे रही है। खिड़की खुली हुई है और नीचे के मैदान से बैंड का संगीत तथा भीड़ की तालियाँ सुनी जा सकती हैं। यह भीड़ राजभवन की बाहरी दीवार पर लगाए जाने वाले उन

समाचारों को, जो चुनाव का रुख बताती हैं, देख रही हैं। समय-समय पर जैड नाम का टेलीग्राफ आपरेटर अन्दर आता है और प्रत्येक राज्य के सामने लिखे हुए अंकों को परिवर्तित कर देता है। फिल नाम का एक दूसरा आदमी बरामदे में खड़ा ह और जैड से अंक ले रहा है।

राबर्ट — नक्शे पर लगे हुए उन छोटे-छोटे झंडों का क्या अर्थ है ?

जोश — लाल का अर्थ है कि यह राज्य हमारे साथ है। सफेद का अर्थ है कि इसके बारे में सन्देह है और नीले का अर्थ है कि वहां कोई आशा नहीं। (जैड अन्दर आता है और इलीनॉय, मैरीलैण्ड तथा न्यूयार्क के सामने लिखे हुए अंकों को बदल देता है।)

निनियन — (उठ कर देखते हुए) लिंकन और डगलस इलिनॉय में बराबर हैं। (जोश और राबर्ट भी देखने के लिए जाते हैं।)

जोश — मैरीलैण्ड, ब्राकेनरिज और बेल के साथ है।

मेरी — न्यूयार्क किधर है ?

जैड — (खड़की के पास आकर) फिल, जब तुम्हें कोई समाचार नहीं मिलता, तब इस खिड़की को बन्द रखो। कुछ सुनाई नहीं देता।

फिल — बहुत अच्छा। लेकिन मुझे हर मिनट इसे खोलना होगा। (खिड़की बन्द कर लेता है।)

मेरी — न्यूयार्क का क्या हाल है ? (जैड जाता है।)

निनियन — डगलस १ लाख १७ हजार, लिंकन १ लाख ६ हजार ।

मेरी — (चिन्तित होकर एब से) एब ! न्यूयार्क में वह तुमसे जीत रहा है ।

जोश — अभी नहीं मेरी । डगलस का न्यूयार्क शहर में जीतना स्वाभाविक है ।

एब — (अखबार के एक लेख में रुचि लेते हुए) यह देखो न्यूयार्क हैरल्ड कहता है कि मैं अपने कुघड़ शरीर में कपटी आत्मा लिए फिरता हूं । (दूसरा लेख पढ़ना आरम्भ कर देता है ।)

निनियन — (बैठते हुए) अच्छा हो बाब, तुम रहोड द्वीप पर लाल के स्थान पर सफेद झंडा लगा दो । मुझे इसके बारे में सन्देह है । (राबर्ट झंडा पलट देता है ।)

मेरी — पेनसिलवेनिया में क्या दिखाई देता है निनियन ।

निनियन — उसके बारे में चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है । वह एब के लिए सुरक्षित है । वास्तव में तुम्हें बिल्कुल चिन्ता नहीं करनी चाहिए ।

मेरी — (ओठों को भींच कर) तुम शाम से बरावर यही कह रहे हो । लेकिन जब हर नई सूचना के अनुसार डगलस जीतता हुआ दिखाई देता है तब कोई चिन्ता किए बिना कैसे रह सकता है ।

जोश — लेकिन हर कहीं एब आगे बढ़ रहा है ।

निनियन — जरा न्यूयार्क में सब मत गिने जाने दो। तब तो तुम ह्वाइट हाउस की ओर जाती हुई दिखाई दोगी।

मेरी — ओह, यह काम जल्दी ही क्यों नहीं कर देते।

एब — (ध्यान न देते हुए) जल्दी ही सब आ जाएगा।
(बिली हर्नडन आता है। उसने पी रखी है लेकिन संयत है।)

बिली — यहाँ के लोगों से तो हम तंग आ गए। ये हर सूचना पर तालियां बजाते हैं। चाहे वह अच्छी हो या बुरी और वह जार्ज वाशिंगटन समेत प्रत्येक तस्वीर पर हर्ष प्रकट करते हैं।

जोश — यह तो स्वाभाविक है। वे सबको समान समझते हैं।

बिली — (एब से) बहुत से सम्वाददाता नीचे एकत्रित हैं। वे यह जानना चाहते हैं कि चुने जाने के बाद तुम्हारा पहला काम क्या होगा ?

एब — (अभी पढ़ रहा है।) उन्हें बता दो कि मैं दाढ़ी रखने की सोच रहा हूं।

जोश — दाढ़ी।

निनियन — (मुस्कराते हुए) तुम्हारे मन में यह विचार कैसे आया ?

एब — (दूसरा लेख उठाते हुए) अभी मुझे एक छोटी बच्ची का पत्र मिला था उसमें लिखा है कि

अधिक गौरवपूर्ण दिखाई देनेके लिए मुझे दाढ़ी रखनी चाहिए अगर चुना गया तो बस तुझे इसी की आवश्यकता है। (जैड नई सूचनाएं लेकर आता है। बिली, निनियन, जोश और राबर्ट सब जैड के चारों ओर इकट्ठे हो जाते हैं और उसे सूचना लगाते हुए देखते हैं।)

मेरी — अब वह क्या कहता है ? (जैड खिड़की पर जाता है और फिल को कुछ सूचनाएं देता है।) न्यूयार्क से कोई समाचार आया ?

निनियन — कनैटिकट में एब सबसे आगे है। मिजौरी में डगलस ३५ हजार, बैल ३३ हजार, ब्राकेनरिज १६ हजार, लिंकन ८..............(जब तक फिल खिड़की बन्द नहीं करता तब तक बाहर से तालियों का शोर आता रहता है। जैड बाईं ओर कार्यालय में जाता है।)

मेरी — ये किसलिए तालियां बजा रहे हैं ?

बिली — उन्हें कुछ पता नहीं।

एब — (दूसरा लेख लिए हुए) शिकागो टाइम्स कहता है, लिंकन का दिल उसका साथ नहीं देता, वाणी उसका साथ नहीं देती, पैर उसका साथ नहीं देते, वह सब कहीं असफल है। जनता उसे सहायता देने से इन्कार करती है। उस पर हंसती है।

जनता डगलस को चाहती है। (वह उस लेख को एक तरफ फेंक देता है।)

मेरी — (खड़ी होकर कांपती हुई वाणी में) मैं अब और अधिक नहीं सह सकती।

एब — हां प्रिये अच्छा हो, तुम घर चली जाओ। मैं बहुत शीघ्र आऊंगा।

मेरी — (रोती हुई) मैं घर नहीं जाऊंगी। तुम मुझे अपने से दूर करना चाहते हो। जब से हमारी शादी हुई है और उससे पहले से भी तुम यही काम करना चाह रहे हो। मुझे अपने से दूर हटा देना चाहते हो। क्योंकि मुझसे घृणा करते हो। (जोश, निनियन और बिली की ओर मुड़ती है।) तुम सब इसके दोस्त हो। तुम भी यही चाहते हो। तुम मुझसे नफरत करते हो। तुम चाहते हो कि मैं इसके जीवन में न आई होती, कभी न आई होती।

जोश — नहीं मेरी। (एब एकदम खड़ा हो जाता है। घबराया हुआ है और मेरी के साथ नम्रता का व्यवहार करने में असमर्थ है। तेजी से सबकी ओर देखता है।)

एब — क्या आप सब एक क्षण के लिए बाहर जाने की कृपा करेंगे ?

निनियन — निश्चय ही एब। (वह सबके साथ तार घर में चला जाता है। राबर्ट मां की ओर क्रुद्ध दृष्टि से देखता है। चला जाता है।)

एब — (जंगली जानवर की तरह मेरी की ओर घूरता हुआ) धिक्कार है, जनता के सामने मुझे और अपने आपको बेवकूफ बनाने का तुम कोई मौका नहीं चूकतीं। भगवान जानता है कि जब तुम अपने घर में ही इस तरह का व्यवहार करती हो तभी वह काफी बुरा है। लेकिन यहां लोगों के सामने...! तुम फिर ऐसा नहीं करोगी। सुनती हो, तुम्हें फिर ऐसा नहीं करना होगा। (मेरी इतनी हत्प्रभ हो जाती है कि क्रोध का स्थान भय ले लेता है।)

मेरी — (धीमा स्वर) एब, तुमने मुझे धिक्कारा है। तुम जानते हो तुमने क्या किया है। तुमने शाप दिया है। (एब उसे फिर धिक्कारने को होता है। लेकिन कोशिश करके अपने को संभाल लेता है।)

एब — (दबी हुई आवाज) मेरी, मुझे क्रोध आ गया, इसका मुझे खेद है। लेकिन अब भी मेरा यही विचार है कि यह सब सहने के बजाय तुम घर चली जाओ। (मेरी अविश्वास से उसे घूरती है। फिर मुड़ कर दरवाजे की ओर जाती है।

मेरी — (दरवाजे के पास आकर) जब मैं बच्ची थी और जब मैं उत्तेजित नवयुवती थी, और स्प्रिंगफील्ड के तमाम जिन्दादिल नवयुवक मुझसे शादी करना चाहते थे और...और मैं उनमें सबसे कम योग्य व्यक्ति के प्रेम में फंस गई तब मैंने इसी रात का

स्वप्न देखा था। आज की इसी रात में यह सुनने की राह देख रही हूं कि मेरा पति अमरीका का राष्ट्रपति बन गया है। अगर वह बन भी जाता है तो भी, मेरे लिए सब कुछ समाप्त हो चुका है। बहुत देर हो गई। (दरवाजा खोल-कर चली जाती है। एब एक क्षण उदासी के साथ उसकी ओर देखता है। फिर तेजी से मुड़ कर तारघर का दरवाजा खोलता है।)

एब — (पुकारते हुए) बौब, (राबर्ट अन्दर आता है।) अपनी मां के साथ जाओ।

राबर्ट — क्या मुझे जाना होगा ?

एब — हाँ जल्दी करो। जब तक मैं घर नहीं आता तब तक उसके साथ रहो। (राबर्ट जाता है। एब खिड़की की ओर मुड़ता है। फिल उसे खोलता है।)

फिल — क्या आपका विचार है कि आप चुन लिए जाएंगे, मिस्टर लिंकन !

एब — चिन्ता करने की कोई बात नहीं।

भीड़ — (गाते हुए) प्यारा एब, मैदानों से आया
मैदानों से आया, मैदानों से आया
प्यारा एब लिंकन मैदानों से आया
इलीनाय में आया..............

(सभी अन्दर आ जाते हैं। सूचनाएं लगाई जाती हैं। जैड चला जाता है।)

ननियन — चुनाव का रुझान अब तुम्हारी ओर है एब! न्यूयार्क के मत तुम्हें जिता देंगे। (एब कमरे में घूमता है। सब उसको देखते हैं।)

जोश — एब, क्या एक प्याला काफी लाऊं ?

एब — नहीं, धन्यवाद जोश।

निनियन — क्या तुम घबरा रहे हो एब ?

एब — नहीं, मैं तो केवल यही सोच रहा हूं कि अगर मैं हार गया तो, श्रीमती लिंकन को कितना दुख होगा।

निनियन — और मेरा क्या होगा। मैंने तुम्हारे ऊपर दस हजार डालर की बाजी लगाई है।

बिली — (गुस्से में) मुझे भय है कि राष्ट्र की क्षति इससे कहीं महान होगी।

जोश — एब, तुम कैसा अनुभव करते हो।

एब — (खिड़की के पास कुर्सी पर बैठते हुए) सोचता हूं कि मैं अपने जीवन में सबसे अधिक राहत अनुभव करूंगा। जैड सूचना लेकर आता है।

जैड — यह अन्तिम समाचार है। निनियन को देकर चला जाता है।

निनियन — (पढ़ता है) शाम को ९ बजे के बाद मिस्टर आगस्ट बैलमंड ने घोषणा की कि स्टीफन ए०

डगलस न्यूयार्क नगर में जीत गए और इसीलिए राज्यों में भी जीत गए।

बिली — मिस्टर बैलमंड भाड़ में जाएं। (क्रिमिन का तम्बाकू पीते हुए सन्तुष्ट भाव से प्रवेश।)

क्रिमिन — नमस्कार मिस्टर लिंकन। नमस्कार महानुभावो। आप सबको कैसा लग रहा है ?

निनियन — यह देखो, (क्रिमिन को समाचार देता है।)

क्रिमिन — (मुस्कराते हुए) बैलमंड अन्तिम क्षण तक लड़ेगा। मैं शिकागो गया था और वहां इस बारे में तनिक भी शंका नहीं है। वास्तव में मिस्टर लिंकन मैं आज रात यहां इसलिए आया हूं कि पद-लोलुपों से आपकी रक्षा करूं। वे नीचे राह देख रहे हैं। आते समय रास्ते में मैंने चार ऐसे व्यक्तियों को देखा जो ग्रेट ब्रिटेन में राजदूत होना चाहते हैं। ११ ऐसे हैं जो विदेश मन्त्री पद के लिए इच्छुक हैं।
(जैड कुछ और सूचनाएं लेकर आता है। और खिड़की के पास आकर फिल को देता है।)

बिली — सूची की ओर देखते हुए(न्यूयार्क से सूचना आई है कि डगलस १ लाख ८३ हजार, लिंकन १ लाख ८१ हजार। जैड चला जाता है।)

जोश — देखो एब, तुम लगभग बराबर हो।

क्रिमिन — मैं तो यही कह सकता हूं कि मेरे लिए यह एक नया अनुभव है।

बिली — (लड़ने के लिए तैयार) क्या आप इस समय अमरीका का राष्ट्रपति होना पसन्द करेंगे ? क्या आप पिछले कुछ दिनों से अखबार नहीं पढ़ रहे हैं।

क्रिमिन — क्यों नहीं। मैं समाचार पढ़ता रहता हूं।

बिली — (अतिशय क्रुद्ध होकर) क्या आप यह नहीं जानते कि दक्षिण कैरोलाइना में दस हजार व्यक्तियों की सेना तैयार की जा रही है। गवर्नर ने इस बात की घोषणा कर दी है कि अगर लिंकन की विजय हो गई तो उनका राज्य अलग हो जायगा और दक्षिण का प्रत्येक राज्य उनका साथ देगा। आप यह नहीं समझते कि इसका अर्थ क्या है। युद्ध, गृह युद्ध और वह इसके लिए उत्तरदायी है। वह, जिसने अपने जीवन में केवल शान्ति के साथ अकेला रहना ही चाहा है।

निनियन — शान्त हो जाओ, बिली। जाओ कुछ और शराब पी आओ।

(जैंड तेजी से अन्दर आता है।)

जैंड — मिस्टर एडवर्डस, यह लीजिए। (निनियन एडवर्डस को समाचार देता है, फिर तेजी से खिड़की पर जाकर फिल को देता है। निनियन पढ़ता है।)

निनियन — रात के साढ़े दस बजे न्यूयार्क हैरल्ड ने यह स्वीकार कर लिया कि न्यूयार्क राज्य में कम से कम २५ हजार वोट से मिस्टर लिंकन की जीत हुई और उन्होंने चुनाव जीत लिया। (सूचना पत्र को हवा में फैंकता है।) वह जीत गए, वह जीत गए। मंच पर सब चिल्लाते हैं। तालियां बजती हैं। एक दूसरे के गले में गलबाहियां डाल रहे हैं और थपथपाते हैं।

बिली — भगवान की महिमा है। भगवान की महिमा है।

क्रिमिन — मैं जानता था। मुझे इस बारे में कभी शंका नहीं हुई।

(जैड बरामदे में आकर कागज के बनाए हुए भौंपू में से चिल्लाता है।)

जैड — लिंकन चुन लिए गए। ईमानदार, प्रिय एब अब हमारे अगले राष्ट्रपति होंगे। (नीचे भीड़ बड़े जोर से हर्ष-ध्वनि करती है। एब लौटता है। सब उसे तेजी से घेर लेते हैं। बिली बोलने में असमर्थ हाथ मिलाता है।)

निनियन — तुम जीत गए एब, बधाई।

क्रिमिन — मेरी बधाई स्वीकार करो, श्रीमान राष्ट्रपति जी। यह हमारे लिए एक विराट सफलता है। (जैड अन्दर आता है और एब के पास जाता है।)

जैड — मेरी हार्दिक शुभकामनाएं, मिस्टर लिंकन !

एब — (गम्भीरता से) धन्यवाद । आप सबका बहुत बहुत धन्यवाद ।

जोश — (सबके अन्त में हाथ मिलाता है ।) मैं तुम्हें बधाई देता हूं, एब !

एब — धन्यवाद जोश ।

निनियन — इनकी बात सुनो एब । पागल की तरह चिल्लाती हुई भीड़ की बात सुनो लिंकन ।

क्रिमिन—यह सब आपके लिए है मिस्टर लिंकन ।

निनियन—एब तुम बाहर जाओ और उनको दर्शन दो ।

एब—नहीं, मैं वहां नहीं जाना चाहता । मैं समझता हूं मुझे मेरी को बताने के लिए घर जाना चाहिए । (वह दरवाजे की ओर मुड़ता है । एक ठिगना मोटा कैवैना नाम का अफसर अन्दर आता है । उसके पीछे दो सैनिक हैं ।)

क्रिमिन—यह कप्तान कैवैना हैं श्रीमान राष्ट्रपति जी ।

कैवैना—(अपनी टोपी छूते हुए) मिस्टर लिंकन, आपके जीत जाने की अवस्था में मुझे आपके साथ रहने को कहा गया था ।

एब—मैं कृतज्ञ हूं कप्तान । लेकिन मुझे आपकी आवश्यकता नहीं ।

कैवैना—मुझे डर है मिस्टर लिंकन । आपको हमें स्वीकार करना ही होगा । मैं डर पैदा करना नहीं चाहता ।

लेकिन मेरा ख्याल है कि आप भी जानते हैं कि आपको धमकियां दी गई हैं।

एब——(थका है) ओह, ठीक है। अच्छा नमस्कार जोश। निनियन, मिस्टर क्रिमिन, बिली, आप सबकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद।

(दरवाजे की ओर बढ़ता है। सब लोग शान्त भाव से नमस्कार करते हैं।)

कैवैना——एक मिनिट श्रीमान, आप आज्ञा दें तो पहले मैं जाऊंगा। (बाहर जाता है। एब उसके पीछे जाता है। दोनों सैनिक उनके पीछे जाते हैं। पर्दा गिरता है।)

ग्यारहवां दृश्य समाप्त

जाते हैं। तब बाईं ओर काफी हलचल मच जाती है। अधिकारी बड़े महत्वपूर्ण भाव से उनके पास आता है।)

अधिकारी — वहां पीछे ठहरो, सैनिको, भीड़ को पीछे रखो।

निनियन — मैं मिस्टर लिंकन का साढू हूं।

अधिकारी — आपका क्या नाम है ?

कैवैना — मैं इनको जानता हूं महोदय। ये श्रीमान और श्रीमती एडवर्डस हैं और ये श्री स्पीड और श्री हर्नडन इनके साथी हैं। मैं इन सबको जानता हूं। इनको आने दो।

अधिकारी — अच्छा इनको आने दो। (वे सब अन्दर आ जाते हैं। अधिकारी चला जाता है।)

क्रिमिन — आज राष्ट्रपति महोदय कैसा अनुभव कर रहे हैं ?

निनियन—वे सदा की तरह उदास हैं।

बिली—(भावुक होकर) वह कार्यालय में आए और जब मैंने कहा कि इस 'लिंकन हर्नडन' बोर्ड का क्या करूं? तो उन्होंने कहा, इसे यहीं टंगा रहने दो। प्रत्येक व्यक्ति को यह समझ लेने दो कि इस चुनाव का हम पर कोई असर नहीं पड़ा है। अगर जीवित रहा तो मैं किसी दिन वापस आऊंगा और हम फिर वकालत करेंगे ऐसे जैसे कि कुछ हुआ ही न हो।

एलिजबेथ--वह हमेशा यही कहते हैं कि अगर मैं जीवित रहा.........(बड़े जोर से हर्ष ध्वनि आरम्भ होती है। मंच के बाहर दाईं ओर और भी बढ़ती है। अधिकारी तेजी से आता है।)

अधिकारी--(कैवैना से) राष्ट्रपति महोदय आ गए हैं। (अपने आदमियों से) सावधान। (कार के पास बाईं ओर को देखता हुआ खड़ा हो जाता है।)

कैवैना--(निनियन और दूसरे व्यक्तियों से) क्या आप थोड़ा सा पीछे हटेंगे ? हम यह स्थान राष्ट्रपति महोदय के दल के लिए खाली रखना चाहते हैं। (वे दाईं ओर घूम जाते हैं। हर्ष ध्वनि अब बहुत तेज है।)

अधिकारी--सलामी दो। (सैनिक ऐसा ही करते हैं। एब बाईं ओर से आता है। कल वह ५२ वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने दाढ़ी रख ली है। अपने दाहने हाथ में टाट का थैला लिए हुए हैं। बाएं हाथ से टैड को पकड़े हुए हैं। मेरी, राबर्ट, बिली और परिचारिका पीछे-पीछे हैं। मेरी के अतिरिक्त सबके हाथ में थैले हैं। वह गुलदस्ते लिए हुये है। जब वे कार के पास आते हैं तो एब अपना थैला संचालक को दे देता है और फिर टैड को ऊपर उठाता है। सब लोग चढ़ जाते हैं और एब, निनियन तथा उसके दल के साथ बातें करने के

बारहवां दृश्य

(११ फरवरी १८६१। स्प्रिंगफील्ड रेलवे स्टेशन का सहन। दाईं ओर एक रेल रोड कार का पिछला भाग दिखाई देता है। उस पर झंडे लहरा रहे हैं। सैनिक बन्दूक लिए रक्षा के लिए तैयार हैं लेकिन वे आराम से खड़े हुए हैं। एक बहुत बड़ी भीड़ दिखाई दे रही है और उनकी उत्तेजित फुस्फुसाहट सुनी जा सकती है। एक व्यक्ति कार के पहियों की जांच कर रहा है, दूसरा रेलवे लाइन को साफ कर रहा है। कैवेना घबराया और तम्बाकू पीता हुआ घूम रहा है। वह अपनी घड़ी की ओर देखता है। रंगमंच पर एक सैनिक अधिकारी का प्रवेश।)

अधिकारी—वहां पंक्ति-बद्ध खड़े हो जाने के लिए तैयार हो जाओ। (वह कार के पीछे की ओर संकेत करता है और फिर गर्व के साथ कैवैना से कहता है।) मिस्टर कैवैना, आप घबराए हुए दिखाई देते हैं।

कैवैना—हां, मैं घबराया हुआ हूं। मैं तीन महीने से एक ऐसे आदमी के जीवन की रक्षा कर रहा हूं जिसे इस बात की बिल्कुल भी चिन्ता नहीं है कि उसके साथ क्या हो सकता है। आज मैंने सुना है कि रिचमंड में इस बात की बाजी लगी हुई

है कि वे ४ मार्च को कार्यभार संभालने के लिए जीवित नहीं रहेंगे ।

अधिकारी—मैं भी बाजी लगाना चाहता हूं। मेरे आदमी राष्ट्रपति के जीवन की रक्षा करने के लिए बहुत अच्छी तरह से तैयार हैं ।

कैवैना—मैं यही आशा करता हूं लेकिन दक्षिण वाले गोली चलाना जानते हैं, मेरा सुझाव है कि आप अपने आदमियों को यह आज्ञा दें कि वे कार की हर खिड़की से देखते रहें, विशेषकर उस समय जब किसी कस्बे में या कहीं और गाड़ी ठहरे। और अगर रास्ते में कहीं भी खतरे की घण्टी बजे ।

अधिकारी — (इस सलाह को पसन्द नहीं करता ।) चाहे कुछ भी क्यों न हो, मुझे अपने आदमियों को बहादुरी दिखाने के लिए कहने की आवश्यता नहीं है ।

कैवैना—निश्चय ही नहीं है लेकिन हमको हर बात के लिए पहले से ही तैयार रहना चाहिए । (वाद्ययन्त्र आन्दोलन के समय का यह गीत शुरू कर देते हैं : प्यारा एब लिंकन मैदानों से आया, भीड़ गाना शुरू कर देती है । एक ट्रेन संचालक कार से बाहर आता है और अपनी घड़ी देखता है । जैसे ही निनियन और एलिजबेथ एडवर्डस और जोश, बिली और क्रिमिन अन्दर आते हैं सैनिकों द्वारा रोक लिए

लिए उनकी ओर जाते हैं। भीड़ आगे बढ़ना चाहती है।)

अधिकारी——(तेजी से आगे बढ़ते हुए) उनको पीछे रखो, सैनिको उनको पीछे रखो। (सैनिक भीड़ के सामने पंक्ति में खड़े हैं। कैवैना और उसके आदमी एब के बिल्कुल पास हैं। हरेक अपनी बन्दूक संभाले हुए है और बड़े गौर से जनता को देख रहा है।)

कैवैना——राष्ट्रपति महोदय, अच्छा हो, आप ट्रेन में चले जाएं। (एब ऊपर चढ़ जाते हैं और कार के पीछे जनता के सामने खड़े हो जाते हैं। जनता जब उन्हें देखती है तो बड़े जोर से हर्षध्वनि करती है। भीड़ चिल्लाती है। भाषण, भाषण, एब हमें एक भाषण दो। भाषण दो राष्ट्रपति महोदय... प्यारा एब, हिप हिप हुर्रे, हिप हिप हुर्रे, हिप हिप हुर्रे। एब अपना हैट उतार कर हिलाता है। हर्ष-ध्वनि बन्द हो जाती है।)

निनियन——वे चाहते हैं कि आप कुछ बोलें। (एक क्षण के लिए एब बाईं ओर देखता है और मूर्तिवत् देखता रहता है।)

एब——मेरे प्यारे मित्रो ! मुझे आपको नमस्कार कहना है। अपनी नई दाढ़ी के साथ वाशिंगटन जा रहा हूं। आशा है आप इसे पसन्द करते हैं। (भीड़

हंसती है और चिल्लाती है—प्यारा एब, भोला एब। भीड़ आगे बढ़ती है। सैनिक चिल्लाते हैं—पीछे हटो, पीछे हटो, पीछे खड़े हो जाओ, पीछे रुक जाओ।)

एब—(अधिकारी से) ठीक है, उन्हें आने दो। वह सब मेरे प्यारे दोस्त हैं। (अधिकारी अपने आदमियों को पीछे हटने देता है जिससे वे कार के पीछे की ओर घेरा डाल लें। और कैवैना तथा उसके आदमी देखभाल के लिए कार की पैड़ियों पर खड़े हो जाते हैं। रंगमंच भीड़ से भर जाता है।) मेरी स्थिति में आए बिना, कोई भी व्यक्ति विदा के समय पैदा होने वाले दुख से भरे भावों को नहीं समझ सकता। मुझे जो कुछ मिला है वह सब आपकी और इस स्थान की कृपा का परिणाम है। मैं यहाँ २५ वर्ष रहा हूं और नवयुवक से बूढ़ा हो गया हूं। मेरे बच्चे यहीं पैदा हुए हैं और एक तो यहां अन्तिम नींद सो रहा है। अब मैं जा रहा हूं। नहीं जानता कब लौटूंगा या कभी लौटूंगा भी। मैं ऐसे समय में अमरीका का राष्ट्रपति हो रहा हूं जबकि ११ राज्यों ने संघ से अलग होने की इच्छा की घोषणा कर दी है। जब प्रतिदिन युद्ध की धमकियां बढ़ती जा रही हैं, मेरे सामने एक दुखभरा कर्त्तव्य है। उसके लिए तैयारी करते समय मैंने अपने आपसे पूछा है कि वह कौनसा

महान सिद्धान्त है जिसने अब तक संघ को एकता में बांधे रखा और मेरा विश्वास है कि यह केवल उपनिवेशों का अपनी मातृभूमि से अलग होना ही नहीं था बल्कि स्वतन्त्रता की घोषणा का वह अटूट सिद्धान्त था, जिसने इस देश के व्यक्तियों को स्वतन्त्रता और तमाम विश्व को आशा दी। इस सिद्धान्त ने एक पुराने स्वप्न को सत्य किया था। वह स्वप्न जिसे मनुष्य बराबर देखते आए हैं कि इस जीवन में वे एक दिन अपनी जंजीरों को तोड़ सकेंगे और स्वतन्त्रता तथा भाई भाई का प्यार पा सकेंगे। हमने जनतंत्र प्राप्त किया। लेकिन अब प्रश्न यह है कि क्या वह जीने के लिए काफी शक्तिशाली है? शायद हमें वह भयंकर दिन देखना पड़े जब वह स्वप्न समाप्त हो जाए। अगर ऐसा हुआ तो मुझे डर है कि वह हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। मैं यह विश्वास नहीं कर सकता कि जनता को फिर कभी वह अवसर मिलेगा जो हमें मिला है। शायद हमको यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि स्वतन्त्रता और समानता के हमारे उद्देश्य बहुत ऊंचे थे और हमें समय की मांग को स्वीकार कर लेना चाहिए। मैंने पूर्वी देशों के एक राजा के बारे में सुना है जिसने एकबार अपने मनीषियों से एक ऐसा वाक्य गढ़ने के लिए कहा

था जो हर समय और हर स्थिति के लिए उपयुक्त और सत्य हो। उन्होंने उसे यह वाक्य बताया और 'यह भी समाप्त हो जायगा।' दुख के समय यह विचार आराम देने वाला है और 'यह भी समाप्त हो जाएगा' लेकिन फिर भी (सहसा वह शान्त पर दृढ़ अधिकार के स्वर में बोलता है।) लेकिन फिर भी हमें यह विश्वास करना चाहिए कि यह सत्य नहीं है। हमें यह प्रमाणित करने के लिए जीवित रहना चाहिए कि हम चारों ओर फैले हुए नैसर्गिक संसार तथा हमारे भीतर जो विवेक और नैतिकता पूर्ण संसार है उसकी देखभाल कर सकते हैं और उसमें सुधार कर सकते हैं जिससे हम व्यक्तिगत, सामाजिक और राजनैतिक प्रगति कर सकें, जो उस समय तक, जब तक धरती है, समाप्त नहीं होगी। मैं आप सबको भगवान को सौंपता हूं और आशा करता हूं कि अपनी प्रार्थनाओं में आप मुझे याद रखेंगे। अल-विदा, मेरे दोस्तो अलविदा। अलविदा मेरे पड़ौ-सियो। (वह अपने व्यक्तिगत मित्रों के साथ हाथ मिलाने के लिए और उन्हें नमस्कार कहने के लिए कार के छज्जे पर झुकता है। संगीत आरम्भ होता है। हर्षध्वनि बढ़ती है। संचालक अपनी घड़ी देखता है और अधिकारी से कुछ कहता है। जो ट्रेन पर चढ़ जाता है। मंच पर भीड़ चिल्ला रही

है। 'अलविदा एब, अलबिदा मिस्टर लिंकन। शुभकामनाएं एब। हमें आप पर विश्वास है लिंकन।' उसके बाद भीड़ यह गीत गाना शुरू कर देती है—जान ब्राउन की देह, जान ब्राउन की देह, धरती के भीतर बहुत नीचे सोई है लेकिन उसकी आत्मा दौड़ती हुई जा रही है। कैवैना लिंकन से कुछ कहने की कोशिश करता है लेकिन कुछ सुनाई नहीं देता। वह लिंकन को हाथ से छूता है। लिंकन तेजी से मुड़ता है।)

कैवैना—राष्ट्रपति महोदय! चलने का समय हो गया। अच्छा हो अब आप कार के भीतर चलें। (सैनिक कार पर चढ़ना शुरू करते हैं। एब अन्तिम बार भीड़ को देखता है। देर तक देखता रहता है। अपना हैट हिलाता है। फिर मुड़ता है और कार में चला जाता है। उसके पीछे कैवैना, सैनिक अधिकारी और सैनिक हैं। संगीत बराबर चलता रहता है।)

सब लोग—(गाते हुए) उसकी आत्मा दौड़ती हुई जा रही है। (गाड़ी का एक कार्यकर्ता अपना लैम्प हिला रहा है। संचालक गाड़ी में चढ़ जाता है। भीड़ हर्षध्वनि करती है। हैट और हाथ हिलाते हैं। इंजन सीटी देता है और पर्दा गिर जाता है।)

बारहवां दृश्य समाप्त

परिशिष्ट

आमीन——प्रार्थनाओं के अन्त में आने वाला एक शब्द। इसका अर्थ है, ऐसा ही हो।

बोस्टन चाय पार्टी——१६ दिसम्बर, १७७३ की एक सभा जिसमें बोस्टन निवासियों ने इस बात का निश्चय किया कि वे इंगलैंड को इस बात की आज्ञा नहीं देंगे कि वह संयुक्त राष्ट्र अमेरिका को बाहर से सामान खरीदने के लिए मजबूर करे। सभा समाप्त होने पर ये नागरिक उन तीन जहाजों पर, जो तभी आए थे चढ़ गए और चाय के सैकड़ों बक्सों को समुद्र में फेंक दिया।

स्वतन्त्रता की घोषणा——इसके अनुसार १३ मौलिक उपनिवेशों ने ४ जुलाई १७७६ को अपने को ग्रेट ब्रिटेन से मुक्त और स्वतन्त्र घोषित किया था।

ड्रड स्काट निर्णय——१८४८ में एक नीग्रो दास ड्रेड स्काट के विरुद्ध निर्णीत हुआ एक मामला। ड्रैड स्काट ने संविधान का अधिकार मांगा था क्योंकि उसके स्वामी ने बहुत दिनों तक उसे स्वतन्त्र भूमि पर रखा था। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय किया कि वह नागरिक नहीं है और इसलिए उसके अधिकार नहीं हैं। चूंकि दास एक सम्पत्ति है इसलिए स्वामी के सम्पत्ति के अधिकारों की हर कहीं रक्षा की जानी चाहिए।

निर्वाचक——जिसको चुनाव करने का अधिकार हो। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में इसका अर्थ होता है वह

व्यक्ति जिसे जनता राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति चुनने के लिए चुनती है ।

जान ब्राउन की देह——उस गीत की पहली पंक्ति जो जान ब्राउन की स्मृति में गाया जाता है । जान ब्राउन ने दुर्दम्य साहस के साथ दासों की स्वतन्त्रता के लिए युद्ध किया था । कुछ लोग उसे सनकी समझते थे और कुछ नेता। अपने विश्वासों के लिए लड़ते हुए वह मारा गया था ।

मूड——अंग्रेजी व्याकरण में मूड शब्दों के उस भाव को कहते हैं जिससे काम करने के प्रकार का पता लगता हो । एक तथ्य, एक इच्छा, एक सम्भावना आदि । अंग्रेजी भाषा में इसका दूसरा अर्थ है 'मन की स्थिति ।' हिन्दी व्याकरण में आजकल मूड का प्रयोग नहीं होता । पहले होता था और इसे प्रकार कहते थे ।

सीनेट——व्यक्तियों का समूह । संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में राष्ट्रों के लिए कानून बनाने वाली ऊंची सभा ।

संघ——राज्यों का समूह, जिससे संयुक्त राष्ट्र अमेरिका बना है ।

विग——अमेरिका के पुराने इतिहास में अमरीकी क्रान्ति का मित्र और सहायक । १८३४ के बाद डेमोक्रेटिक दल के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र की एक राजनैतिक पार्टी ।